kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-15 | अंक-253 | बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12



कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है, लेकिन अपने काम को, अपने ट्रैक रिकॉर्ड को पूरी तरह नजरअंदाज करती है।
पियूष गोयल

पुंछ में आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश, एके-47 और छह हथगोले बरामद 11

पंजाब में नशा विरोधी अभियान चलाने वाले एक्टिविस्ट की गोली मारकर हत्या 12

संक्षेप

विपक्षी दलों के प्रदर्शन पर चार एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एसआईआर के विरोध में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों के प्रदर्शन को लेकर विभिन्न थानों में चार एफआईआर दर्ज की। इसमें सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और बिना अनुमति के प्रदर्शन करने की धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस इससे जुड़ी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली इलाके में धारा 163 के तहत किसी भी तरह के प्रदर्शन की मनाही है। इसके बाद भी कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने सोमवार को बाराखम्भा रोड, मंदिर मार्ग और मार्ग इलाके में प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और सपा प्रमुख अखिलेश यादव शामिल थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जगह-जगह रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिस को धक्का देकर आगे बढ़ते गए। बाद में हिरासत में लेने के बाद प्रदर्शन खत्म हुआ था। इस बाबत तिलक मार्ग थाने में दो, मंदिर मार्ग और बाराखम्बा रोड थाने में पुलिसकर्मियों की शिकायत पर एक-एक एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में प्रदर्शन में शामिल प्रमुख नेताओं के नाम का भी उल्लेख है। वहीं, नई दिल्ली के विभिन्न थानों में अब तक बिना अनुमति के प्रदर्शन करने की कुल 22 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। फिलहाल इन सभी एफआईआर की जांच के लिए ?विशेष टीम का गठन किया है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी। कांग्रेस नेता गांधी के खिलाफ महाराष्ट्र की अदालत में उनके कथित एक बयान से जुड़ा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अपील पर महाराष्ट्र सरकार और शिकायतकर्ता व भाजपा नेता महेश श्रीश्रीमाल को नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया है। पीठ ने सभी पक्षकारों को 4 सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाईकोर्ट के 8 सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें मानहानि के मामले को रद्द की मांग को लेकर दाखिल उनकी याचिका को खारिज कर दी गई थी। कांग्रेस नेता के खिलाफ यह मानहानि का मामला 2018 में राफ़ेल फाइटर जेट सौदे को लेकर प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी के कारण दर्ज किया गया था। हाईकोर्ट ने श्रीश्रीमाल की शिकायत पर गांधी के खिलाफ कार्यवाही के लिए गिरगांव मजिस्ट्रेट के 28 अगस्त, 2019 के आदेश के खिलाफ गांधी की याचिका खारिज कर दी थी।

अपराधियों के मन में कानून का भय जरूरी : मुख्यमंत्री

2017 से पहले जो सत्ता में थे, वही लूट-खसोट करते थे, जो रहनुमा थे वही चोर भी थे : योगी



एजेंसी

- बरेली में मुख्यमंत्री योगी ने ग्राम प्रहरियों का किया सम्मान, मानदेय बढ़ाने के साथ पांच लाख तक कैशलैस उपचार सुविधा की दी सौगात
- अब कहीं उपद्रव नहीं, सुरक्षित माहौल में नवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़: मुख्यमंत्री

बरेली । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के करीब 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय एक हजार रुपये बढ़ाने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार ग्राम प्रहरियों व उनके परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये कैशलेस इलाज की सुविधा भी देने जा रही है। मानदेय में एकमुश्त 40 प्रतिशत की वृद्धि से अब उन्हें 2500 के बजाय 3500 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इस तरह प्रत्येक ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होगी। वर्ष 2017 में ग्राम प्रहरियों को महज 1500 रुपये मानदेय मिलता था, जिसे वर्ष 2019 में बढ़ाकर 2500 रुपये किया गया था। अब जिम्मेदारी के साथ सरकार उनकी सुविधाएं भी बढ़ा रही है। मंगलवार को बरेली पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले जो लोग सत्ता में थे, वही लूट-खसोट भी करते थे। जो रहनुमा थे, वही चोर भी थे, वही डकैती डालते थे या डलवाते थे। तो जनता किससे उम्मीद करती? पुलिस भी मौन रह जाती थी। आज लोग बेखौफ होकर पर्व-त्योहार मनाते हैं। नवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इसका जीवंत उदाहरण है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था के प्रति देश-दुनिया की धारणा बदल चुकी है। बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले या लूट-चेन स्नेचिंग करने वाले अपराधियों का गंभीर परिणाम भुगतना तय है। जिन लोगों ने बुराई पाली थी, जनता ने उनको जवाब दे दिया और जो अच्छाई लेकर के चले थे, वे प्रदेश को भी अच्छा बनाने में सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपराधियों के मन में कानून का भय होना बेहद जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति कानून तोड़ता है या दंगा-फसाद के जरिए समाज में अशांति फैलाने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ● शेष पेज 11 पर

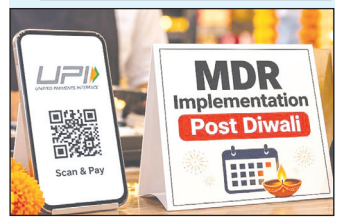
'सपा का संबंध माफिया-अपराधियों से रहा, शिक्षित और सभ्य समाज से नहीं'

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बरेली क्लब मैदान में शिक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा। उन्होंने सपा पर शिक्षा की उपेक्षा करने और माफिया-अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने सपा सरकार के एक पूर्व माध्यमिक शिक्षा मंत्री का किस्सा सुनाते हुए दावा किया कि गोरखपुर में शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के बलिदान दिवस के कार्यक्रम में तत्कालीन मंत्री ने उन्हें उस्ताद बिस्मिल्लाह खां समझ लिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस व्यक्ति को पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और उस्ताद बिस्मिल्लाह खां में अंतर न पता हो, उसके शिक्षा मंत्री रहने के दौरान प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लो के समर्थन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के प्रति समझ और संवेदनशीलता रखने वाला व्यक्ति ही शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर सकता है। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा ● शेष पेज 11 पर

यूपीआई पर 0.4 फीसदी शुल्क दिवाली तक टला

एजेंसी

- 15 अक्टूबर से लागू होना था नया नियम, 2 हजार रुपये से ज्यादा के भुगतान पर दुकानदारों को देना पड़ता शुल्क
- त्योहारी सीजन को देखते हुए एनपीसीआई ने लिया फैसला



नई दिल्ली। देशभर में डिजिटल भुगतान करने वाले लोगों और कारोबारियों के लिए बड़ी खबर है। यूपीआई के जरिए दुकानदारों को किए जाने वाले दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 फीसदी शुल्क लगाने का फैसला दिवाली तक टाल दिया गया है। यह नियम 15 अक्टूबर से लागू होना था, लेकिन त्योहारी सीजन को देखते हुए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने इसे फिलहाल आगे बढ़ाने का फैसला किया है। अब यह शुल्क दिवाली के तुरंत बाद लागू किया जा सकता है, हालांकि इसकी नई तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत यदि कोई ग्राहक दुकानदार को दो हजार रुपये से अधिक का भुगतान यूपीआई के माध्यम से करता है, तो दुकानदार को निर्धारित दर के अनुसार शुल्क देना पड़ सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि यहां बताई गई व्यवस्था दुकानदारों और कारोबारियों से संबंधित प्रस्तावित शुल्क की है। इसका मतलब यह नहीं है कि आम ग्राहक को हर यूपीआई भुगतान पर अलग से शुल्क देना होगा। प्रस्तावित दरों के अनुसार, यदि किसी ग्राहक ने दुकानदार को यूपीआई के माध्यम से ढाई हजार रुपये का भुगतान किया, तो दुकानदार को दस रुपये शुल्क देना पड़ सकता है। इसी तरह पांच हजार रुपये के भुगतान पर बीस रुपये और दस हजार रुपये के भुगतान पर चालीस रुपये शुल्क बनता है। वहीं, 75 हजार रुपये या उससे अधिक के बड़े भुगतान पर अधिकतम 300 रुपये शुल्क की सीमा बताई गई है। इससे बड़ी रकम के लेनदेन में शुल्क की अधिकतम राशि सीमित रखने का प्रावधान सामने आता है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रस्तावित शुल्क दुकानदार के खाते से काटे जाने की व्यवस्था से संबंधित है। ग्राहक को अलग से शुल्क देने की बात नहीं कही गई है। हालांकि, इस प्रस्ताव के अंतिम नियम और लागू होने की तारीख को लेकर आधिकारिक स्थिति की पुष्टि जरूरी है। दिवाली देश के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। इस दौरान बाजारों में कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान, गहने, घरेलू उपकरण और अन्य वस्तुओं की खरीदारी तेजी से बढ़ती है। छोटी दुकानों से लेकर बड़े प्रतिष्ठानों तक, इस समय डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल काफी बढ़ जाता है। ऐसे में यदि त्योहारी खरीदारी के बीच भुगतान से जुड़ा कोई नया शुल्क लागू होता, ● शेष पेज 11 पर

काला सागर में दो पोतों पर हमला, एक डूबा

एजेंसी

- दोनों पोतों पर हमले बुल्गारिया के तट से 32 और 34 किलोमीटर दूर

सोफिया। काला सागर में मंगलवार तड़के बुल्गारिया के तट के पास दो पोतों पर ड्रोन से हमला किया गया, जिससे एक पोत डूब गया। बुल्गारिया के प्रधानमंत्री रुमेन रादेव ने यह जानकारी दी।

रादेव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि एक पोत 'चेल्सी 3' के चालक दल के सभी 15 सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। माल्टा के झंडे वाले इस पोत पर सवार पांच लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनका उपचार किया जा रहा है। चालक दल में यूक्रेन के सात और अजरबैजान के आठ नागरिक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पोत के डेक और बाहरी ढांचे को तीन ड्रोन से निशाना बनाया गया। रादेव ने बताया कि डूबे हुए पोत के चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया है। हालांकि, उन्होंने पोत पर सवार अन्य लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। दोनों पोतों पर हमले बुल्गारिया के तट से 32 और 34 किलोमीटर दूर हुए। बुल्गारिया की सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक में रादेव ने इन हमलों को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) तथा यूरोपीय संघ से सहायता मांगी। रादेव ने कहा कि हालांकि, अधिकारियों के पास इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है, लेकिन तर्क यही संकेत देते हैं कि इन घटनाओं के पीछे रूस हो सकता है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा ने एक्स पर इन हमलों के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, रूस ने घटना पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने ड्रोन हमलों की घटनाओं की कड़ी निंदा की और कहा कि यूक्रेन में रूस के युद्ध के बीच काला सागर तनाव का एक और मोर्चा बन गया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह अस्वीकार्य है।

यूएई में मालदीव के दो पायलट हिरासत में लिए गए

- विमान गिराने की साजिश के मामले में हुई कार्रवाई

दुबई, एजेंसी। दुबई-तेल अवीव उड़ान के अपहरण और उसे दुर्घटनाग्रस्त कराने की कथित साजिश के संबंध में यूएई की पुलिस ने फ्लाईदुबई में कार्यरत मालदीव के दो पायलट को गिरफ्तार किया है।ओमान के एक सह-पायलट की साजिश को नाकाम करने की कोशिश के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार घायल हो गए थे। मालदीव के समाचार पोर्टल 'अधाधू' की खबर के अनुसार दोनों सह पायलट को तीन अक्तूबर को हिरासत में लिया गया था और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मालदीव के दूतावास ने उनके परिवारों को हिरासत में लिए जाने की औपचारिक सूचना दे दी है। मालदीव के अधिकारियों ने दोनों पायलट को हिरासत में लिए जाने के मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। हिरासत में लिए गए मालदीव के नागरिकों पर लगे आरोपों या उनकी संभावित संलिप्तता के बारे में यूएई अधिकारियों की ओर से अब तक कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। ये गिरफ्तारियां ● शेष पेज 11 पर

निर्वाचन आयुक्तों को जीवन पर्यंत कार्रवाई से छूट देने पर सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी



- धारा 16 को एडीआर ने दी चुनौती, अनुच्छेद 14, 21 और संविधान के मूल ढांचे के उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली। विशेष संवाददाता मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) को उनके अधिकारिक कर्तव्यों के पालन के दौरान किए गए कार्यों के लिए किसी भी तरह की कार्रवाई/कार्यवाही से छूट दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार और भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम 2023 की धारा 16 को चुनौती देने वाली याचिका पर यह आदेश दिया है। कानून की धारा 16 के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों को पद पर बने रहने और त्यागने के बाद भी जीवन भर कार्रवाई से छूट (इम्यूनिटी) दिया गया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायामूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ ने गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की ओर से दाखिल याचिका पर विचार करते हुए केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। याचिका में कानून की धारा 16 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है। इसके तहत, फिलहाल लागू किसी अन्य कानून में कुछ भी होने के बावजूद, कोई भी अदालत किसी ऐसे व्यक्ति के ● शेष पेज 11 पर

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष की याचिका में 14 खामियां

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ राहुल गांधी, अखिलेश यादव और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत 11 विपक्षी नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में 14 खामियां सामने आई हैं। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने याचिका और उसके साथ जमा किए गए दस्तावेजों की जांच के दौरान ये कमियां दर्ज की हैं। इनमें निर्धारित कोर्ट फीस से 220 रुपये कम जमा करना, दस्तावेजों के कुछ पन्नों का गायब होना और कुछ पन्नों का स्पष्ट रूप से पढ़ा नहीं जा सकना शामिल है। इन खामियों के चलते मंगलवार को याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। समाचार एजेंसी के मुताबिक, रजिस्ट्री ने याचिका दाखिल करने वाले वकील को दस्तावेजों में मिली कमियों को दूर करने के लिए कहा है। इसके अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष ● शेष पेज 11 पर

बिम्सटेक देश सुनिश्चित करें क्षेत्र में आतंकियों को पनाह न मिले : शाह

एजेंसी



- खुफिया जानकारी साझा करने से मजबूत होगी सामूहिक सुरक्षा
- मादक पदार्थों की तस्करी रोकने को सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बिम्सटेक देशों से आतंकवाद, आतंकी फंडिंग और संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए क्षेत्रीय सहयोग मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आतंकियों को इस क्षेत्र में पनाह न मिले। यहां बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की पहली बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारत आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की नीति अपनाता है। उन्होंने कहा कि बिम्सटेक देशों के बीच साझेदारी का आधार यह विश्वास है कि प्रत्येक सदस्य देश की सुरक्षा व्यवस्था को अन्य सदस्य देशों की सुरक्षा में भी योगदान देना चाहिए। इससे आपसी भरोसा मजबूत होता है। शाह ने आतंकी नेटवर्क को पनाह लेने, ठिकाने और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, संसाधन जुटाने या अन्य सदस्य देशों के खिलाफ गतिविधियां संचालित करने से रोकने के लिए सामूहिक संकल्प का आह्वान किया। उन्होंने सभी सदस्य देशों से अपने राष्ट्रीय कानूनों और लागू समझौतों के अनुरूप पारस्परिक कानूनी सहायता तथा प्रत्यर्पण के मामलों में सहयोग करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह का सहयोग अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के प्रयासों ● शेष पेज 11 पर

पीएम मोदी बोले- भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं और प्रतिभा दी, बदले में कभी श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी

दूसरों को सशक्त बनाने में ही ताकत का असली महत्व

एजेंसी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने हमेशा दुनिया की जरूरतों को पूरा करने और दूसरे देशों को आगे बढ़ने में मदद करने की भूमिका निभाई है। जब दुनिया को सस्ती दवाओं की जरूरत होती है, तो भारत उसकी आपूर्ति करता है। जब दुनिया को प्रतिभा और कुशल युवाओं की जरूरत होती है, तो भारतीय युवाओं पर भरोसा जताया जाता है। भारत ने दुनिया को शून्य जैसी महान गणितीय अवधारणा दी, लेकिन इसके बदले कभी श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में पहली बार आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। करीब 25 मिनट के अपने भाषण में उन्होंने भारत की आर्थिक प्रगति, डिजिटल तकनीक, सस्ती दवाओं, कोविड के दौरान टीकों की आपूर्ति, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि भारत की ताकत केवल अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए अवसर पैदा करने और देशों को जोड़ने में भी है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज दुनिया को ऐसे भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है, जो संकट के समय साथ खड़े रहें, अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करें और वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने में योगदान दें। भारत इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ज्ञान, धन और शक्ति का वास्तविक महत्व इस बात से तय होता है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए किया जाता है। भारत का दृष्टिकोण दूसरों को कमजोर करने के बजाय उन्हें सक्षम बनाने का है। देश अवसर पैदा करने, सहयोग बढ़ाने और दुनिया को एक साथ जोड़ने में विश्वास रखता है।

उन्होंने कहा कि इतिहास में कई वैश्विक संगठन बने और अलग-अलग देशों ने अपने हितों के अनुसार पहल की। भारत ने भी अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली जैसे अभियानों के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, सत्ता और ताकत का इस्तेमाल केवल नियंत्रण स्थापित करने के लिए नहीं, बल्कि दूसरों को आगे बढ़ाने के लिए होना चाहिए। भारत की पहचान इसी सोच से बन रही है। देश अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विश्वसनीयता और स्थिरता को महत्व देता है, ताकि मुश्किल समय में भी सहयोग और आपूर्ति की व्यवस्था बनी रहे।

कोरोना महामारी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट के समय भारत ने अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे देशों की मदद के लिए भी किया। कोविड के दौरान टीकों की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में भारत ने 100 से अधिक देशों तक वैक्सीन की आपूर्ति की। उन्होंने कहा कि भारत अपनी तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के हित में करना चाहता है। महामारी ने यह स्पष्ट किया कि दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो मुश्किल परिस्थितियों ● शेष पेज 11 पर

एक दशक में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी व्यवस्था पर निर्भर बनाए रखना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में भारत ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। उन्होंने स्टार्टअप क्षेत्र में आए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में नवाचार और उद्यमिता के अवसर अब छोटे शहरों तक पहुंच रहे हैं। इससे नए विचारों को आगे बढ़ाने और युवाओं को रोजगार तथा कारोबार के अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि लोगों को इस योग्य बनाना भी है कि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें और अपने भविष्य के फैसले स्वयं ले सकें।

छात्रा नैंसी बनीं एक दिन की एसडीएम, जानवी ने संभाला सीएचसी अधीक्षक का कार्यभार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



मलिहाबाद/लखनऊ। मिशन शक्ति अभियान के तहत मंगलवार को बालिकाओं के सशक्तीकरण और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए एक सराहनीय पहल देखने को मिली। ढेंढेमऊ स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की कक्षा 8 की दो होनहार छात्राओं को प्रशासनिक पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। कसमंडी खुर्द निवासी नैंसी को एक दिन के लिए मलिहाबाद का एसडीएम, जबकि भुलसी गांव निवासी जानवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का अधीक्षक बनाया गया। पदभार संभालने के बाद नैंसी ने उपजिलाधिकारी अपराजिता आर्यन से प्रशासनिक कामकाज की बारीकियों को समझा और तहसील परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था जांची। साथ ही उन्होंने समाधान दिवस पर आए फरियादियों की समस्याएं भी सुनीं। वहीं, एक दिन की सीएचसी अधीक्षक बनीं जानवी ने अस्पताल की ओपीडी, आपातकालीन व्यवस्था और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। विद्यालय की वार्डन/संरक्षक नीलिमा सिंह ने बताया कि दोनों छात्राएं मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं और खेल में भी अव्वल हैं। जानवी जहां हॉकी की राज्य स्तरीय खिलाड़ी हैं, वहीं नैंसी फुटबॉल की राज्य स्तरीय खिलाड़ी हैं और हाल ही में उनका चयन नेशनल टीम के लिए हुआ है।नैंसी ने बताया कि उनका सपना फुटबॉल में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ आगे चलकर प्रशासनिक सेवा में जाकर वास्तविक एसडीएम बनने का है। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक जागरूकता का संचार करना है।

नारायण दत्त तिवारी की प्रशासनिक क्षमता का वर्णन शब्दों में करना कठिन : महाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि स्वर्गीय पं. नारायण दत्त तिवारी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संस्था और एक युग थे। वे विकास की आधारशिला रखने वाले ऐसे राजनेता थे, जिनका संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहा।

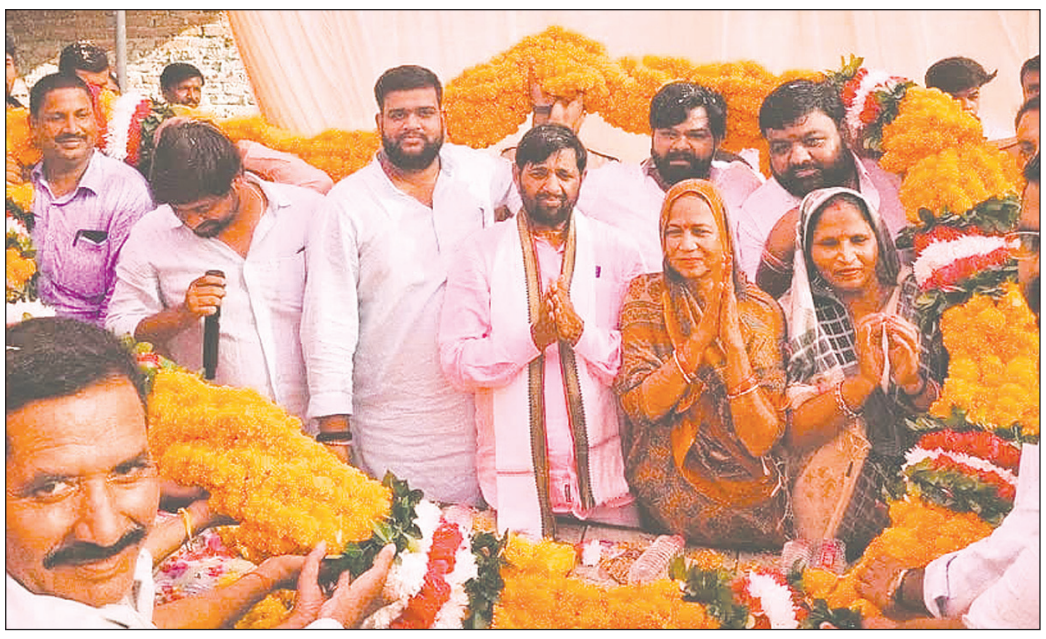
विधान सभा अध्यक्ष मंगलवार को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मुख्य सभागार में आयोजित पं. नारायण दत्त तिवारी जन्म शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सतीश महाना ने कहा कि पं. नारायण दत्त तिवारी की योग्यता और प्रशासनिक क्षमता का वर्णन शब्दों में करना कठिन है। प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनके व्यक्तित्व से परिचित न हो। उन्होंने उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तथा केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

महाना ने कहा कि पं. तिवारी में प्रशासनिक क्षमता के साथ-साथ लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने विधानसभा की गरिमा को सदैव ऊंचा रखा। उनके विधानसभा में दिए गए वक्तव्य व्यापक संसदीय अनुभव और विषयों पर उनकी पकड़ को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा के ऐप पर उपलब्ध उनके वक्तव्यों को नई पीढ़ी को पढ़ना चाहिए और उनके जीवन से कुछ सीखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थाएं निरंतर चलती रहती हैं, लेकिन उनसे जुड़े व्यक्तियों को अपने कार्यों से ऐसी पहचान छोड़नी चाहिए, जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखें। किसी व्यक्ति की कमियों के आधार पर पूरी संस्था का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। हर क्षेत्र में अच्छे और कमजोर दोनों प्रकार के लोग हो सकते हैं, लेकिन संस्था की गरिमा और महत्व बना रहता है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अम्मार रिजवी ने कहा कि सतीश महाना ने भारत के अंदर ही नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी उत्तर प्रदेश विधानसभा का नाम रोशन किया है। उन्होंने विधानसभा को आधुनिक, तकनीक-सक्षम और प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पवन सिंह चौहान ने पं. नारायण दत्त तिवारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। इस अवसर पर पूर्व मुख्य सचिव अतुल गुप्ता, पूर्व मंत्री अम्मार रिजवी, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. सी.एम. सिंह तथा वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे।

आत्मसम्मान की लड़ाई के लिए घेरेंगे थाना-तहसील: कौशल

- नशामुक्त समाज और समान शिक्षा की मांग को लेकर निकली आत्मसम्मान रथ यात्रा;
- विकास किशोर बोले– 'उपाध्यक्ष पद देकर थमाया लॉलीपॉप'

कैनविज टाइम्स संवाददाता



मलिहाबाद/लखनऊ। अपराध मुक्त समाज, नशामुक्ति और समान शिक्षा के अधिकार को लेकर पारख महासंघ के तत्वावधान में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के नेतृत्व में 'आत्मसम्मान रथ यात्रा' निकाली गई। काकोरी से शुरू हुई यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए देर शाम संपन्न हुई। रहीमाबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने दो टूक कहा कि यदि सरकारी दफ्तरों, थानों, तहसीलों और अस्पतालों में गरीबों व वंचितों का सम्मान नहीं हुआ और उनकी आवाज दबाई गई, तो कार्यकर्ता घेराव करने से पीछे नहीं हटेंगे। जनता के आत्मसम्मान और न्याय की लड़ाई सड़क पर लड़ी जाएगी। उन्होंने समान शिक्षा प्रणाली पर जोर देते हुए कहा कि अमीर और गरीब सभी को एक जैसी शिक्षा मिलनी चाहिए। कक्षा 6 से ही पाठ्यक्रम में अपराध और उसके दुष्प्रभावों को शामिल किया जाए, ताकि युवा पीढ़ी अपराध की दुनिया से दूर रह सके। उन्होंने नशामुक्ति की अपील करते हुए कहा कि नशा न सिर्फ व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार को तबाह कर देता है। आत्मसम्मान रथ यात्रा का शुभारंभ काकोरी के दुर्गागंज से हुआ। इसके बाद माल, गौरैया, गहदों, ससपन, रहीमाबाद, अटौरा, मलिहाबाद कस्बा और कसमंडी कलां समेत नौ प्रमुख स्थानों पर कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर मलिहाबाद विधायक जयदेवी कौशल, ब्लॉक प्रमुख निर्मल वर्मा, जितेंद्र गौतम, अंजू सिंह, नवीन यादव, ओमप्रकाश साहू, सिराज अहमद, आदर्श सिंह, सतीश गोस्वामी, मीनू वर्मा, पंकज प्रधान और राजू (कोयला वाले) सहित बड़ी संख्या में समर्थक व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जितना मोदी-योगी का नाम लिया, उतना माता-पिता का नहीं' : विकास किशोर

यात्रा के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री के पुत्र विकास किशोर का दर्द भी छलक पड़ा। भाजपा अनुसूचित मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें यह पद देकर सिर्फ 'लॉलीपॉप' थमाया है, जो उन्हें स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमने जितनी बार मोदी-योगी का नाम लिया, उतनी बार तो अपने माता-पिता का भी नहीं लिया। इसके बावजूद पार्टी के ही कुछ नेताओं ने भीतरघात कर मेरे पिता को हराने का काम किया।''

बाल वैज्ञानिकों को नगर पंचायत चेयरमैन ने किया सम्मानित



कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। मंगलवार को राजपति सिंह स्मारक सरस्वती शिशु मंदिर, पसना में भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित दो दिवसीय त्संकुल ज्ञान-विज्ञान मेला 2026 का समापन समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत कोरांव के चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए मेधावी छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान मॉडलों की अद्भुत प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को देखकर मुख्य अतिथि ने सभी बाल वैज्ञानिकों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने कहा कि ''बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को देखकर मन अत्यंत प्रफुल्लित है, यही बच्चे देश का भविष्य हैं। इस अवसर पर विज्ञान क्षेत्रीय संयोजक, विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय का परचम, जीता तीन गोल्ड



कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय, मऊगंज में आयोजित जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, त्योथर के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में महिला वर्ग में साक्षी सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता। वहीं पुरुष वर्ग में सूरज मौर्य एवं किशन यादव ने प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। द्वितीय स्थान पर पुरुष वर्ग से रत्नेश नामदेव तथा महिला वर्ग से खुशी कुशवाहा एवं दिव्या सिंह रहीं। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजना सिंह ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार मौर्य के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अनुशासन और कड़ी मेहनत का परिचय दिया। इस जीत से महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

एनसीसी कैडेटों ने पुलिस के साथ चलाया ट्रैफिक जागरूकता अभियान

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। 16 यू.पी. बटालियन एनसीसी, गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज कोरांव इकाई के कैडेटों ने मंगलवार को कोरांव पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर कोरांव चौराहा पर ट्रैफिक जागरूकता अभियान चलाया। अभियान की शुरुआत थाना कोरांव के इंस्पेक्टर शैलेन्द्र सिंह व एसएसआई रमेश मिश्र ने कैडेटों को यातायात नियमों की जानकारी देकर की। इसके बाद कैडेटों ने चौराहे पर ''रोको और टोको'' अभियान के तहत बिना हेलमेट चल रहे वाहन चालकों को रोककर हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के एनसीसी ऑफिसर श्याम नारायण सरोज व अध्यापक रोहित तिवारी ने बच्चों के साथ पुलिस प्रशासन के सहयोग से स्थानीय लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। पुलिस व एनसीसी के इस संयुक्त अभियान की लोगों ने सराहना की।

14 से 17 अक्टूबर तक लगेंगे पं. दीनदयाल पशु आरोग्य शिविर

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजकीय पशु चिकित्सालय कोरांव के तत्वावधान में वि.खं. कोरांव में पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ईश्वरी नारायण यादव ने बताया कि शिविर का कार्यक्रम 14 अक्टूबर, बुधवार: ग्राम गिरगौंठा (गिरगौंठा चौराहा) में। 15 अक्टूबर, गुरुवार: ग्राम पसना (मां सरदार पटेल पार्क) में। 17 अक्टूबर, शनिवार: ग्राम टीकर (पंचायत भवन) में। शिविर में पशुओं का नि:शुल्क उपचार, दवा वितरण, टीकाकरण व पशुपालकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस संबंध में माननीय प्रमुख जी/माननीय विधायक जी, वि.खं./वि.स. क्षेत्र कोरांव सहित क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत सदस्यों को भी प्रतिभाग करने हेतु पत्र भेजा गया है। सभी संबंधित पशु चिकित्साधिकारियों को अपने स्टाफ के साथ शिविर में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सर्वोदय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी नि:शुल्क जेईई-नीट कोचिंग

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग से संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में पढ़ने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी का सुनहरा अवसर है। दक्षणा फाउंडेशन की ओर से संयुक्त दक्षणा चयन परीक्षा (जेडीएसटी-2027) के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसके तहत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 12 की पढ़ाई पूरी करने के बाद एक वर्ष तक जेईई अथवा नीट की नि:शुल्क तैयारी के साथ आवास और भोजन की सुविधा भी मिलेगी। यह सुविधा पुणे के निकट स्थित दक्षणा वैली परिसर में उपलब्ध कराई जाएगी।

समाज कल्याण उपनिदेशक जे. राम ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में अध्ययनरत और मई 2027 तक बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी निर्धारित मानकों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। इंजीनियरिंग वर्ग में छात्र के लिए सामान्य श्रेणी में कक्षा 10 के गणित एवं विज्ञान विषयों में निर्धारित कटऑफ 85 प्रतिशत और छात्रा के लिए 80 प्रतिशत है। अन्य आरक्षित श्रेणियों के लिए कटऑफ अलग-अलग निर्धारित है। मेडिकल वर्ग में सामान्य श्रेणी के लिए 80 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 75 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 65 प्रतिशत कटऑफ निर्धारित है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **दिनांक 03.11.2026 को 15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सूचना संख्या		निविदा संख्या
01062026 दिनांक 12.10.2026		41-Sr.DEN-I-LKO/2026-27
कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) लखनऊ के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/आलमबाग–पश्चिम के अनभुाग में आलमबाग पुलिस स्टेशन से लंगड़ा फाटक तक रेलवे रोड (कैरेज एवं वैगन वर्कशॉप रोड) के उन्नयन एवं सुधार का कार्य ।	
अनुमानित लागत		धरोहर राशि
Rs. 2,48,95,733.92		Rs. 497900.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः माह।	
निविदा डालने की प्रारंभ तिथि	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	बेबसाईट
20.10.2026	03.11.2026, 15:00 बजे	www.ireps.gov.in

नोटः– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3557/2026

संभव जनसुनवाई में पहुंचीं 22 शिकायतें, नगर आयुक्त ने दिए निस्तारण के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता



- साफ-सफाई, सीवर समस्या, स्ट्रीट लाइट, असेसमेंट, दाखिल-खारिज के लिए दिया प्रत्यावेदन
- सभी प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिया निर्देश

वाराणसी : नगर निगम में मंगलवार को आयोजित संभव जनसुनवाई के दौरान कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुईं। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने जनसुनवाई के दौरान लोगों की समस्याएं ध्यान से सुनीं। समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए प्रत्यावेदन अग्रसारित किए।

जनसुनवाई के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने जर्जर भवन, सड़कों की स्थिति, साफ-सफाई, सीवर समस्या, स्ट्रीट लाइट, असेसमेंट, दाखिल-खारिज और आवास जैसी विभिन्न नागरिक समस्याओं से संबंधित अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। इसमें बजरडीहा के धनंजय चौबे ने सड़क के लिए प्रत्यावेदन दिया। वहीं औरंगाबाद के लवकुश चौरसिया ने जर्जर भवन, तरना शिवपुर के प्रियंका मिश्रा ने साफ-सफाई, सारनाथ के रवि कुमार पटेल ने असेसमेंट, आदमपुर के तारिक अनवर व इंद्रपुरी कॉलोनी के ओमप्रकाश चौबे ने सीवर के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। बजरडीहा के मो. सुलैनी और शिवपुरवा के अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने स्ट्रीट लाइट, शिवपुरवां के राहुल सोनकर और चांदपुर के अमरजीत ने साफ-सफाई के संबंध में प्रत्यावेदन दिया। नगवां के पीयूष कुमार पांडेय, नदेसर के रोहन मिश्रा व मिसिर पोखरा के उपहास कुमार ने दाखिल-खारिज के संबंध में आवेदन किया। कोल्हुआ विनायका के धर्मेंद्र कुमार सोनकर ने संचिका के संबंध में काजीपुरा खुर्द के सज्जाद खान ने सर्विस बीमा व भुगतान, सीरगोवर्धन के शिवधनी ने स्ट्रीट लाइट तथा कमच्छा के रामानन्द ने सीवर के संबंध में अपनी शिकायतें रखीं। इसके अलावा लक्ष्मनपुर की दुर्गा देवी और रूबी प्रजापति ने आवास, मढवां लमही के वैभव शर्मा ने सड़क, कोतवाली के आनंद कुमार सुरेका ने जर्जर भवन तथा पियरीया पोखरी के अंगद चौहान ने सीवर के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। निगम अधिकारियों द्वारा सभी प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत-रत्योरा करपिया विकास खण्ड-कोरांव, प्रयागराज

पत्रांक-मेमो / ग्राम पंचायत-निविदा / 2026-27 दिनांक-13/10/2020

अल्पकालीन निविदा सूचना

पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त व मनरेगा योजना के अर्न्तगत ग्राम पंचायत-रत्योरा करपिया के अन्तरर्गत पंजीकृत ठेकेदारो से अधोलिखित विवरण के अनुसार सामग्री आपूर्ति हेतू दिनांक 14/10/2026 से दिनांक 19/10/2026 सीलबन्द लिफाफे में 12 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 21/10/2026 को दोपहर 3 बजे गठित समिति के समक्ष खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र 10 रू के स्टाम्प पेपर के साथ ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य होगा। किसी एक अथवा समस्त निविदा को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगी। निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। नियम एवं शर्तों की जानकारी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है।

नोट- सामग्री की मात्रा स्वीकृत प्राकलन के अनुसार बढ़ घट सकती है ।

क्र.सं.	योजना का नाम	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
1	पंचम वित्त / पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा	ग्रा0पं0 रत्योरा करपिया में प्रधान, सचिव व पंचायत सहायक कक्ष में पी0वी0सी0 पैनलिंग, इलेक्ट्रिक व अन्य कार्य	2.62 लाख
2	पंचम वित्त / पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा	ग्रा0पं0 रत्योरा करपिया में काली रोड़ से मो0 गौस के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	1.20 लाख
3	पंचम वित्त / पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा	ग्रा0पं0 रत्योरा करपिया में काली रोड़ से रामप्रसाद तिवारी के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	1.20 लाख
4	पंचम वित्त / पन्द्रहवां वित्त/मनरेगा	ग्रा0पं0 रत्योरा करपिया में विभिन्न स्थानों पर सीमेंट बेंच स्थापना कार्य	1.20 लाख

शशिकान्त कुशवाहा
ग्राम प्रधान /प्रशासक
ग्रा0प0-स्त्योरा करपिया
कोरांव प्रयागराज

मनोज कुमार कनौजिया
ग्रा.वि. अ.
ग्रा0प0-स्त्योरा करपिया
कोरांव प्रयागराज

छह किलो 800 ग्राम हेरोइन बरामद

❐ दो गिरफ्तार पिस्टल, कारतूस, कैश और लग्जरी कार भी जब्त, कई जिलों तक फैले नेटवर्क की आशंका से मचा हड़कंप!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दुबग्गा लखनऊ। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ ANTF और दुबग्गा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिलने की खबर सामने आई है। दुबग्गा थाना क्षेत्र के महिपतमऊ स्थित अंधे की चौकी के पास पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद जुहेल और अमजद नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने 6 किलो 800 ग्राम हेरोइन बताए जा रहे पदार्थ के साथ हथियार, कारतूस, नकदी, वाहन, मोबाइल फोन और केमिकल समेत कई सामान बरामद किए हैं। इतनी बड़ी बरामदगी के बाद मामले की गंभीरता बढ़ गई है और अब पुलिस की जांच संभावित नेटवर्क तथा आरोपियों के संपर्कों पर केंद्रित हो सकती है।



पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान करीब 6 किलो 800 ग्राम हेरोइन, .32 बोर की पिस्टल, छह कारतूस, 16,170 रुपये नकद, एक स्कूटी, हुंडई वेन्यू कार, छह मोबाइल फोन और केमिकल सहित अन्य सामग्री बरामद की है। बरामद सामान की प्रकृति, उसके इस्तेमाल और आरोपियों से उसके संबंधों की जांच की जा रही है। बरामद मादक पदार्थ की अंतिम पहचान जांच के बाद ही आधिकारिक रूप से स्पष्ट होगी। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई थाना दुबग्गा के इंस्पेक्टर श्रीकान्त राय के नेतृत्व में की गई। चौकी इंचार्ज विनय कुमार गुरुदेव की टीम ने इगट्ठक्के साथ मिलकर अभियान को अंजाम दिया। संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों की गिरफ्तारी और इतनी बड़ी मात्रा में संदिग्ध मादक पदार्थ की बरामदगी को जांच के लिहाज से अहम माना जा रहा है। मामले में कई अलग-अलग जिलों तक नेटवर्क फैले होने की आशंका भी जताई जा रही है। ऐसे में जांच के दौरान यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि बरामद पदार्थ कहां से लाया गया था, इसकी आपूर्ति कहां की जानी थी और क्या इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं। हालांकि, कई जिलों में नेटवर्क सक्रिय होने की बात की अभी स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच से ही संभावित संपर्कों और पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। पुलिस अब बरामद मोबाइल फोन, वाहनों और अन्य सामग्री से जुड़े तथ्यों की जांच के जरिए आरोपियों की गतिविधियों तथा संभावित संपर्कों के बारे में जानकारी जुटा सकती है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। जांच में यदि अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है, तो कार्रवाई का दायरा बढ़ सकता है। लखनऊ के दुबग्गा इलाके में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने की जरूरत को चर्चा में ला दिया है। अब निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं कि गिरफ्तार आरोपियों से जुड़े संभावित संपर्कों, पदार्थ के स्रोत और कथित नेटवर्क को लेकर आगे क्या तथ्य सामने आते हैं।

अवध बस स्टैंड पर डग्गामार वाहनों के खिलाफ धरना, यात्रियों को हुई परेशानी

❐ चालक-परिचालकों ने अवैध रूप से सवारियां भरने का लगाया आरोप, टिकट के रुपये वापस लेने के लिए लगी यात्रियों की कतार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



चिनहट लखनऊ। चिनहट के कामता मे स्थित अवध बस स्टैंड के आसपास डग्गामार वाहनों की बढ़ती संख्या के विरोध में मंगलवार सुबह करीब नौ बजे बस चालक और परिचालक धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन कर रहे चालक-परिचालकों ने आरोप लगाया कि बस स्टैंड के आसपास बड़ी संख्या में डग्गामार वाहन खड़े होकर नियमों के विपरीत सवारियां भर रहे हैं। इससे रोडवेज बसों के संचालन पर असर पड़ने के साथ ही चालक-परिचालकों के रोजगार पर भी संकट खड़ा हो रहा है।

धरने पर बैठे चालक-परिचालकों ने संबंधित विभाग और अधिकारियों से बस स्टैंड के आसपास अवैध रूप से संचालित हो रहे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

उनका कहना था कि डग्गामार वाहनों की मनमानी के कारण उन्हें लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बस स्टैंड के आसपास यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग उठाई। चालक-परिचालकों के धरने के चलते बसों के संचालन को लेकर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही बस स्टैंड पर मौजूद यात्री अपने टिकट के रुपये वापस करने की मांग करते रहे। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए संबंधित विभाग की ओर से टिकट का पैसा वापस किए जाने की व्यवस्था की गई। इसके बाद यात्रियों ने कतार में लगकर अपने रुपये वापस लिए। हालांकि, कुछ यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें टिकट का पूरा पैसा वापस नहीं मिला। इसको लेकर यात्रियों में नाराजगी भी देखने को मिली। एक ओर चालक-परिचालक डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठे रहे, वहीं दूसरी ओर यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए परेशानी झेलनी पड़ी।

मारपीट के दो मामलों में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र में मारपीट और गाली-गलौज के दो अलग-अलग मामलों में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। शेरपुर लवल में दो बहनों के खिलाफ शिकायत की गई है, जबकि मंगटइया में मां-बेटी के साथ मारपीट का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शेरपुर लवल निवासी मनोरमा पाल ने अपनी बहनों रेखा पाल और वर्षा पाल पर 29 अप्रैल को गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं, मंगटइया निवासी एक महिला ने निर्भय यादव, रचना, दीपांशी और निर्भय की मां पर 15 सितंबर को उसके और उसकी बेटी के साथ अभद्रता, गाली-गलौज व मारपीट करने की शिकायत की है। दोनों मामलों में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सप्तम, कोर्ट संख्या-31, लखनऊ के आदेश पर 13 अक्टूबर को मुकदमे दर्ज किए गए। शेरपुर लवल मामले की विवेचना उपनिरीक्षक मनीष कुमार और मंगटइया प्रकरण की जांच उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार यादव कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों मामलों में फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। विवेचना के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर मारपीट, ईंट से हमला कर दो भाइयों को किया घायल

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र की बुद्ध विहार कॉलोनी निवासी चितरंजन कानौजिया ने पड़ोस में रहने वाले परिवार पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित के मुताबिक, 12 अक्टूबर की सुबह करीब 9:15 बजे वह अपने कमरे से कार्यालय जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर फरजाना नाम की महिला का फोन आया। आरोप है कि महिला ने उन्हें अपने घर बुलाते हुए बताया कि वहां रहने वाले धनंजय पांडेय के परिवार में रात को विवाद हुआ था और 112 पुलिस भी पहुंची थी। महिला ने उनसे कमरा खाली कराने की बात कहने का भी आरोप लगाया। पीड़ित का कहना है कि जब वह बातचीत करने पहुंचे तो धनंजय पांडेय, उनकी पत्नी और बेटा उनसे भिड़ गए। आरोप है कि विवाद के दौरान जातिसूचक गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद धनंजय और उनके बेटे ने चितरंजन कानौजिया तथा उनके भाई निरंजन के सिर पर ईंट से कई वार किए, जिससे दोनों घायल हो गए। पीड़ित ने अपनी जान-माल का खतरा बताते हुए पुलिस से आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस के दस्तावेज के अनुसार, मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

बाढ़ के बीच सेवा का संकल्प बरकरार,12वें दिन भी जरूरतमंदों तक पहुंची डॉ. बोरा की नारंगी टीम

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। फैजुल्लागंज में बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए विधायक डॉ. नीरज बोरा की नारंगी टीम का राहत अभियान 12वें दिन भी जारी रहा। मंगलवार को टीम ने नाव एवं ट्रैक्टर के जरिए जाकर मिल्लत नगर, लोहरामऊ, जायसवाल चौराहा, अपना लॉन, मथुरा विहार, पतंग मैदान के आसपास और शिवशक्ति नगर में राशन सामग्री एवं पेयजल वितरित किया। वहीं टीम द्वारा शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर व्रत रखने वाले लोगों को फलाहार वितरित कर उनकी धार्मिक भावनाओं का भी ध्यान में रखा। राहत वितरण टीम में नगर उपाध्यक्ष सौरभ बाल्मीकि, आकाश सिंह, सतीश वर्मा, लवकेश सिंह, शैलेन्द्र मौर्य, शैलेन्द्र स्वर्णकार, शिवम श्रीवास्तव, कृपाशंकर मिश्रा, मयंक मिश्रा, गौरव अवस्थी, राजू सिंह, श्रेया निगम एवं विवेक राजपूत सहित अन्य लोग शामिल रहे।



युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका, सिर के पास मिला जूट का बोरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आचारामऊ-मलाक मार्ग पर देर रात मिला अज्ञात पुरुष का शव

फील्ड यूनिट ने जुटाए साक्ष्य पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

बख्शी का तालाब,लखनऊ ।बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत आचारामऊ से मलाक जाने वाले कच्चे मार्ग पर सोमवार देर रात एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव के सिर के पास जूट का बोरा पड़ा मिलने से युवक की हत्या कर शव को सुनसान रास्ते पर फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पहुंची बीकेटी पुलिस और फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और मौत की वजह भी स्पष्ट नहीं है। पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे आचारामऊ-मलाक मार्ग के कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। इसके बाद बीकेटी पुलिस, फील्ड यूनिट और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की जांच के दौरान शव के सिर के पास जूट का बोरा पड़ा मिला। पुलिस ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया।डीसीपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सुनसान रास्ते पर शव मिलने से उठे सवाल

देर रात सुनसान कच्चे रास्ते पर अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने और उसके सिर के पास बोरा पड़े होने से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस इस पहलू पर भी जांच कर रही है कि युवक की मौत घटनास्थल पर हुई या कहीं और हत्या अथवा मौत के बाद शव यहां लाकर फेंका गया। पुलिस अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर भी जांच कर रही है।

शिनाख्त के प्रयास में जुटी पुलिस

पुलिस मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। साथ ही मौत की असल वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी वसीयत से जमीन हड़पने के आरोप में महिला गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ। सैरपुर थाना क्षेत्र के बौरूमऊ गांव में फर्जी वसीयत के जरिए जमीन अपने नाम कराने के आरोप में पुलिस ने पुष्पा देवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है। मामले में नामजद अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। शिकायतकर्ता पुत्तीलाल के अनुसार, उनके नाना साधू के नाम बौरूमऊ गांव में जमीन दर्ज थी। साधू की मृत्यु के बाद वर्ष 1977 में उनकी दो बेटियों चंद्रावती और रूपाना के नाम एक खाते की जमीन दर्ज हुई थी, जबकि दूसरे खाते की जमीन में उनका नाम दर्ज नहीं हो पाया था। आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर पुष्पा देवी ने अपने पति किशोरी लाल द्विवेदी और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर 30 जून 1981 को साधू के नाम से फर्जी वसीयत तैयार कराई और उसके आधार पर जमीन अपने नाम दर्ज करा ली।

पुत्तीलाल ने इस मामले को चकबंदी न्यायालय में चुनौती दी। उनके मुताबिक, बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी, लखनऊ ने 23 दिसंबर 2024 को पुष्पा देवी का नाम हटाकर शिकायतकर्ता पक्ष का नाम दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद उपसंचालक चकबंदी, लखनऊ ने भी चार फरवरी 2026 को उनके पक्ष में आदेश पारित किया।शिकायतकर्ता का आरोप है कि जमीन के विवाद को लेकर उन्हें जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। उन्होंने पहले सैरपुर थाने में शिकायत की। कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस आयुक्त कार्यालय में प्रार्थनापत्र दिया। इसके बाद सैरपुर पुलिस ने तीन सितंबर 2026 को मुकदमा दर्ज किया। मामले में धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, उनका इस्तेमाल करने, साजिश रचने और धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने पुष्पा देवी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।प्रभारी निरीक्षक मनोज कोरी ने बताया कि मुकदमें में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा ने तेज की तैयारी, बनी रणनीति



कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा के लखनऊ जिला कार्यालय में चुनाव योजना बैठक आयोजित की गई। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह की मौजूदगी और जिला अध्यक्ष विजय मौर्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में चुनावी रणनीति, संगठनात्मक समन्वय और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा हुई।बैठक में विधायक योगेश शुक्ला, विधायक अमरेश कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश महामंत्री पुष्पेंद्र पासी, जिला पंचायत सदस्य अमरेन्द्र भारद्वाज, गोसाईगंज ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा, गोसाईगंज चेयरमैन निखिल मिश्रा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विमलेश मिश्रा, कृष्ण लोधी, राजकुमार वर्मा, अरुण सिंह गप्पू, संजय सिंह, गौरव सिंह चौहान, अंकित गुप्ता, चिंतामणि पांडेय और रवि द्विवेदी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने और आगामी चुनाव की तैयारियों को गति देने पर जोर दिया गया।

मीरखनगर में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायत, जांच की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पेयजल पाइपलाइन से खेत की सिंचाई किए जाने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप, विभाग से मौके पर जांच कराने की अपील



निगोहां, लखनऊ। मोहनलालगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत मीरखनगर में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायत सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि घरों तक पानी पहुंचाने के लिए बिछाई गई पाइपलाइन से गांव निवासी गोविन्द चौरसिया अपने खेत की सिंचाई कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, इससे कुछ घरों में पानी का दबाव कम होने और पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिलने की समस्या हो रही है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पाइपलाइन बिछाई गई है। उनका कहना है कि पाइपलाइन से खेत की सिंचाई किए जाने के कारण घरों तक पानी पहुंचने में दिक्कत आ रही है। इससे पेयजल के साथ ही खाना बनाने और अन्य घरेलू जरूरतों को पूरा करने में परेशानी होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मामले की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मौके पर पाइपलाइन का निरीक्षण कर पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने के कारणों का पता लगाया जाना चाहिए। यदि जांच में पाइपलाइन से अनधिकृत कनेक्शन लेकर सिंचाई किए जाने की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों से गांव में पेयजल आपूर्ति सुचारु कराने की भी अपील की है। उनका कहना है कि सभी घरों तक पर्याप्त पानी पहुंचना सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए परेशान न होना पड़े। फिलहाल, मामले में संबंधित विभाग की जांच और आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

एलडीए के शिविर में पहले दिन 107 संपत्तियों की रजिस्ट्री



कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में लगाए गए विशेष निबंधन शिविर के पहले दिन मंगलवार को 107 आवंटियों ने अपनी संपत्तियों की रजिस्ट्री कराई। एक ही जगह फाइल तैयार होने से लेकर रजिस्ट्री तक की प्रक्रिया पूरी होने पर आवंटियों को राहत मिली। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर लगाए गए इस शिविर की लोगों ने सराहना की। एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक योजनाओं में आवंटन के बाद भी कई लोगों ने अब तक अपनी संपत्तियों की रजिस्ट्री नहीं कराई है। ऐसे आवंटियों की सुविधा के लिए 13 से 15 अक्टूबर तक प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में विशेष शिविर लगाया जा रहा है। इसमें एलडीए के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ निबंधन विभाग की टीम भी मौजूद है। मंगलवार को सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक चले शिविर में 107 आवंटियों की रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी की गई। इनमें विभिन्न अपार्टमेंट के फ्लैटों के अलावा कानपुर रोड योजना, जानकीपुरम विस्तार, बसंतकुंज, शारदा नगर, गोमती नगर और प्रधानमंत्री आवास योजना की संपत्तियां शामिल हैं। शिविर में आश्रयहीन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के भवनों के आवंटियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उप सचिव माधवेश कुमार ने बताया कि शिविर में रजिस्ट्री के लिए कई नए आवेदन भी मिले हैं। इनकी फाइलें तैयार कराई जा रही हैं। जिन आवंटियों ने अब तक रजिस्ट्री के लिए आवेदन नहीं किया है, उन्हें नोटिस भेजी जाएगी। शिविर 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

यूपीआई शुल्क प्रस्ताव स्थगित होने पर व्यापार मंडल ने केंद्र सरकार का जताया आभार

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जन उद्घोष व्यापार मंडल (उत्तर प्रदेश ने यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लगाए जाने के प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित किए जाने पर केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। संगठन की ओर से 19 सितंबर 2026 को व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव के संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत किया गया था। संगठन ने कहा कि यूपीआई भुगतान आज छोटे दुकानदारों, खुदरा व्यापारियों, लघु एवं मध्यम उद्यमियों तथा आम उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे में अतिरिक्त शुल्क से व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका थी। जन उद्घोष व्यापार मंडल ने प्रस्ताव स्थगित किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी व्यापारियों के हितों, डिजिटल भुगतान की सुगमता और छोटे कारोबारियों की आर्थिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। संगठन ने केंद्र सरकार के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि व्यापारियों को राहत देने वाले ऐसे कदम देश के व्यापारिक क्षेत्र को मजबूत बनाने में सहायक होंगे।

ईटी सिटी के गांवों की सूरत बदलने पर खर्च होंगे 100.71 करोड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आईटी सिटी योजना में शामिल गांवों और मजरों में सड़क, सीवर, पेयजल और जल निकासी जैसी सुविधाएं विकसित करने पर एलडीए 100.71 करोड़ रुपये खर्च करेगा। मंगलवार को योजना का निरीक्षण करने पहुंचे एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई और एक महीने में व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। लापरवाही पर तीन सहायक अभियंताओं को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई, जबकि आउटसोर्सिंग पर तैनात रेवेन्यू इंस्पेक्टर को कार्यमुक्त कर दिया गया। एलडीए की आईटी सिटी योजना के लिए लैंड पूलिंग नीति के तहत जमीन देने वाले 1465 किसानों को अब तक 2197 विकसित भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। ये भूखंड सेक्टर-9, 15, 16, 17, 18 और 30 में दिए गए हैं। उपाध्यक्ष ने इन सेक्टरों में विकास कार्य प्राथमिकता से पूरे कराने के निर्देश दिए। समीक्षा में सामने आया कि योजना में विकास कार्यों के लिए अब तक 40 टेंडर किए गए हैं। इनके तहत 25 सड़कों का निर्माण और दो सेक्टरों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अभी तक केवल तीन सड़कों पर ही गिट्टी डालकर शुरुआती आधार तैयार किया गया है। काम की धीमी प्रगति पर उपाध्यक्ष ने सहायक अभियंता विनीत शर्मा, गौरव सिंह और उर्वशी श्रीवास्तव को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। वहीं, योजना में तैनात रेवेन्यू इंस्पेक्टर सूर्य प्रकाश को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया गया। डिजाइन, ड्राइंग और लागत का अनुमान समय से उपलब्ध नहीं कराने पर आर्किटेक्ट एएनबी पर प्रति एकड़ एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। योजना के तहत पहाड़नगर टिकरिया, मोहारी खुर्द, मोहारी कलां, रकीबाबाद, सिकंदरपुर अमोलिया, परेहटा और सिद्धपुरा समेत 10 मजरों में सड़क, सीवर, पेयजल और ड्रेनेज की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन कार्यों पर करीब 100.71 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बरसात के दौरान आबादी वाले इलाकों में जलभराव से राहत दिलाने के लिए कुछ स्थानों पर सड़कें काटकर पानी निकाला गया था। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने इन सड़कों को एक महीने के भीतर दोबारा दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों और अभियंताओं को समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता निशांत कुमार, जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी और चकबंदी अधिकारी तुलसीराम समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीतापुर में धान खरीद को लेकर प्रशासन सख्त शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

❒ कृषक के असंतुष्ट होने की स्थिति में वह तहसील स्तर पर कार्यरत क्षेत्रीय विपणन अधिकारी के यहां अपील कर सकता है

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सीतापुर । जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने बताया कि शासनादेश दिनांक-10.10.2028 खाद्य तथा रसद विभाग अनुभाग-4 के प्रस्तर-13.3 में दिये गये निर्देश के अनुपालन में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान को अस्वीकृत किए जाने पर कृषक के असंतुष्ट होने की स्थिति में वह तहसील स्तर पर कार्यरत क्षेत्रीय विपणन अधिकारी के यहां अपील कर सकता है। उक्त स्थिति में क्षेत्रीय विपणन अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा अपील प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर कृषक के सम्मुख धान का पुनः विश्लेषण कर धान की स्वीकार्यता के सम्बन्ध में निर्णय लिया जा सकेगा। इस समिति में सदस्यों में सम्बन्धित तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, सम्बन्धित मण्डी समिति के सचिव/ग्रेडर, केन्द्र प्रभारी, स्वतंत्र कृषक शामिल हैं।

धान को अस्वीकृत किये जाने की स्थिति में क्रय केन्द्र प्रभारी द्वारा रिजेक्शन रजिस्टर में धान विक्रेता का नाम व उसका पूरा पता, मोबाइल नम्बर, धान की मात्रा तथा अस्वीकृत करने का कारण अंकित किया जायेगा तथा इसकी अनिवार्य रूप से ऑनलाइन प्रविष्टि की जायेगी। मानकों के अनुरूप न पाये जाने पर धान का अस्वीकृत किये जाने की स्थिति में अस्वीकृत धान का नमूना केन्द्र पर संरक्षित किया जायेगा

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त शासनादेश के अन्तर्गत दिनांक-10.10.2026 द्वारा धान क्रय नीति का निर्धारण किया गया है। मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद के प्रभावी अनुश्रवण एवं शिकायतों के निवारण हेतु कार्यालय जिला खाद्य विपणन अधिकारी सीतापुर में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है जिसका दूरभाष संख्या-05862- 356031 है। नियंत्रण कक्ष सभी कार्यदिवसों में (रविवार एवं राजपत्रित अवकाशों को छोड़कर) प्रतिदिन प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक नियमित रूप से कार्यरत रहेगा। नियंत्रण कक्ष में श्री विजय कुमार कनिष्ठ सहायक की ड्यूटी प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 01.00 बजे तक एवं श्री संतोष कुमार कनिष्ठ सहायक की अपरान्ह 01.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक लगायी गयी है।उन्होंने बताया कि श्रीमती आर्यावती सिहं, विपणन निरीक्षक को उक्त नियंत्रण कक्ष का प्रभारी नियुक्त किया जाता है, जिनके पर्यवेक्षण में उक्त कन्ट्रोल रूम का संचालन किया जायेगा। धान क्रय के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों को 01 रजिस्टर में अंकित किया जाएगा तथा तत्काल संबंधित केंद्र प्रभारी एवं जिला प्रबन्धक एवं कृषक पंजीकरण, सत्यापन के सम्बन्ध में सम्बन्धित को अवगत कराया जाएगा। कृत कार्यवाही तथा निस्तारण का अंकन भी पंजिका में किया जाएगा। जनपद के किसानों से संपर्क करके पंजीकरण हेतु प्रोत्साहित करने तथा सरकारी क्रय केन्द्रों पर धान विक्रय करने हेतु प्रेरित किया जायेगा तथा एक पंजिका में अंकन भी किया जायेगा। उक्त आदेश तत्काल प्रभावी होगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत शासनादेश दिनांक-10.10.2026 खाद्य तथा रसद अनुभाग-4 के प्रस्तर 35 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार धान खरीद वर्ष 2026-27 में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत जनपद सीतापुर के प्रत्येक तहसील के उपजिलाधिकारी को धान क्रय, किसानों के पंजीकरण व सत्यापन तथा भण्डारण हेतु उनकी तहसील/परगना हेतु नोडल अधिकारी एतद्द्वारा नामित किया गया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत शासनादेश दिनांक-10.10.2026 खाद्य तथा रसद अनुभाग-4 के प्रस्तर 17 में व्यवस्था दी गयी है कि किसानों द्वारा मंडियों में लाये गये धान की बिक्री के लिए नीलामी द्वारा खुली बोली दिन में 02 बार पूर्वान्ह 11.00 बजे और अपरान्हः 02.00 बजे मंडी सचिव, क्रय संस्थाओं के केन्द्र प्रभारी तथा उपस्थित व्यापारियों के समक्ष लगायी जायेगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित गुणवत्ता (एफ0ए0क्यू0) के धान की बोली न्यूनतम समर्थन मूल्य के बराबर अथवा कम आने पर क्रय संस्थाओं द्वारा धान खरीद लिया जायेगा।

मिश्रिख में प्राचीन कुएं और गणेश मूर्ति स्थल को कराया कब्जा मुक्त, विधिवत हुआ पूजन-अर्चन



कैनविज टाइम्स संवाददाता

मिश्रिख, सीतापुर । मिश्रिख कस्बे के मेहदिया चौराहा स्थित परिक्रमा मार्ग पर प्राचीन चिरौंजी लाल के कुएं और गणेश मूर्ति स्थल को कब्जा मुक्त कराने का मामला सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर संबंधित व्यक्ति से बातचीत की और प्राचीन धार्मिक स्थल से अतिक्रमण हटवाया। इसके बाद कुएं पर स्थापित गणेश मूर्ति का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया।

जानकारी के अनुसार, मेहदिया चौराहा स्थित परिक्रमा मार्ग पर प्राचीन चिरौंजी लाल का कुआं और गणेश मूर्ति स्थापित है। आरोप है कि मोहम्मद वहाब ने कुएं के पास चक्की कारखाना लगा रखा था। साथ ही कुएं के ऊपर टिन शेड डालकर कुएँ पर पत्थर डलवा दिया था और कुएं व गणेश मूर्ति स्थल पर बोरियां रखकर गेहूं की खरीदारी की जा रही थी। इससे प्राचीन धार्मिक स्थल का स्वरूप प्रभावित हो रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर स्वामी विमलानंद सरस्वती महाराज और महेंद्र पांडेय के नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने मोहम्मद वहाब से बातचीत कर प्राचीन कुएं और गणेश मूर्ति स्थल को अतिक्रमण से मुक्त कराया। साथ ही भविष्य में इस धार्मिक स्थल पर दोबारा कब्जा न करने की अपील की।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाः 175 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, आधी-अधूरी व्यवस्थाओं के बीच संपन्न

❒ पिपरिया धनी में 175 जोड़ों का विवाह, आठ मुस्लिम जोड़ों का निकाह; मुख्य अतिथि ने गिनाईं सरकारी योजनाओं की खूबियां, मीडिया कर्मियों के बैठने तक की नहीं थी व्यवस्था



कैनविज टाइम्स संवाददाता

पिपरिया धनी खीरी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को रेहरिया क्षेत्र में गोला-मोहम्मदी हाईवे स्थित फुलकारी गेस्ट हाउस, पिपरिया धनी में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 175 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जिनमें लगभग आठ मुस्लिम जोड़े निकाह के जरिए वैवाहिक बंधन में बंधे। एक ओर नवदंपतियों के जीवन की नई शुरुआत को लेकर उत्साह दिखाई दिया, तो दूसरी ओर आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठे। आरोप है कि कार्यक्रम में तैयारियां पूरी तरह व्यवस्थित नहीं थीं और मीडिया कर्मियों के बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह, सभापति पंचायती राज, उपस्थित रहे। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहायता उपलब्ध कराना और पात्र लोगों को लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहम्मदी ब्लॉक प्रमुख महेंद्र बाजपेई मौजूद रहे। मुख्य अतिथि का समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में कुल 175 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। हिंदू जोड़ों का विवाह शास्त्री संगम द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार कराया गया। वहीं, मुस्लिम जोड़ों का निकाह काजी ने इस्लामी रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया। इस आयोजन में विभिन्न समुदायों के जोड़ों ने नई जिंदगी की शुरुआत की। कार्यक्रम में उजमा-कबीर, तरन्नुम-शमशुल, मंतशा बानो-मोहम्मद नवी, नगमा-अकील और शहीन-दीन मोहम्मद सहित मुस्लिम जोड़ों के निकाह का उल्लेख किया गया। सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्रत्येक जोड़े को 60 हजार रुपये की सहायता दिए जाने की जानकारी दी गई। समारोह में मुख्य विकास अधिकारी योगानंद पांडेय, समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह, उपजिलाधिकारी राजेश प्रताप सिंह, मोहम्मदी खंड विकास अधिकारी अश्विन कुमार सिंह और पसगवां खंड विकास अधिकारी मोहित कौशल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कारागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

शाहजहांपुर। जनपद न्यायाधीश/ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जिला कारागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। जोकि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अपेक्षा सिंह ने की। उन्होंने प्ली वारगेनिंग पर चर्चा करते हुए कहा कि प्ली वारगेनिंग के अंतर्गत इस प्रक्रिया में अधिकतम सात साल की सजा वाले अपराध ही शामिल होते हैं, इसलिए बंदी अपना आचरण अच्छा बनायें रखें, क्योंकि रिहाई में इसका योगदान रहता है। इसके अलावा उन्होंने बन्दियों को उनके अधिकारों व निःशुल्क विधिक सहायता पर विस्तृत जानकारी दी। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ दिनेश मिश्रा ने बताया कि प्ली वारगेनिंग का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाना और न्यायालय प्रणाली पर बोझ कम करना है। प्ली बार्गेनिंग एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें अभियुक्त कम सजा के बदले में अपना अपराध स्वीकार कर सकता है। एलएडीसीएस असिस्टेंट विवेक शर्मा ने बंदियों को उनके अधिकारों जैसे निःशुल्क विधिक सहायता, नियमित पैरवी हेतु लीगल एड डिफेंस काउंसिल की उपलब्धता, निर्धारित अवधि पूरी कर चुके विचाराधीन बंदियों की जमानत संबंधी प्रावधानों तथा जेल में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के बारे में बताया।

''नारी का सम्मान और सुरक्षा, सीतापुर पुलिस की है प्रतिबद्धता''

❒ मिशन शक्ति अभियान फ़ेज-6.0 के तहत थाना बिसवां में महिलाओ-छात्राओं को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सीतापुर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ल्लमिशन शक्ति अभियान फ़ेज-6.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में जनपद की पुलिस द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है।

इस क्रम में आज दिनांक 13.10.2026 को थाना बिसवां, जनपद सीतापुर के प्रांगण में 'मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्राधिकारी बिसवां हर्षित चौहान के मार्गदर्शन एवं मौजूदगी में, प्रभारी निरीक्षक बिसवां के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मेधावी बालिकाओं, महिलाओं और समाज में विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान करने के साथ-साथ उन्हें साइबर सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

बिसवां क्षेत्र के राजकीय बालिका इण्टर कालेज की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की टापर्स छात्राओं व शिक्षिकाओं को, दिव्यांग आंगनवाडी कार्यकत्री चन्दनपुर, सी0 एच0 सी0 बिसवां की नर्स को आमंत्रित कर उनके बिशिष्ट कार्यों के लिए उन्हे श्रीमान क्षेत्राधिकारी बिसवां द्वारा सम्मानित किया गया, पोस्टर, बैनर एवं स्लोगन के माध्यम से महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तीकरण का संदेश दिया गया।

इस दौरान मौजूद अन्य बालिकाओं एवं महिलाओं को फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, एआई एवं डीपफ़ेक, साइबर बुलिंग, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग तथा निजी जानकारी एवं लोकेशन साझा करने से होने वाले साइबर जोखिमों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, महिला हेल्पलाइन 1090, 181, आपातकालीन पुलिस सहायता 112 एवं साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के संबंध में जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना बिसवां का समस्त पुलिस स्टाफ, स्थानीय गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में छात्राएं एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

मितौली में लाखों के जेवर चोरी का आरोप, पीड़िता ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का लगाया आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मितौली थाना क्षेत्र में घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी होने के मामले में एक महिला ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़िता सुनीता देवी ने अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराने और मामले में कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, सुनीता देवी पत्नी विष्णुदयाल निवासी ग्राम निमचेनी, थाना मितौली, जिला खीरी ने बताया कि उनकी पुत्री सोनिका देवी पत्नी रघुवर दयाल निवासी ग्राम बेहड़ा मुल्तान, परगना हैदराबाद के घर में रखे जेवरात चोरी हो गए। आरोप है कि घर से सोने की एक चेन, एक माला, एक जोड़ी सोने के झाले, तीन जोड़ी पायल और एक जोड़ी सोने के कांटे चोरी कर लिए गए। पीड़िता ने चोरी हुए आभूषणों की कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई है। महिला का आरोप है कि चोरी की घटना रात में हुई और सुबह तक इसकी जानकारी नहीं हो सकी।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि घटना के संबंध में पहले भी अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन आरोप के मुताबिक अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने अपने प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि विपक्षी अवधेश कुमार, पुत्र बादूराम, निवासी ग्राम निमचेनी, तहसील मितौली, जिला खीरी कथित तौर पर कार्रवाई न होने की बात कहकर उसे धमकाता है। महिला का कहना है कि उसे न्याय मिलने की उम्मीद कमजोर होती जा रही है। प्रार्थना पत्र के मुताबिक, पीड़िता ने इससे पहले 16 जून 2026 को भी संबंधित अधिकारी को शिकायत दी थी। इसके बावजूद प्राथमिकी दर्ज न होने का आरोप लगाते हुए उसने 21 जुलाई 2026 को दोबारा प्रार्थना पत्र देकर चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की।

पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

महिला ने अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर प्राथमिकी दर्ज कराने और चोरी गए आभूषणों की बरामदगी के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

सपा नेताओं ने राज्यसभा सांसद का किया जोरदार स्वागत

❒ आगामी 15 नवंबर को आगरा में होने वाले दलित सम्मेलन में पहुंचने की अपील

कैनविज टाइम्स संवाददाता



शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन मंगलवार को शाहजहांपुर के ईदगाह रोड स्थित कोहिनूर मैरिज लॉन पहुंचे। जहां सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रामजी लाल सुमन को अंगवस्त्र भेंटकर तथा 21 किलो की फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जनपद आगरा में आगामी 15 नवंबर 2026 को होने वाले विशाल दलित सम्मेलन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा कि दलित समाज का सम्मान, अधिकार और राजनीतिक भागीदारी ही एक समतामूलक समाज की असली पहचान है। सपा का उद्देश्य है कि दलित समाज सहित समाज के हर वंचित वर्ग को बराबरी का अवसर मिले और कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित न रहे। कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर दलित समाज के सम्मान, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और अधिकारों को प्राथमिकता देने के लिए काम किया जाएगा। कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में हर समाज के पीड़ित लोग एकजुट होकर भाजपा को करारी हार देकर सपा की सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। अंत में उन्होंने आगामी 15 नवंबर को आगरा में होने वाले विशाल दलित सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। बैठक के अंत में सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने सभी का आभार व्यक्त किया और सामाजिक न्याय, संविधान और पीडीए की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने की अपील की। इस मौके पर पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा, पूर्व विधायक राजेश यादव, पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा, पूर्व एमएलसी अमित यादव, सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान अहमद, ज्योत्सना कश्यप, नीरज मिश्रा, अतिउल्ला सिद्दीकी, चौधरी रामकुमार भोजवाल, गायत्री वर्मा, सूरजपाल सिंह, संदीप यादव, डॉ. जितेंद्र वर्मा, मुनेंद्र पाल सिंह, विकास चंद्रा एडवोकेट, कमल किशोर कठेरिया, मिश्रीलाल पटेल, सत्येंद्र यादव, पार्थ यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

निष्पक्ष चुनाव में माइक्रो प्रेक्षकों की भूमिका अहम : डीएम

❒ विधान परिषद निर्वाचन के लिए अटल सभागार में प्रशिक्षण, गड़बड़ी की आशंका पर तत्काल सूचना देने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी । उप्र विधान परिषद के लखनऊ खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए मंगलवार को अटल सभागार में माइक्रो प्रेक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। माइक्रो प्रेक्षक मतदान केंद्रों पर सतर्कता से निगरानी रखें और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करें।

डीएम ने कहा कि माइक्रो प्रेक्षक निर्वाचन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें मतदान केंद्र पर होने वाली गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन करना होगा। उन्होंने सभी माइक्रो प्रेक्षकों से जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा।

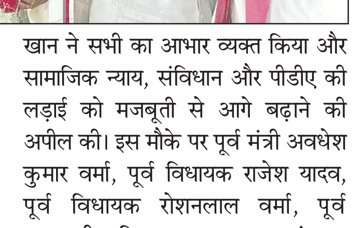
मतदान की गोपनीयता पर विशेष नजर

सीडीओ योगानंद पाण्डेय ने प्रशिक्षण के दौरान माइक्रो प्रेक्षकों को उनके दायित्वों और कर्तव्यों की जानकारी दी गई। उन्हें मतदान अभिकर्ताओं की उपस्थिति, प्रवेश पास व्यवस्था, मतदाताओं की पहचान, मतदान की गोपनीयता और वीडियोग्राफी संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुपालन पर नजर रखने के लिए कहा गया। अनुपस्थित, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन करने की जानकारी भी दी गई। दिव्यांग, निरक्षर एवं अशक्त मतदाताओं को दी जाने वाली सहायता और सहायकों की ओर से की जाने वाली घोषणाओं के नियमानुसार अनुपालन पर भी जोर दिया गया। मतदान अभिकर्ताओं के आचरण और उनकी शिकायतों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए।

पीडी (डीआरडीए) सतीश कुमार पाण्डेय ने कार्यशाला में स्पष्ट किया कि माइक्रो प्रेक्षक साधारण प्रेक्षक के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे। उनका मुख्य दायित्व मतदान प्रक्रिया का अवलोकन करना और निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट तैयार करना है। प्रशिक्षण में आयोग के दिशा-निर्देशों, निर्धारित प्रपत्रों और रिपोर्टिंग प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

एसपी ने थाना आरसी मिशन का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता



शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने मंगलवार को थाना रामचन्द्र मिशन का आकस्मिक निरीक्षण किया और कानून-व्यवस्था, जनसुनवाई एवं मिशन शक्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वप्रथम संतरी ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी की सतर्कता, वर्दी एवं ड्यूटी संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद बाल शिशु गृह एवं मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्हें सुरक्षा, सहायता एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाए। तत्पश्चात एसपी ने थाना सीसीटीएनएस कार्यालय का निरीक्षण किया तथा आईजीआरएस एवं जनसुनवाई से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। साथ ही थाना रामचन्द्र मिशन के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ गोष्ठी आयोजित कर निर्देशित किया कि जनसुनवाई एवं आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण किया जाए। निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा नियमित पुलिस गश्त एवं सतर्क निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि पुलिस के कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ करें। इसके अलावा उन्होंने बैरकों, मैस एवं थाना परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखने तथा स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एलपिस ग्लोबल स्कूल बिसवां में 'स्पंदन 2026' का आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा



बिसवां,सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एलपिस ग्लोबल स्कूल, बिसवाँ में इवोल्यूशन हाउस शो-स्पंदन 2026 का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक श्री उमंग राजवंशी, श्री मुदित सिंघल एवं श्री अनुज सिंघल तथा प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्र द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन करके किया गया। विद्यार्थियों ने आकर्षक नाट्य प्रस्तुतियों एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए। विद्यालय के निदेशक श्री उमंग राजवंशी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उत्साह, मेहनत और रचनात्मकता की प्रशंसा की तथा उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्र ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी उपस्थिति एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने शिक्षकों और विद्यालय के समस्त कर्मचारियों के योगदान की भी प्रशंसा की। यह आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा रचनात्मकता और सामूहिक प्रयास की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा।

मछरेहटा की पेरियाकोडर ग्राम पंचायत पर भ्रष्टाचार के आरोप, जांच की मांग



मछरेहटा, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड मछरेहटा की ग्राम पंचायत पेरियाकोडर में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी बजट के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वितीय वर्ष 2026-27 के दौरान केवल हैंडपंपों की मरम्मत के नाम पर चार बार में कुल ?1.44 लाख (लगभग 1,44,000 रुपये) का भुगतान किया गया है। भारी-भरकम राशि के आहरण के बाद भी धरातल पर इतने भुगतान का काम न दिखने से ग्रामीणों में असंतोष है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि केवल हैंडपंप मरम्मत ही नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत में अन्य मदों के तहत हुए खर्चों की भी जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर स्वीकृत प्रत्येक सरकारी राशि का काम धरातल पर स्पष्ट नजर आना चाहिए। पेरियाकोडर में उठे इस मामले के बाद अब सभी की नजरें संबंधित अधिकारियों पर टिकी है। सरकारी धन के सदुपयोग की सत्यता विभागीय अभिलेखों की गहन पड़ताल और निष्पक्ष स्थलीय सत्यापन के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द उच्च अधिकारियों से इस पूरे मामले की जांच कराकर पारदर्शी कार्रवाई की मांग की है।

अशोक अग्रवाल की जयंती पर होगा 101 कन्याओं का सामूहिक विवाह

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्वर्गीय अशोक अग्रवाल की जयंती पर परी नमकीन परिवार की ओर से 25 अक्टूबर को खिरनीबाग मैदान में 101 कन्याओं का सामूहिक विवाह होगा। यह जानकारी परी नमकीन के मालिक समाजसेवी विनय अग्रवाल ने दी है। उन्होंने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय अशोक अग्रवाल की जयंती पर उनकी स्मृति में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों और जातियों की कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा। बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मानजनक विदाई देना और समाज में एकता का संदेश फैलाना है। बताया कि इस सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने वाले सभी 101 जोड़ों को उनके नए जीवन की शुरुआत के लिए आशीर्वाद के साथ-साथ गृहस्थी का आवश्यक सामान और समुचित उपहार भेंट किए जाएंगे, ताकि वे आत्मनिर्भरता और सुख के साथ अपने नए जीवन की शुरुआत कर सकें। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल खिरनीबाग में भव्य पंडाल के साथ ही मेहमानों के खान-पान, सुरक्षा और उनके स्वागत के भी इंतजाम किए जाएंगें। जिसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस आयोजन में शहर के तमाम गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को अपना आशीर्वाद देंगे। यह आयोजन न केवल शाहजहांपुर बल्कि पूरे प्रदेश के लिए सर्वधर्म समभाव और सामाजिक सहयोग की एक मिसाल बनेगा। इस दौरान अंकुर कटियार, मनोज अग्रवाल, पियूष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने मोबाइल छीनकर भाग रहे तीन युवकों को पकड़ा

शाहजहांपुर। थाना मिर्ज़ापुर पुलिस ने मोबाइल छीनकर भाग रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया। सोमवार को थाना मिर्ज़ापुर पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमणशील थी, इसी दौरान मिर्ज़ापुर चैराहे पर कुछ लोगों ने बताया कि तीन लड़के लाल रंग की अपाचे मोटरसाइकिल से एक व्यक्ति का मोबाइल फोन छीनकर कलान की तरफ भाग गए हैं। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल थरिया बॉर्डर कलान पहुंची, वहां लोगों ने बताया कि मुबारकपुर चौराहे पर लोगों ने मोबाइल छीनकर भाग रहे तीनों युवकों को पकड़ लिया है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पकडे गए युवकों से पूछताछ की। पूछताछ में तीनों युवकों ने बताया कि वो लोग जनपद हरदोई के थाना हरपालपुर के रहने वाले हैं। पकड़े गए अभियुक्त कुलदीप पुत्र जगमोहन, लालू पुत्र अखिलेश और अंकित पुत्र शिवकुमार हैं। जिनके कब्जे से पुलिस टीम ने छीना हुआ वीवो मोबाइल फोन बरामद किया। वहीं, कागज न होने पर बरामद मोटर साइकिल को सीज किया। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मिर्ज़ापुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार के साथ उपनिरीक्षक चन्द्रपाल सिंह और बन्टी कुमार आदि मौजूद रहे।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियां तेज, फील्ड ट्रेनर्स को दिए दिशा-निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ जनगणना कार्य को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के साथ ही स्व-गणना, गोपनीयता के संरक्षण तथा नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार पर विशेष जोर दिया गया

बदायूँ। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण 'जनसंख्या की गणना' के अंतर्गत जनपद में नामित फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के साथ ही स्व-गणना, गोपनीयता के संरक्षण तथा नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार पर विशेष जोर दिया गया। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी अवनीश राय, अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला तथा जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) महेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने फील्ड ट्रेनर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कहा कि जनगणना देश एवं समाज के विकास की योजनाओं के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर जनकल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के नियोजन तथा विकास की प्राथमिकताओं को निर्धारित करने में सहायता मिलती है। इसलिए जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें। फील्ड ट्रेनर्स प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी को गणनाकर्मियों तक स्पष्ट एवं व्यावहारिक रूप में पहुंचाएं, ताकि कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण में स्व-गणना को विशेष प्राथमिकता देते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि नागरिकों को स्व-गणना की प्रक्रिया, उद्देश्य एवं महत्व के संबंध में सरल भाषा में जानकारी दी जाए और उनकी शंकाओं का समाधान किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इसमें सहभागिता कर सकें। जनगणना के प्रति नागरिकों का विश्वास बनाए रखना तथा उन्हें सही एवं आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

अधिकारियों ने जनगणना के दौरान प्राप्त व्यक्तिगत सूचनाओं की गोपनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गोपनीयता संबंधी निर्धारित प्रावधानों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा किसी भी व्यक्ति की जानकारी अनधिकृत रूप से साझा न की जाए। साथ ही गणनाकर्मियों को नागरिकों के साथ शालीन, सहयोगात्मक एवं संवेदनशील व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि जनगणना के नाम पर नागरिकों से अनावश्यक रूप से कोई कागजात, प्रमाणपत्र अथवा अन्य दस्तावेज न मांगे जाएं। गणनाकर्मी निर्धारित प्रश्नावली एवं अधिकृत प्रक्रिया के अनुसार ही कार्य करें। नागरिकों के बीच किसी प्रकार की भ्रांति या अनावश्यक आशंका उत्पन्न न हो, इसके लिए सही जानकारी का प्रसार सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने सभी फील्ड ट्रेनर्स से अपेक्षा की कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त दिशा-निर्देशों को गणनाकर्मियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं तथा जनगणना-2027 के द्वितीय चरण को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता, सूचनाओं की गोपनीयता और निर्धारित प्रक्रिया का पालन जनगणना कार्य की सफलता के प्रमुख आधार हैं।

नेकपुर और कृष्णापुरी में 14.44 लाख रुपये से कराए तीन विकास कार्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ इनमें सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग सड़क, नाली निर्माण और पुलिया मरम्मत के कार्य शामिल हैं

बदायूं। शहर के वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने नेकपुर और कृष्णापुरी वार्ड संख्या दो में 14 लाख 44 हजार रुपये की लागत से कराए गए चार विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इनमें सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग सड़क, नाली निर्माण और पुलिया मरम्मत के कार्य शामिल हैं।

कृष्णापुरी में डॉ. एके वर्मा हॉस्पिटल से काशीराम मौर्य के मकान तक सीसी सड़क एवं नाली निर्माण पर 5.86 लाख रुपये खर्च किए गए। वहीं, नेकपुर में हाकिम सिंह के मकान से गायत्री के मकान तक तथा ब्रजपाल सिंह और सुधा शर्मा के मकानों तक इंटरलॉकिंग सड़क एवं नाली निर्माण कार्य पर 4.22 लाख रुपये की लागत आई। इसके अलावा नेकपुर अंडरपास के निकट नाले की पुलिया से मेघर सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण और पुलिया मरम्मत का कार्य 2.70 लाख रुपये की लागत से कराया गया। सिविल लाइन नेकपुर में टीकाराम के मकान तक सीसी सड़क व नाली निर्माण कार्य पर एक लाख 66 हजार रुपये खर्च किया गया। इन कार्यों से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ जलनिकासी व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है। उद्घाटन के दौरान पालिकाध्यक्ष ने वार्ड में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में बिना भेदभाव प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सड़क और नाली निर्माण से नागरिकों को राहत मिलेगी तथा जलनिकासी व्यवस्था बेहतर होगी। उन्होंने लोगों से शहर को स्वच्छ रखने और साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर सभासद भाग्य देवी दिवाकर, श्याम पाल, पिंकू यादव, देवेन्द सिंह यादव, निर्दोश, वीरेन्द्र चौधरी, अभिनव कुमार, राजेश्वर सिंह, पप्पू, सरोजा देवी, मान सिंह, केपी सिंह, उमेश, प्रमोद, अशोक, दयाराम, वृजपाल, मोर सिंह, कृष्णा देवी, अशोक कुमार सक्सेना समेत पालिका के कर्मचारी मौजूद थे।

दुकान से घर लौट रहे प्रधान को गोली मारी, बरेली रेफर

बिसौली। बिसौली तहसील के वजीरगंज थाना क्षेत्र में पहले से रास्ते में घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने बगरैन में स्थित बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान से लौट प्रधान फायरिंग कर दी। गोली लगने से ग्राम प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बरेली रेफर किया गया है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के ग्राम प्रधान को रास्ते में घेरकर गोली मार दी। गोली लगने से ग्राम प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीण उन्हें अस्पताल ले गए जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें बरेली रेफर कर दिया गया। उदयपुर गांव के ग्राम प्रधान इस्लामुद्दीन को रास्ते में घेरकर अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। जिस समय उन पर हमला हुआ उस समय बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान से लौट रहे थे। गोली लगने से घायल प्रधान की हालत गंभीर होने से उनको परिजन उपचार के लिए बरेली ले गए। वजीरगंज थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के ग्राम प्रधान इस्लामुद्दीन को अज्ञात बदमाशों ने रास्ते में घेरकर गोली मार दी।

किसानों ने उठाईं आवारा पशुओं, बिजली कटौती और जर्जर सड़कों की समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। संयुक्त किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले मंगलवार को विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने जनपद की समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आवारा पशुओं की समस्या, अघोषित बिजली कटौती, धान क्रय केंद्रों पर अव्यवस्थाओं और ग्रामीण क्षेत्रों की जर्जर सड़कों सहित विभिन्न जनसमस्याओं को उठाया गया।

समिति की ओर से दिए गए ज्ञापन में बेसिक शिक्षा विभाग में एजुकेटर भर्ती के दौरान कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा भी उठाया गया। प्रतिनिधियों ने मांग की कि इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कराई जाए, ताकि किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों को राहत मिल सके। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (भानू), किसान जनसभा, किसान संघर्ष समिति और भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के जिलाध्यक्षों सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सैकड़ों किसान और मजदूर शामिल हुए।

मिशन शक्ति: कक्षा-9 की छात्रा अलशिफा बनीं एक दिन की सीडीओ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ एक दिन की प्रतीकात्मक मुख्य विकास अधिकारी के रूप में अलशिफा ने जनपद में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की और प्रशासनिक कार्यों की प्रक्रिया को समझा

बदायूँ। मिशन शक्ति अभियान फ़ेज-6.0 के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला के निर्देशन में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, जगत की कक्षा-9 की छात्रा अलशिफा को एक दिन के लिए प्रतीकात्मक मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया। इस पहल के माध्यम से बालिका को प्रशासनिक कार्यप्रणाली को समझने तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान किया गया।

एक दिन की प्रतीकात्मक मुख्य विकास अधिकारी के रूप में अलशिफा ने जनपद में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की और प्रशासनिक कार्यों की प्रक्रिया को समझा। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना तथा नेतृत्व एवं निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है। मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अपने भविष्य के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल का प्रमुख उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली की समझ विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप उच्च पदों पर पहुंचकर देश और समाज की सेवा कर सकें।

उन्होंने कहा कि बालिकाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना और उनके भीतर यह विश्वास पैदा करना आवश्यक है कि वे भी भविष्य में उच्च प्रशासनिक पदों पर आसीन होकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा सकती हैं। इस प्रकार की पहल बालिकाओं को अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं।

सुरक्षित बचपन की निगरानी समिति द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। संयुक्त निगरानी समिति द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया, जिसमें सुरक्षित बचपन की निगरानी समिति के समस्त सदस्यों द्वारा जिला कारागार में सुरक्षित बचपन के तहत चिन्हित बच्चों के सम्बन्ध में निरीक्षण किया गय जिसमें समिति द्वारा बच्चों की समस्त आवश्यकताओं की समीक्षा की गयी। बच्चों को स्वास्थ्य, शिक्षा, योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, ए0सी0एम0ओए बाल रोग विशेषज्ञ, को समिति द्वार निर्देश दिये गयें। वर्तमान में 11 बच्चे अपने माता के साथ संवासित है उनकी आई0सी0पी0 का फॉलोअप तथा बच्चों की समय-समय पर काउसलिंग कराये जाने हेतु जिला बाल संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया गया तथा अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा जिला कारागार में संवासित महिला बन्दी के परिवार में घर पर रह रहे बच्चों को योजना से जोडने हेतु आवश्यक दस्तावेजो को सम्बन्धित अधिकारी से समन्वय स्थापित कर दस्तावेज तैयार कराये के साथ विभागीय योजना से लाभान्वित किये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन मानवेन्द्र सिंह जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मेन्द्र कुलश्रेष्ठ मुख्य चिकित्साधिकारी अध्यक्ष बाल कल्याण समिति नन्द किशोर पाठक, संरक्षण अधिकारी रवि कुमार, संरक्षण अधिकारी प्रीती कौशल, सामाजिक कार्यकता भमरपाल सिंह, पूनम यादव मुख्य सेविका, जेलर जिला कारागार शैलेश कुमार सोनकर, अनन्या अत्री डिप्टी जेलर उपस्थित रहें।

पिता की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों को बांटे कंबल, कराया भोजन

❐ इस दौरान हजारों जरूरतमंदों, बुजुर्गों और महिलाओं को कंबल वितरित किए गए

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। रामगढ़ निवासी सुधीर सिंह और शरद सिंह ने अपने पिता स्वर्गीय समरथ सिंह की पहली पुण्यतिथि पर सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. रानी अमिता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान हजारों जरूरतमंदों, बुजुर्गों और महिलाओं को कंबल वितरित किए गए। साथ ही लोगों को भोजन कराया गया और ब्राह्मणों को ऊनी शॉल व वस्त्र दान किए गए।

मुख्य अतिथि डॉ. रानी अमिता सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पिता की पहली पुण्यतिथि पर पिंडदान के बाद जरूरतमंदों को कंबल बांटना और भोजन कराना पुनीत कार्य है। ऐसे आयोजनों से समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा मिलता है। यह दिवंगत के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने का भी एक माध्यम है।

इस अवसर पर सुधीर सिंह और शरद सिंह ने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में भाजपा नेता अमरेंद्र सिंह (पिंटू), प्रधान प्रतिनिधि अशोक सिंह, धीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र बहादुर सिंह, बद्री प्रसाद सिंह और गया प्रसाद सिंह महाजन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

20 तक करा सकते हैं मजिस्ट्रियल जांच में साक्ष्य एवं बयान दर्ज

बदायूं । जिला मजिस्ट्रेट, बदायूं के पत्र संख्या 1216 के क्रम में ग्राम अटसेना, थाना दातागंज, जनपद बदायूं निवासी राजेश पुत्र शहजादे की थाना दातागंज में अचानक स्वास्थ्य खराब होने के उपरांत उपचार के दौरान हुई मृत्यु के संबंध में मजिस्ट्रियल जांच की जा रही है। इस प्रकरण की जांच हेतु उपजिला मजिस्ट्रेट दातागंज को मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। उपजिला मजिस्ट्रेट दातागंज ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकरण के संबंध में कोई कथन अंकित कराना हो अथवा कोई साक्ष्य प्रस्तुत करना हो, तो वह तहसील दातागंज परिसर स्थित उपजिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना कथन अंकित करा सकता है तथा साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। इसके लिए निर्धारित तिथि 20 अगस्त तक प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक उपस्थित होकर कथन एवं साक्ष्य प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

अमेठी से चुनाव लड़ेंगी शांभवी सिंह अनंत विक्रम ने किया ऐलान



❐ भाजपा से आश्वासन मिलने का दावा, वर्तमान विधायक पर साधा निशाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। अमेठी नगर स्थित संगीता मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मंगलवार को युवराज अनंत विक्रम सिंह और उनकी पत्नी शांभवी सिंह ने प्रेसवार्ता की। इस दौरान अनंत विक्रम सिंह ने शांभवी सिंह के चुनाव लड़ने का ऐलान करते हुए दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से उन्हें पूरा आश्वासन मिला है।

प्रेसवार्ता में अनंत विक्रम सिंह ने वर्तमान विधायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस बार जनता केवल इंडक्शन और आलू बांटने से संतुष्ट होने वाली नहीं है। उन्होंने क्षेत्र की राजनीति और आगामी चुनाव को लेकर अपनी बात रखी। वहीं, शांभवी सिंह ने कहा कि वह जनता के सुख-दुख में सदैव साथ खड़ी रहेंगी और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहेंगी।

टूटे खड़ंजे और झाड़ियों से ग्रामीण परेशान



भेटुआ, अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भेंटुआ विकासखंड के टिकावर गांव में ग्रामीण वर्षों से जर्जर मार्ग पर आवागमन करने को मजबूर हैं। इस रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ों लोग, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग गुजरते हैं, लेकिन मरम्मत न होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, मार्ग का खड़ंजा पूरी तरह टूट चुका है और दोनों ओर सरपत व जंगली झाड़ियां उग आई हैं। मोड़ों पर झाड़ियों के कारण सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। मोहम्मद वकील, काली प्रसाद पांडेय, राजू तिवारी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया और समाचार पत्रों में भी खबर प्रकाशित हुई, लेकिन अब तक सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने अधिकारियों से मार्ग की मरम्मत कराने और झाड़ियों की सफाई कराने की मांग की है।

बाइक के पहिये में फंसी साड़ी, महिला की मौत



भेंटुआ, अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भेंटुआ विकासखंड के गुंगवाछ गांव के पास मंगलवार को बाइक हादसे में 55 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला अपने भाई की मौत की सूचना मिलने पर बेटे के साथ बाइक से मायके जा रही थीं। रास्ते में अचानक उनकी साड़ी बाइक के पिछले पहिये में फंस गई, जिससे वह हादसे का शिकार हो गईं। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, निर्मला भाई की मौत की खबर मिलने पर बेटे के साथ मायके के लिए निकली थीं। गुंगवाछ गांव के पास बाइक चलते समय उनकी साड़ी पिछले पहिये में फंस गई। इससे वह गंभीर हादसे की चपेट में आ गईं और उनकी जान चली गई। एक ओर भाई की मौत से परिवार में मातम पसरा था, वहीं निर्मला की मौत की खबर ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया। दोहरी दुखद घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एचएएल कोरवा में गरबा-डांडिया महोत्सव की धूम



अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नवरात्रि के अवसर पर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), कोरवा में गरबा-डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक निमेष टंडन एवं उनकी धर्मपत्नी चारु टंडन के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों में गरबा और डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। संगीत की धुनों पर थिरकते प्रतिभागियों से माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण हो गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली। इस आयोजन ने आपसी सौहार्द, एकता और सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य परियोजना प्रबंधक हरि सूर्यवंशी, मयंक पांडेय, डीआर यादव, पीके चौधरी, पूनम करणा, शैलजा पांडेय, रीता गुप्ता, विभा यादव और प्रतिमा चौधरी सहित एचएएल के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ईंट से कूचकर किसान की हत्या, भीड़ ने आरोपी को पेड़ से बांधा, तीन थानों की पुलिस पहुंची

बिसौली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। ईंट-पत्थर से हमला करके 50 साल के व्यक्ति की हत्या कर दी गई। हमले में बचाने आए तीन लोग भी घायल हुए हैं। भीड़ ने आरोपी को पकड़कर पेड़ से बांध दिया और उसकी पिटाई कर दी। घटना की सूचना पर तीन थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने भीड़ से छुड़ाकर आरोपी को कब्जे में लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की सूचना पर एसपी देहात डॉ. हृदेश कठेरिया और सीओ बिल्सी मौके पर पहुंचे। फिलहाल घटना का कारण का स्पष्ट नहीं है। शराब के नशे में मामूली कहासुनी के बाद हत्या की बात सामने आई है। मामला जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर वजीरगंज थाना क्षेत्र का है। बिसौली तहसील के वजीरगंज थाना क्षेत्र के फतेहनगला गांव में ईंट-पत्थरों से हुए हमले में किसान खेमकरन की मौत हो गई। उन्हें बचाने पहुंचे तीन लोग घायल हुए। घटना के बाद ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़कर पेड़ से बांध दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस गांव में जांच कर रही है।वजीरगंज थाना क्षेत्र फतेहनगला गांव में मंगलवार को 45 वर्षीय खेमकरन की ईंट से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मुख्य हत्यारोपी अवनीश को गिरफ्तार कर लिया है। खेमकरन अपनी खाली जगह साफ कर रहे थे, तभी अवनीश ने साथियों संग उन पर हमला किया। परिवार के तीन सदस्यों को बचाने आने पर उन पर भी पथराव हुआ। आक्रोशित परिजनों ने शव उठाने से मना कर दिया था। पुलिस ने अवनीश को जंगल से पकड़ा और जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ लिया और उसे पेड़ से बांध दिया। सूचना मिलने पर वजीरगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।मामले की गंभीरता को देखते हुए दो थानों की पुलिस मौके पर तैनात रही। पुलिस ने ग्रामीणों के कब्जे से आरोपी को छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। इसके बाद खेमकरन के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

संग्रामपुर क्षेत्र में जगह-जगह सजीं मां दुर्गा की प्रतिमाएं, दर्शन-पूजन को उमड़ रहे श्रद्धालु



कैनविज टाइम्स संवाददाता

संग्रामपुर,अमेठी। शारदीय नवरात्र के अवसर पर संग्रामपुर क्षेत्र के दर्जनों स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन-पूजन के लिए प्रतिदिन श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ठेंगहा, पतापुर गांव के कुटीवा चौक, कसारा और जरौटा समेत कई स्थानों पर पूजा पंडाल सजाए गए हैं। धार्मिक माहौल के बीच श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

पूजा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। स्थानीय लोगों के सहयोग से पूजा-अर्चना की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। शाम के समय पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में नजर आता है। पूजा पंडालों के व्यवस्थापक शोले सिंह, कैलाश मिश्रा, प्रिंस सिंह, शनि शर्मा, आनंद मौर्य, बृजेश शुक्ला, राहुल जायसवाल, सत्य प्रकाश, बबलू मौर्य, अजय मौर्य और अमन मिश्रा ने बताया कि मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मां के दर्शन कर रहे हैं।

एक साथ जलीं तीन चिताएं, हत्सा गांव में पसरा मातम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ किसी का इकलौता बेटा छिना, तो किसी मां की गोद उजड़ गई

बिसौली । मदनजुड़ी के सामने सोमवार को स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत के बाद मंगलवार को गांव हत्सा में ऐसा हृदयविदारक दृश्य देखने को मिला, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। पोस्टमार्टम के बाद तीनों युवकों के शव गांव पहुंचे तो परिजनों की चीख-पुकार से पूरा गांव दहल उठा। दोपहर करीब दो बजे पुलिस की मौजूदगी में गांव की श्मशान भूमि पर तीनों की चिताएं एक साथ जलीं। एक ही गांव के तीन नौजवानों की असमय मौत से हत्सा में मातम पसरा है।

हालात ऐसे हैं कि पिछले 24 घंटे से मोहल्ले के किसी घर में चूल्हा नहीं जला और न ही किसी के मुंह में निवाला गया। सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हत्सा निवासी चार युवक एक बाइक पर सवार होकर दवा लेने बिसौली आ रहे थे। गांव से कुछ दूरी पर मदनजुड़ी के सामने एसडीबी स्कूल की बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि 18 वर्षीय ऋषभ पुत्र नरवेश, 19 वर्षीय रोहन पुत्र चंद्रपाल और उसका तहेरे भाई 18 वर्षीय नितिन उर्फ निखिल पुत्र मेवाराम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 17 वर्षीय शिवकुमार पुत्र हंस कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका बदायूं के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

शव पहुंचे तो मच गया कोहराम

मंगलवार दोपहर जैसे ही तीनों युवकों के शव गांव पहुंचे, परिजनों का धैर्य जवाब दे गया। अपनों के शव देखकर परिवार की महिलाओं की चीख-पुकार गूंज उठी। कई महिलाएं रोते-रोते बेहोश हो गईं। गांव के सैकड़ों लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए। एक साथ तीन चिताएं जलती देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। गांव में हर तरफ गमगीन माहौल नजर आया। इस हादसे ने तीन परिवारों को ऐसा जख्म दिया है, जिसकी भरपाई शायद ही कभी हो सके। ऋषभ अपने पिता का इकलौता बेटा था। उसके एक भाई की दो साल पहले बीमारी के चलते मौत हो चुकी थी। अब ऋषभ की मौत से मां रज्जो का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, रोहन की मां शशिबाला और नितिन की मां सरोज अपने जवान बेटों को खोने के सदमे से टूट गईं। दोनों आपस में देवरानी-जेठानी हैं। एक ही परिवार की दो महिलाओं की गोद उजड़ने से पूरे गांव में शोक की लहर है। जिस घर में कुछ दिन पहले तक हंसी-खुशी का माहौल था, वहां अब मातम और सिसकियों की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

हादसे के बाद स्कूल बस चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस अभी तक उसे पकड़ नहीं सकी है। कोतवाली प्रभारी सरवेंद्र शर्मा के अनुसार, मृतकों के परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, ग्रामीणों और परिजनों की निगाहें घायल शिवकुमार की हालत पर टिकी हैं। तीन परिवारों के चिराग बुझने के बाद अब सभी उसकी सलामती की दुआ कर रहे हैं।

विकास की पोल:फोरलेन की दरारों के खुल गए टांके, हादसों को न्योता दे रहे गड्ढे

- महज छह साल में उखड़ने लगी सड़क की सेहत, शहर की लाइफलाइन पर सफर बना जोखिम भरा
- 46 किलोमीटर लंबी सड़क में मुख्यालय के छह हिस्सों में राह मुश्किल, गड्ढों में हिचकोले खा रहे दोपहिया वाहन
- मेडिकल कॉलेज से प्रतिष्ठित स्कूल - कॉलेजो तक रोजाना हजारों लोगों की आवाजा ही,जलभराव ने बढ़ाई मुसीबत...



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। शहर की लाइफलाइन कही जाने वाली फोर लेन सड़क की चमक महज छह साल में उतरने ल गी है।जगह-जगह उभरी दरारें, उखड़ी सड़क और गहरे गड्ढे विकास के दावों को मुंह चिढ़ा रहे हैं।सड़क की हालत देखकर लगता है कि निर्माण के वक्त जिस मजबूती के दावे किए गए थे,..उनकी मियाद पूरी होने से पहले ही मरम्मत की जरूरत आन प ड़ी है। दरारों पर लगाए गए पैबंद भी अब जवाब देने लगे हैं।यानी सड़क के जख्म भरने के लिए ल गाए गए टांके खुद खुलने लगे हैं।करीब 46 किलो मीटर लंबी इस सड़क पर जिला मुख्यालय के आ सपास छह स्थानों पर सफर खासा मुश्किल हो गया है।कई जगह सड़क पर गड्ढे बन गए हैं तो कु छ हिस्सों में बारिश का पानी जमा होने से परेशानी और बढ़ गई है।गड्ढों से बचने की कोशिश में दोप हिया वाहन चालक कभी दाएं तो कभी बाएं कट मारने को मजबूर हैं।ऐसे में पीछे से आने वाले वा हनों के साथ टक्कर का खतरा भी बना रहता है। सड़क पर चलने वाले लोगों के लिए हर गड्ढा किसी संभावित हादसे की चेतावनी जैसा है।विडंबना यह है कि इसी सड़क से शहर की बड़ी आबादी का रो जाना वास्ता पड़ता है।मेडिकल कॉलेज के मरीजों और तीमार दारों से लेकर आधा दर्जन प्रतिष्ठित स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं तथा कर्मचारी इसी रास्ते से गुजरते हैं।सुबह और दोपहर के समय या तायात का दबाव बढ़ने पर सड़क की बदहाली औ र खटकती है।मरीजों को अस्पताल पहुंचने की ज ल्दी हो या बच्चों को स्कूल पहुंचना हो,गड्ढों से बच कर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं है। शहर की इस महत्वपूर्ण सड़क की हालत सवाल खड़े कर रही है कि आखिर निर्माण के छह साल के भी तर ही जगह-जगह मरम्मत की नौबत क्यों आ गई ? जलभराव वाले हिस्सों में पानी निकासी की व्य वस्था कितनी प्रभावी है और सड़क की गुणवत्ता की निगरानी किस स्तर पर हुई ? इन सवालों के जवाब भी जरूरी हैं, क्योंकि केवल गड्ढे भरने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा।राष्ट्रीय रा जमार्ग (एनएच) के अधिशासी अभियंता आरके पिथौरिया का कहना है कि सड़क की स्थिति में सुधार के लिए जल्द काम कराया जाएगा। इसके लिए टीम भेजी गई है। देखना यह है कि टीम की जांच के बाद सड़क के जख्मों पर टिकाऊ मरहम लगता है या फिर कुछ दिनों बाद वही गड्ढे और दरारें राहगीरों के स्वागत में खड़ी मिलती हैं।

गोंडा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मरीज की मौत, डॉ. पर लापरवाही का आरोप

- इमरजेंसी में डॉक्टर के न होने का आरोप बीस मिनट तक इलाज के इंतजार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोंडा। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में मरीजों को समय पर उपचार मिलने के दावों पर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं।पोर्टरगंज बाजार निवासी राजेश गुप्ता की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के भाई हनुमंत लाल गुप्ता ने चिकित्सकों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगा या है।उनका दावा है कि मरीज की हालत बिगड़ने पर वह इमरजेंसी में डॉक्टर को तलाशते रहे लेकि न करीब बीस मिनट तक उपचार नहीं मिला,इसके बाद उनके भाई की मौत हो गई।

परिजनों के मुता बिक, राजेश गुप्ता की सोमवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज लाकर भर्ती कराया गया।आरोप है कि रा त में चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज की बजाय बाहर से दवाएं मंगवाकर इलाज कराया।परिजनों का कहना है कि अस्पताल की ओर से उन्हें न तो दवाएं मिलीं और न ही इंजेक्शन उपलब्ध कराए गए।

सुबह हालत बिगड़ी, डॉक्टर न मिलने का आरोप

हनुमंत लाल गुप्ता के अनुसार,मंगलवार सुबह क रीब सात बजे राजेश की हालत अचानक बिगड़ गई। वह तत्काल इमरजेंसी की ओर दौड़े,लेकिन वहां कोई चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। उनका आरोप है कि काफी देर तक मरीज को देखने वा ला कोई नहीं आया और सुबह 7:20 बजे राजेश की मौत हो गई। भाई की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल की उपचार व्यवस्था पर सवाल उठाए।

मौत के बाद जांच का भरोसा,कार्रवाई का इंतजार

मामले में मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.अनिल तिवारी ने जांच कराने की बात कही है।उन्होंने कहा कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाए गी।वही अब सवाल यह है कि यदि इमरजेंसी में चिकित्सक की अनुपस्थिति और समय पर उपचार न मिलने के आरोप सही पाए जाते हैं,तो इसके लि ए जिम्मेदार कौन होगा ? जांच में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि मरीज को रात में कौन-सा उपचा र दिया गया, बाहर से दवाएं क्यों मंगानी पड़ीं और सुबह हालत बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सकीय स हायता क्यों नहीं मिली।फिलहाल मौत के वास्तवि क कारण और लापरवाही के आरोपों की पुष्टि जां च के बाद ही हो सकेगी।

तबादलों में पारदर्शिता का दावा, वर्षों से जमे बाबू पर सवाल

- योगी सरकार की तबादला नीति फ़ेल, जिला पूर्ति विभाग में वर्षों से जमे बाबू पर मेहरबानी क्यों..
- नीति बदली,लेकिन जिला पूर्ति कार्यालय में वर्षों से जमे कर्मचारी का पटल नहीं बदला
- राशन कार्ड से कोटेदारों तक दखल के आरोप,गैस एजेंसी संचालक से संपर्क को लेकर उठरहे सवाल
- तबादलों में पारदर्शिता के दावों के बीच सवाल क्या रसूखदारों के लिए नियम अलग हैं ?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तबादला नीति है कि सरकारी कार्यालयों के कामकाज व जनहित के मामलों में पारदर्शिता कायम रहे,लंबे समय से एक ही पटल पर जमे अधिकारियों/कर्म चारियों को नियमानुसार स्थानांतरित करना है।इस के विपरीत गोंडा जनपद के जिला पूर्ति विभाग में दशकों से तैनात एक बाबू जी को लेकर सवाल उ ठ रहे हैं।आरोप है कि पूर्ति विभाग के महत्वपूर्ण पटल पर लंबे समय से साहब की कृपा से बाबू एक पटल पर कुंडली मारकर बैठे हैं। जिससे हर विभागीय कामकाज में उसका प्रभाव बना हुआ है ऐसे में सवाल है कि जब सरकार तबादलों के जरि ए व्यवस्था में बदलाव चाहती है तो जिला पूर्ति का र्यालय में इस कर्मचारी की तैनाती की समीक्षा,क्यों नहीं हुई।सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि विभा ग में राशन कार्ड से लेकर कोटेदारों के मामलों औ र गैस एजेंसी संचालकों से संपर्क तक में उक्त बाबू जी की भूमिका प्रभावशाली बनी हुई है।विभाग में एक ही पटल पर उनकी लंबे समय से तैनाती को लेकर कानाफूसी तेज हो गई हैं। यहां मामला केव ल एक कर्मचारी की तैनाती का नहीं,बल्कि विभा गीय कार्यप्रणाली और प्रशासनिक जवाबदेही का भी है।यदि कोई कर्मचारी दशकों से महत्वपूर्ण पट ल संभाल रहा है तो उसकी तैनाती की समीक्षा का र्यो के बंटवारे और नियमानुसार स्थानांतरण की स्थिति सार्वजनिक होनी चाहिए। प्रदेश में तबादलों के बाद संशोधन आदेशों को लेकर भी पारदर्शिता के सवाल उठते रहते हैं। ऐसे में जिला पूर्ति विभाग को समीक्षा करनी चाहिए कि संबंधित बाबू कितने वर्षों से उसी पटल पर तैनात है और किन-किन प टलों की जिम्मेदारी उसके पास है।उसकी तैनाती की समीक्षा नहीं होने और दूसरे पटल पर स्थानां तरण न किया जाना निश्चित ही दाल में कुछ काला होने का संकेत कर रहा है।वैसे भी जिला पूर्ति वि भाग गोंडा का विवादों से नाता रहा है। बता दें कि गोंडा के जिला पूर्ति कार्यालय में सितंबर 2025 से मार्च 2026 तक कुल करीब 20000 गरीब पात्रों द्वारा अपना राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया गया था। इसमें सुविधा शुल्क पैमाने पर खरा उतरने वालों का राशन कार्ड तो बना दिया गया। शेष गरीबों के करीब 7000 ऑनलाइन आवेदनों को निरस्त कर दिया गया था।इस प्रकरण की शा सन द्वारा गठित टीम द्वारा उच्च स्तरीय जांच पड़ ताल भी चल रही है।इससे विभाग में भ्रष्टाचार हो ने को नकारा नहीं जा सकता है।



साहब मीटिंग में व्यस्त, दरवाजे पर खड़ी जनता

सोमवार को जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय में आंखों देखा मामला यह रहा कि जनता दर्शन कार्यक्रम सुबह 10 से 12 बजे के बीच तमाम फ रियादी अपने राशन कार्ड की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला पूर्ति अधिकारी के कमरे के बाहर उनसे मिलने के लिए लाइन लगाकर इंतजार कर रहे थे,लेकिन साहब जनता दर्शन के समय ऑफि स का दरवाजा बंद करके गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक करने में व्यस्त रहे।फरियादी कमरे के बाहर हो हल्ला करते रहे।फरियादियों की सूच ना पर जब 12 बजे कई मीडियाकर्मी पहुंच गए, त ब जिला पूर्ति अधिकारी कुंवर दिनेश प्रताप सिंह ने बैठक समाप्त कर मीडियाकर्मियों और फरिया दियों को अंदर बुलाकर उनकी समस्याएं सुनना शुरू किया।इस पर जब मीडियाकर्मियों ने जिला पूर्ति अधिकारी से जनता दर्शन के दौरान मीटिंग करने, विभाग में दशकों से एक ही पटल पर जमे बाबू जी और लोगों को राशन कार्ड बनवाने में होने वाली दिक्कतों संबंधी सवाल पूछे तो वह मीडिया कर्मियों के सवालों जवाब दिए बगैर मीटिंग में जा ने का बहाना बताकर अपने ऑफिस से बाहर निकल गए।

ग्राम प्रहरियों को योगी सरकार की सौगात मानदेय में एक हजार की बढ़ोतरी

- पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा, गोंडा पुलिस लाइन में सम्मानित हुए ग्राम प्रहरी
- टॉर्च और धोती देकर बढ़ाया उत्साह, मुख्यमंत्री के संबोधन का देखा गया सजीव प्रसारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोंडा। गांवों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और पुलिस व ग्रामीणों के बीच समन्वय की अहम कड़ी ग्राम प्रहरियों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी घोषणाएं कीं,मासिक मानदेय में एक हजार रुपये की वृद्धि और पांच लाख रुपये तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा से ग्राम प्रहरियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

रिजर्व पुलिस लाइ न स्थित अमर शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी बहुउद्दे शीय हॉल में आयोजित ग्राम प्रहरी सम्मान कार्य क्रम में मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा और सुना गया।इस दौरान ग्राम प्रहरियों को टॉर्च और धोती वितरित कर उनके योगदान को सम्मानित किया गया।मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रहरियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामी ण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, गांवों की गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने औ र पुलिस व आमजन के बीच समन्वय स्थापित क रने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मानदेय में वृ द्धि और कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणाओं को उनके आर्थिक हितों और स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है,कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष इकबाल बहादुर तिवारी, सांसद दरविधायक प्रतीक भूषण सिंह, विधायक रमापति शास्त्री,विधायक प्रेमनारायण पाण्डेय,विधायक वि नय द्विवेदी,देवीपाटन परिक्षेत्र के पुलिस उपमहा निरीक्षक अशोक कुमार, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, अधि कारियों और जनप्रतिनिधियों ने ग्राम प्रहरियों के योगदान की सराहना करते हुए उनसे अपने दायि त्वों का निर्वहन निष्ठा और सक्रियता के साथ करने का आह्वान किया।कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम प्रहरि यों का उत्साहवर्धन करना और ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था में उनकी भूमिका को सम्मान देना रहा।

मिशन शक्ति : उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को डीएम-एसपी ने किया सम्मानित



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार में मंगलवार देर शाम मिशन शक्ति फ़ेज-6.0 के तहत आयोजि त समारोह में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने उत्कृष्ट कार्य कर ने वाली महिला पुलिसकर्मियों,महिलाओं और छा त्राओं को प्रशस्ति पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया है।समारोह में उपनिरीक्षक प्रतिभा सिंह समे त महिला पुलिसकर्मियों को उनके सराहनीय का र्यो के लिए सम्मानित किया गया।अधिवक्ता रुचि मोदी, डॉ.ज्योत्सना शुक्ला और कथक कलाकार अविका सुरभित को भी सम्मान मिला।सात वर्षीय अनामिका मिश्रा आकर्षण का केंद्र रही, जिसने दो अक्टूबर को बिना रुके 30 किलोमीटर दौड़ लगाई थी।डीएम ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महि लाओं और बालिकाओं को प्रोत्साहित करना है। एसपी ने बताया कि महिला सुरक्षा और जागरूक ता के लिए जिले में आगे भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नानपारा में निकली श्रीरामलीला की भव्य शोभायात्रा जगह-जगह गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

- अध्यक्ष बंशीधर रस्तोगी ने भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की आरती एवं पूजन किया, जिसके बाद शोभायात्रा आगे बढ़ी और चूड़ी गली होते हुए नगर भ्रमण कर शिवालय बाग मैदान स्थित दशहरा मेला स्थल पहुंची

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नानपारा, बहराइच। श्रीरामलीला महोत्सव के अवसर पर नगर में भव्य जुलूस निकाला गया। गाजे-बाजे, डीजे की धुन और भगवान श्रीराम के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय माहौल में नजर आया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जुलूस का शुभारंभ पुरानी बाजार स्थित श्रीरामलीला चबूतरे से हुआ। रामलीला समिति के अध्यक्ष बंशीधर रस्तोगी ने भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की आरती एवं पूजन किया, जिसके बाद शोभायात्रा आगे बढ़ी और चूड़ी गली होते हुए नगर भ्रमण कर शिवालय बाग मैदान स्थित दशहरा मेला स्थल पहुंची। यहां भगवान श्रीराम की आरती एवं पूजन किया गया। जुलूस में सबसे आगे भगवान श्रीराम का रथ चल रहा था। इसके पीछे श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। जुलूस के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोतवाल नानपारा गुरुसेन सिंह, कस्बा चौकी इंचार्ज कामेश्वर राय सहित पुलिस बल मौजूद रहा। इस अवसर पर रामलीला समिति के कोषाध्यक्ष रवि सोनी, राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संघ के प्रदेश सह प्रभारी कैलाश नाथ सोनी, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कुमार मिश्रा, जिला अध्यक्ष नृगराज शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बसंत मधुकर त्रिपाठी, जिला महामंत्री विपिन कुमार सिंह, नगर उपाध्यक्ष अभिनव मित्तल सहित आनंद कुमार रस्तोगी, अयोध्या प्रसाद सोनी, मोहित सोनी, राज सोनी, मुकेश सोनी, आदित्य रस्तोगी, अभिषेक रस्तोगी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

गोवंश संरक्षण के लिए वैज्ञानिक पशुपालन पर जोर



- शास्त्री डिग्री कॉलेज में संगोष्ठी एवं भाषण प्रति योगिता,अंजली प्रथम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के वि ज्ञान परिसर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि संकाय की ओर से गोशाला एवं गोवंश संरक्ष ण विषय पर संगोष्ठी और भाषण प्रतियोगिता आ योजित की गई।कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक पशुपालन,पशु स्वास्थ्य,संतुलित पोषण और संक्रा मक रोगों की रोकथाम पर जोर दिया।मुख्य वक्ता डॉ.अभिषेक मिश्रा ने गोशाला प्रबंधन, पशुगणना और लम्पी स्किन डिजीज से बचाव की जानकारी दी।

प्रभारी प्राचार्य प्रो. संदीप श्रीवास्तव ने ऐसे आ योजनों को विद्यार्थियों में पशु कल्याण और पर्या वरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला बताया।नोडल अधिकारी प्रो.अरविंद शर्मा और संयोजक डॉ. रेखा शर्मा ने भी विचार रखे।भाषण प्रतियोगिता में अंजली प्रथम,सचिन पाण्डेय द्वितीय और सीमा तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम प्रभा री डॉ.करुणेश कुमार दूबे ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ.धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ.घनश्याम द्विवेदी ने दिया।

मरी माता मंदिर परिसर में गूंजा महिला सुरक्षा का संदेश, मिशन शक्ति टीम रामगांव ने किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बहराइच। मरी माता मंदिर परिसर में मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी रामगांव दिवाकर तिवारी की अध्यक्षता में तथा महिला उपनिरीक्षक रचना सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में दूर-दराज से पहुंचीं महिलाओं, बालिकाओं, शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी उपायों तथा किसी भी विषम परिस्थिति में पुलिस से सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी दी। साथ ही उन्हें निर्भीक होकर अपनी समस्याएं सामने रखने और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार, थाना प्रभारी रामगांव दिवाकर तिवारी, चौकी प्रभारी राणा राज सिंह, हेमंत सिंह, नंद किशोर सिंह, महिला उपनिरीक्षक रचना सिंह, आरक्षी सुरेंद्र कुमार वर्मा, शोनू यादव, ममता सहित दर्जनों पुलिसकर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करना तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना रहा।

अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारियों ने एसएसबी अधिकारियों से की मुलाक़ात

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नानपारा, बहराइच । भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति, बहराइच के पदाधिकारियों ने एसएसबी अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान सीमा पर तस्करी की समस्या पर चर्चा करते हुए प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता जताई गई।

समिति की ओर से एसएसबी की 42वीं और 59वीं वाहिनी के कमांडेंट को सम्मानित भी किया गया। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति, लखनऊ के चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन में जिला उपाध्यक्ष शेर सिंह कसौधन और जिला सचिव एवं जेल विजिटर केशव कुमार मौर्य के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने नानपारा स्थित एसएसबी मुख्यालय पहुंचकर 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गिरीश चंद्र पांडेय और 59वीं वाहिनी के कमांडेंट कैलाश चंद रमोला से मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों कमांडेंट को समिति की वार्षिक पुस्तक सेवा पथ दर्पण, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें बैज भी लगाया गया।

समिति के पदाधिकारियों ने भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की बढ़ती तस्करी और युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या समाज के लिए गंभीर चुनौती है। इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए तस्करी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और निरंतर निगरानी आवश्यक है। एसएसबी अधिकारियों ने पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा के लिए जवान मुस्तैदी से तैनात हैं। सीमा पर अराजक तत्वों, अपराधियों और तस्करों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षा बल सतर्कता के साथ कार्य कर रहे हैं।

सोती रही पुलिस चौकी के सामने से लाखों का माल पार, कहोबा पुलिस को भनक तक नहीं

गोंडा। थाना मोतीगंज की कहोबा चौकी के सामने चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया। चौकी से चंद कदम दूर स्थित कंपोजिट शराब की दुकान की खिड़की तोड़कर चोर लाखों का माल उड़ा ले गए।थानाध्यक्ष को दी गई तहरीर के अनुसार पीड़ित विवेक कुमार सोनी पुत्र रामकुमार सोनी निवासी वजीरगंज ने कहा कि मां मीरा सोनी के नाम से कहोबा में अंग्रेजी शराब की दुकान संचालित है।दुकान पर दो सेल्समैन तैनात हैं।मंगलवार सुबह करीब दस बजे सेल्समैन सुरेन्द्र प्रताप सिंह ग्राम सोहना ने दुकान पहुंचकर बताया कि पीछे की खिड़की टूटी है। दुकान खुलवाने पर चोरी का पता चला।हिसाब के अनुसार चोर दुकान से 19 पेटी बियर कीमत 68,260 रुपये, अंग्रेजी शराब कीमत 15,040 रुपये व 28,680 रुपये नकद समेत कुल 1,11,980 रुपये का माल चोरी कर ले गए हैं।चौकी के सामने हुई इस चोरी से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। सवाल उठ रहा है कि जब चौकी के सामने ही चोरी हो जा रही है तो गांवों की सुरक्षा कैसे होगी।इस संबंध में थानाध्यक्ष मोतीगंज तेज नरायन गुप्ता ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच किया जा रहा है। जहां पर चोरों की घटना के बारे में जानकारी के लिए एसओजी भी मौके पर जाकर जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग को लेकर कांग्रेस का हल्ला बोल

- धरना स्थल से कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पीलीभीत। जिला कांग्रेस की दमदार मौजूदगी दिल्ली में आयोजित विशाल मार्च और धरना प्रदर्शन में देखने को मिली। पीलीभीत जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा के नेतृत्व में जोरदार भागीदारी की।

धरना स्थल से कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग की। जिला अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा ने कहा कि, ''जब तक ज्ञानेश कुमार को पद से नहीं हटाया जाता, तब तक कांग्रेस पार्टी का यह संघर्ष सड़क से लेकर सदन तक लगातार जारी रहेगा। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठना लोकतंत्र के लिए खतरा है।नेताओं ने आरोप लगाया कि यह सरकार वोट चोरी से बनी हुई सरकार है। जनता के जनादेश के साथ धोखा किया गया है और चुनाव आयोग इस पर आंख मूंदे बैठा है।इस मार्च में पीसीसी सदस्य अनवर अनीस, जिला उपाध्यक्ष मुनेंद्र पाल सक्सेना, यूथ कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष अयान खान, जिला महासचिव किरन पाल सिंह, जिला कोषाध्यक्ष करनजीत सिंह, बरखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष हरीश कुमार सिंह मौर्य, पूरनपुर ब्लॉक अध्यक्ष जाहिद खान, बीसलपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप मौर्य, ललौरीखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष मो. इरफान, जिला सचिव कयूम खान, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदीप गंगवार, मंडल अध्यक्ष सुखपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष गुरुशरण सिंह, सेवादल जिलाध्यक्ष अमन अंसारी, यूथ विधानसभा अध्यक्ष समीर अंसारी, एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष कमलेश लोधी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धान खरीद और खाद की ऑनलाइन टोकन व्यवस्था के विरोध में भाकियू टिकैत का धरना प्रदर्शन

पूरनपुर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने सोमवार दोपहर 12 बजे धान खरीद में देरी और खाद वितरण की ऑनलाइन टोकन व्यवस्था के विरोध में शासन-प्रशासन से किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग को लेकर संगठन के जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी सहित अन्य पदाधिकारियों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सरकारी धान खरीद शुरू नहीं होने से किसान अपनी उपज कम दामों पर बेचने को मजबूर हैं। संगठन ने जिले के सभी सरकारी क्रय केंद्र तत्काल चालू कराने, प्रत्येक केंद्र पर प्रतिदिन 600 क्विंटल धान की तौल कराने और खरीद सीमा 37 से बढ़ाकर 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने की मांग की।रविवार को भी खरीद जारी रखने तथा राइस मिलों के स्टॉक और नमी मापक यंत्रों की जांच कराने पर जोर दिया गया।वहीं, खाद वितरण में ऑनलाइन टोकन व्यवस्था का विरोध करते हुए संगठन ने खतौनी के आधार पर सीधे खाद उपलब्ध कराने की मांग की।

ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत, चार लोग घायल, जिला अस्पताल रेफर

पूरनपुर । खुटार-पूरनपुर हाईवे पर बारी बुझिया के पास मंगलवार तड़के ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को उपचार के लिए पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बरखेड़ा निवासी संजय पुत्र गोपालचंद अपनी पत्नी पुष्पांजलि और अन्य लोगों के साथ अयोध्या गए थे। मंगलवार तड़के सभी लोग कार से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान खुटार-पूरनपुर हाईवे पर बारी बुझिया के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनकी कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर लगने से कार सवार चार लोग घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए पूरनपुर सीएचसी ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर घायलों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद परिवार के लोग घायलों के साथ जिला अस्पताल रवाना हो गए।

रास्ता बंद करने के विरोध में ग्रामीणों ने दी धरने की चेतावनी, डीएम से लगाई गुहार

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहल्ला रजागंज देहात और अहमदनगर में शेरपुर रेलवे फाटक के पास चार गांवों को जोड़ने वाले रास्ते को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। रेलवे विभाग की ओर से रास्ते की खुदाई कर दीवार निर्माण की तैयारी किए जाने से क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार आशीष गुप्ता को सौंपकर रास्ते की समस्या के समाधान की मांग की है। साथ ही पीलीभीत सांसद और विधायक बाबूराम पासवान को भी दूरभाष के माध्यम से मामले से अवगत कराया है। ग्रामीणों ने समस्या का समाधान न होने पर 13 या 14 अक्टूबर को मौके पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।ज्ञापन के अनुसार, यह रास्ता पूरनपुर देहात, ढका, सिमरिया ताल्लुका महाराजपुर और लालपुर अमृत गांवों को जोड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता राजस्व नक्शे में भी दर्ज है। वर्ष 2021 में रास्ते के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने पांच दिन तक धरना-प्रदर्शन किया था। उस समय तत्कालीन जिलाधिकारी पुलकित खरे और विधायक बाबूराम पासवान के हस्तक्षेप के बाद नगर पालिका की ओर से करीब 120 मीटर लंबा पक्का नाला और रास्ता बनवाया गया था। इसके अलावा ग्राम प्रधान की ओर से लगभग 150 मीटर रास्ते का निर्माण कराया गया था। अब अचानक रास्ता बंद करने के निर्णय से लोगों में रोष व्याप्त है।

लकी चिल्ड्रन स्कूल के प्रबंध निदेशक विजय नागी के निधन पर एपी इंटर कॉलेज में हुई शोक सभा

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एपी इंटर कॉलेज के प्रबंधक और आर्य पाठशाला इंटर कॉलेज के शिक्षक परिवार ने लकी चिल्ड्रन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंध निदेशक विजय नागी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।एपी इंटर कॉलेज प्रबंधन की ओर से जारी शोक संदेश में कहा गया है कि विजय नागी के असामयिक निधन से शिक्षा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। वे एक कुशल शिक्षाविद, समाजसेवी और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान से हजारों बच्चों का भविष्य संवारा।इस शोक संवेदना के समय कॉलेज प्रबंधक ठाकुर निरंजन सिंह सहित समस्त स्टाफ ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।आर्य पाठशाला इंटर कॉलेज के प्रबंधक ठाकुर निरंजन सिंह ने कहा कि विजय नागी का जाना पूरे क्षेत्र के लिए दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी गई है।

खाना बनाते समय सिलेंडर में लगी आग, पांच लोग झुलसे, दो वर्षीय मासूम की मौत

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के मोहल्ला बमनपुरी में मंगलवार सुबह खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में आग लगने से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पांच लोग झुलस गए, जबकि करीब दो वर्षीय मासूम बच्ची की जलकर मौत हो गई। घटना के बाद मोहल्ले में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला बमनपुरी निवासी नरेश जोशी पुत्र रघुवीर प्रसाद के घर में खाना बनाने के दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग की चपेट में आने से नरेश जोशी, उनका 14 वर्षीय पुत्र वासु, नौ वर्षीय पुत्री माही और उनकी पत्नी ज्योति झुलस गईं। हादसे में सागर जोशी की करीब दो वर्षीय पुत्री विष्टी की जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सागर की पुत्री खेलने आई थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर फायर बिग्रेड की टीम व संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई। घायलों को उपचार के लिए 108 एबुलेंस अस्पताल लाया गया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना की जानकारी लगते ही कोतवाल पवन पांडे भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

शाहगंज चौराहे पर अवैध निर्माण को प्रशासन ने किया सील



सुल्तानपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहर के शाहगंज चौराहे के बाल मुकुंद रोड पर स्थित एक जमीन पर चल रहे अवैध निर्माण के खिलाफ आज जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के सख्त निर्देश के बाद उपजिलाधिकारी सदर ने कानूनगो और नगर कोतवाल को मौके पर भेजकर सीलिंग की कार्यवाही की गई । उल्लेखनीय है कि पीड़ित इंद्र प्रकाश पाण्डेय ने आज मंगलवार जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में कहा कि अभिषेक बरनवाल आदि बनाम राज्य का एक मुकदमा आयुक्त न्यायालय में चल रहा है। इस मुकदमे में उपजिलाधिकारी व जिलाधिकारी द्वारा विपक्षी अभिषेक बरनवाल के दावों को खारिज करते हुए 19 अप्रैल 25 को अवैध निर्माण को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया है। जिसके खिलाफ कमिशनरी में मामले को उलझाने के लिए वाद दायर कर दिया। जिसके बाद अभिषेक बरनवाल व अन्य साथी चोरी छिपे निर्माण कार्य कर रहे है। मामले की गंभीरता को देख डीएम ने एसडीएम सदर को तत्काल अवैध निर्माण को सील करने का आदेश दिया। एसडीएम ने कानूनगो आईपी सिंह और कोतवाल सुरेश नारायण मिश्र को भेजकर अवैध निर्माण को सील कर दिया। कानूनगो आईपी सिंह ने सीलिंग की पुष्टि की है।

पत्रकारों के हो रहे उत्पीड़न के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। देश भर में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के उत्पीड़न की बढ़तीं घटनाओं से आक्रोशित जिले के वरिष्ठ पत्रकारों ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में उपजिलाधिकारी सदर गरिमा सौनकिया को पत्रकारों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। प्रधानमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में उक्त मामले के दोषी अधिकारियों की जांच करवाकर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की गई है। उक्त मौके पर पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष ड0अवधेश शुक्ला, बृजेश श्रीवास्तव, सर्वेश सिंह, अनुराग द्विवेदी, मनोराम पांडेय, रवि दुबे, फरीद अहमद अर्शी, शिव सागर, आशीष श्रीवास्तव, शिव कुमार दुबे,,सतीश मिश्रा पंडा, सुनील राठौर, आशुतोष मिश्रा, दया शंकर साहू सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

संजय यदुवंशी के घर पुलिस दबिश मामले में मानवाधिकार आयोग सख्त, एसपी सुलतानपुर से नौ दिसंबर तक जांच रिपोर्ट तलब

सुलतानपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। सोशल मीडिया क्रिएटर संजय यदुवंशी के घर रात में पुलिस दबिश देने और परिजनों से कथित अभद्रता के मामले में उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता ड. गजेन्द्र सिंह यादव की शिकायत पर आयोग ने पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर से जांच रिपोर्ट तलब की है। रिपोर्ट नौ दिसंबर 2026 तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई दस दिसंबर को होगी। शिकायत के अनुसार, धम्मौर थाना प्रभारी करीब 15 से 20 पुलिसकर्मियों के साथ रात में संजय यदुवंशी के आवास पर पहुंचे थे। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया और वहां मौजूद महिलाओं सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की। शिकायत में पुलिस कार्रवाई के वैधानिक आधार, महिलाओं की गरिमा और निजता से जुड़े पहलुओं की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।आयोग ने पुलिस अधीक्षक को जांच में शिकायतकर्ता को भी शामिल करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता ड. गजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि पुलिस कार्रवाई कानून के दायरे में होनी चाहिए और नागरिकों के मानवाधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मामले में जांच रिपोर्ट के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर उपाधि महाविद्यालय में छात्रों को सिखाए बचाव के उपाय

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पीलीभीत। आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर उपाधि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र एवं छात्रा इकाई के तत्वावधान में मेरा युवा भारत के सहयोग से आपदा प्रबंधन एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के प्रति जागरूक करना था।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम ने विद्यार्थियों को भूकंप, बाढ़, आग जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों और बचाव के तरीकों की जानकारी दी। टीम ने व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सुरक्षित स्थान पर पहुंचने और दूसरों की सहायता करने के गुर सिखाए।प्राचार्य प्रो. दुष्यंत कुमार ने कहा कि आपदा के समय जागरूकता, धैर्य और सही निर्णय लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य अनुशासन अधिकारी दुर्गेश धर द्विवेदी ने अनुशासन और सुरक्षा निर्देशों के पालन पर जोर दिया। डॉ. राखी मिश्रा और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता कनौजिया ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर प्रो. डॉ. सत्येंद्र नारायण, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. मनोज गुप्ता, रुद्रभान सिंह, कौशल कुमार सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी अजय कुमार, शिव कुमार, दीपा, रेखा और अवनीश उपस्थित रहे हैं।

बाउंड्री निर्माण खुदाई शुरू होंने से भड़के लोग तहसीलदार से की शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पूरनपुर। नगर के मोहल्ला अहमदनगर में रेलवे विभाग की ओर से बाउंड्री निर्माण कार्य को लेकर सोमवार दोपहर खुदाई का काम शुरू कर दिया गया। खुदाई शुरू होने से क्षेत्र के निकास का रास्ता बंद हो गया है। इससे करीब दस हजार से अधिक आबादी वाले इलाके के लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।स्थानीय लोगों के अनुसार, मोहल्ले से बाहर निकलने और जरूरी कामों के लिए आने-जाने में दिक्कतें होगी। रास्ता बंद होने से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को भी परेशानी उठानी पड़ सकती है। अचानक शुरू हुए खुदाई कार्य के चलते लोगों के सामने आवागमन की समस्या खड़ी हो गई है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि बाउंड्री निर्माण रेलवे विभाग का कार्य है, लेकिन निर्माण के दौरान स्थानीय आबादी के आवागमन की व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। यदि वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था नहीं की गई तो लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

सिडकुआ में अवैध रूप से हो रहा है मछली का शिकार ठेकेदार ने कार्रवाई की करी मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पूरनपुर। नेशनल हाईवे स्थित सिडकुआ तालाब में लगातार अवैध रूप से मछली का शिकार हो रहा है, जिससे ठेकेदार से की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है।ठेकेदार के अनुसार रात के अंधेरे में और दिन में कुछ लोग जाल और बंसी डोर से वोलगाकर मछलियों का शिकार करते हैं। तालाब में ठेकेदार द्वारा लाखों की लागत से मछली के बीज डाले गए थे, जो अब अवैध शिकारियों की भेंट चढ़ रहे हैं। यह तालाब कई ठेकेदार के लिए रोजगार का साधन भी है।

ठेकेदार ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। अवैध शिकार से तालाब का जलचर संतुलन बिगड़ रहा है और प्रतिबंधित तरीकों से शिकार के कारण अन्य जलीय जीवों की भी मौत हो रही है।ठेकेदार ने उपजिलाधिकारी और मत्स्य विभाग से मांग की है कि तालाब की निगरानी बढ़ाई जाए, अवैध शिकारियों पर जुर्माना लगाया जाए और तालाब को संरक्षित किया जाए। साथ ही नियमित गश्त की व्यवस्था की जाए ताकि इस प्राकृतिक धरोहर को बचाया जा सके। उप जिलाधिकारी मयंक गोस्वामी ने कहा है कि अगर अवैध शिकार होता है तो अवैध शिकार करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

अमेठी में ग्राम प्रहरियों को विधायक और एमएलसी ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। नवीन पुलिस लाइन गौरीगंज में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किये जाने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण नवीन पुलिस लाइन गौरीगंज में आयोजित किया गया।उक्त कार्यक्रम को एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी शशांक चौधरी, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी.,अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी स्वेताभ भास्कर द्वारा जनपद के ग्राम प्रहरियों के साथ देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रहरियों के योगदान एवं उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। ग्राम प्रहरी ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, गांवों में होने वाली गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने तथा पुलिस एवं आमजन के मध्य समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर ग्राम प्रहरियों को उनके कर्तव्यों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं जनपद में शांति और कानून-व्यवस्था बनाये रखने में सक्रिय सहयोग प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया तथा उनके योगदान की सराहना की गई।

ओटीपी से राशन वितरण की व्यवस्था पर पात्र लाभार्थी भ्रमित न हों : डीएसओ

अमेठी। जिला पूर्ति अधिकारी शशिकांत ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में निःशुल्क खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए किसी भी राशनकार्ड धारक को मोबाइल फोन खरीदने की आवश्यकता नहीं है। मोबाइल ओटीपी आधारित खाद्यान्न वितरण की सुविधा केवल उन पात्र लाभार्थियों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध कराई गई है, जिनका किसी भी कारण से आधार प्रमाणीकरण संभव नहीं हो पाता है और जिनका मोबाइल नंबर विभागीय पोर्टल पर पहले से पंजीकृत है।उन्होंने बताया कि उचित दर दुकानों पर ई-पॉस मशीन से आधार प्रमाणीकरण कराकर लाभार्थियों को खाद्यान्न वितरित किया जाता है। बायोमेट्रिक मिलान असफल होने पर लाभार्थी को दोबारा प्रयास करने की सुविधा मिलती है। तीन बार बायोमेट्रिक मिलान असफल होने पर आइरिस स्कैन के माध्यम से प्रमाणीकरण का प्रयास किया जाता है। यदि इससे भी सफलता नहीं मिलती है, तो उसी राशनकार्ड में शामिल कोई अन्य सदस्य निर्धारित प्रक्रिया के तहत खाद्यान्न प्राप्त कर सकता है।जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि वृद्धावस्था, दिव्यांगता अथवा कुष्ठ रोग जैसी परिस्थितियों में बायोमेट्रिक या आइरिस स्कैन कराने में असमर्थ लाभार्थियों को ध्यान में रखते हुए वितरण चक्र के अंतिम दिन मोबाइल ओटीपी आधारित वितरण की व्यवस्था की गई है।

सीएचसी के निरीक्षण में 28 एनएचएम कर्मचारी मिले अनुपस्थित

- सीएमओ ने लगाई फटकार, वार्ड में दिन के अनुसार नहीं मिली चादर

कैनविज टाइम्स संवाददाता



कुड़वार, सुल्तानपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुड़वार में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी ड. भारत भूषण के औचक निरीक्षण में कई खामियां सामने आईं। एनएचएम के 28 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। वहीं वार्ड में निर्धारित दिन के अनुसार चादर नहीं बिछी थी। साफ-सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिलने पर सीएमओ ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई और व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। इसके बाद भर्ती वार्ड और प्रसव कक्ष पहुंचकर अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने भर्ती मरीजों से बातचीत कर इलाज, दवाओं और अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। स्टाफ नर्स रेनू मिश्रा के वार्ड में बेड पर निर्धारित दिन के अनुसार चादर नहीं मिलने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। सीएमओ ने सीएचसी अधीक्षक ड. वेदांत यादव को प्रसव के बाद बीएचटी और मंत्रा से संबंधित अभिलेख पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं और अभिलेखों के रखरखाव में लापरवाही न बरतने की हिदायत दी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. संजय गुप्ता ने टीकाकरण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को सीबीसी जांच की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ड. अनिमेष, डा. आरती यादव, डा. यहिया, फार्मासिस्ट संजीव श्रीवास्तव समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

पालिकाध्यक्ष ने नवनिर्मित भवन का किया औचक निरीक्षण कमियां जल्द दूर करने के निर्देश

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद के पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने आज पालिका परिसर में नवनिर्मित भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन में कराए गए निर्माण कार्यों का जायजा लिया और मौके पर मिली कमियों को जल्द दूर कराने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी लाल चंद्र सरोज, निर्माण लिपिक कपिल श्रीवास्तव सहित पालिका के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली तथा भवन में पाई गई कमियों को समयबद्ध तरीके से ठीक कराने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि भवन में शेष कमियों को दूर कर निर्माण कार्य को बेहतर बनाया जाए, ताकि इसका उपयोग सुचारुरूप से किया जा सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्यों पर गंभीरता से ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

अब माधव भवन के नाम से जाना जायेगा स्मृति ईरानी का आवास

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति जुबिन ईरानी के आवास का नाम बदल दिया गया है। अब उनका आवास माधव भवन के नाम से जाना जायेगा। आवास के बाहर माधव भवन का नया बोर्ड लगा दिया गया है और रंग रोगन का काम शुरू हो गया है।राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद स्मृति ईरानी अपने आवास को नया रूप देने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि चौदह अक्टूबर को अमेठी आ रही स्मृति ईरानी अपने आवास पर भी जा सकती है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुये स्मृति ईरानी की सक्रियता अमेठी में बढ़ने वाली है।अमेठी से लोकसभा चुनाव हारने के बाद यह चौथी बार है जब स्मृति ईरानी अमेठी आ रही हैं उनके आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के आवास का नाम बदलकर माधव भवन किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है।आवास के बाहर नया बोर्ड लगाया गया है और पूरे आवास में साफ सफाई और रंग रोगन का कार्य तेजी से चल रहा है।भाजपा सूत्रों के मुताबिक स्मृति ईरानी चौदह अक्टूबर को अमेठी में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगी और गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह के भाजपा में शामिल होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। इसके अलावा वह स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगी।गौरतलब है कि स्मृति ईरानी अमेठी से सांसद रही हैं और गौरीगंज में।मेदनमवई में उनका आवास है। लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी वे लगातार अमेठी से जुड़ी हुई हैं और सक्रिय हैं। उनके राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद अमेठी में उनकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है।

भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण कर रहा हूं : राकेश प्रताप सिंह

अमेठी। विधानसभा क्षेत्र गौरीगंज से समाजवादी पार्टी के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह अपने मंगलम आवास पर आगामी चौदह अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राज्यसभा सदस्य अमरपाल मौर्य सहित यूपी सरकार के कई मंत्री इस विशाल सदस्यता ग्रहण समारोह के साक्षी बनेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये लगभग समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि चौदह अक्टूबर का दिन मेरे राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और भावनात्मक दिन है। यह मेरे लिये केवल भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का अवसर नही बल्कि सनातन की रक्षा, अपनी आस्था, अपने संस्कारों और अपने सिद्धांतों के साथ एक नई राजनीतिक यात्रा प्रारम्भ करने का बहुमूल्य दिन है। विधायक राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि मैंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव अपनी सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा है।

सूचना

संस्था सरयू देवी सरस्वती शिक्षा समिति केशव नगर अमेठी के साधारण सभा की सदस्यता हेतु एतद्वारा आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक व्यक्ति केशव नगर अमेठी स्थित संस्था कार्यालय से सम्पर्क कर आवेदन पत्र प्राप्त करते हुए, अपने पूर्ण विवरण व सदस्यता शुल्क सहित अपना आवेदन पत्र दि0-30/05/2026 तक प्रबन्धक, सरयू देवी सरस्वती शिक्षा समिति केशव नगर अमेठी को पंजीकृत डाक से या व्यक्तिगत सम्पर्क कर हस्तगत करा दें। निर्धारित तिथि 30/05/2026 के उपरान्त सदस्यता आवेदन पत्र स्वीकार नही किया जायेगा एवं डाक या किसी स्रोत से निर्धारित तिथि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नही किया जायेगा। आवेदन पत्र अस्वीकृत होने की दशा में भुगतान / जमा किया गया सदस्यता शुल्क की धनराशि वापस कर दी जायेगी। सदस्यता / आवेदन पत्र दि0-20/04/2026 स्वीकृति / अस्वीकृति के सम्बन्ध में संस्था का निर्णय अन्तिम होगा।

हरिकेश बहादुर सिंह, प्रबन्धक सरयू देवी सरस्वती शिक्षा समिति, केशव नगर अमेठी

सम्पादकीय

सख्ती पर सवाल

कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह-जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है।लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगे तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट-परिसर के आस-पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक-अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सकें। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए। यह एक हकीकत है कि देश के लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता का भरोसा विश्वसनीय जवाबों, खुली व निष्पक्ष जांच और संस्थागत आजादी पर ही निर्भर करता है। वहीं एक मजबूत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को लेकर संशय नहीं होना चाहिए। जरूरी है कि वह असंतुष्ट लोगों की शिकायतों को सुनें, असहमति का सम्मान करते हुए कानून-व्यवस्था बनाये रखें और अदालत के निर्देशों का सम्मान करें। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने एक महत्वपूर्ण सीमा-रेखा खींची है। इसी आलोक में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश की राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों में संविधान प्रदत स्वतंत्रता का अतिक्रमण न हो। हालांकि, सीजेपी व विपक्ष के तेवरों को देखते हुए यह करना आसान भी नहीं होगा।

> कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं। आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया। आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्त्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है। हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएं, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है। जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता। अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वही इतिहास में स्थायी स्थान प्राप्त करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विपक्ष रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा संवैधानिक मर्यादा के समन्वय में खोजा जाए। -ललित गर्ग



लाला हरदयाल : स्वतंत्रता संग्राम के बौद्धिक शिल्पकार

लाला हरदयाल जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल रणभूमि में शत्रुओं से लोहा लेने वाले वीरों की गाथा नहीं है बल्कि यह उन मनीषियों की साधना का भी दस्तावेज है, जिन्होंने विचारों की शक्ति से गुलामी की नींव हिलाने का साहस किया। लाला हरदयाल ऐसे ही अद्वितीय क्रांतिकारी थे, जिनके लिए ज्ञान व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन नहीं, राष्ट्रीय मुक्ति का माध्यम था। 14 अक्तूबर को अमर क्रांतिकारी लाला हरदयाल की जयंती हमें उस विलक्षण क्रांतिकारी का स्मरण कराती है, जिसने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं, प्रतिष्ठित शैक्षणिक अवसरों और सुरक्षित भविष्य की संभावनाओं से ऊपर राष्ट्र के स्वाभिमान को स्थान दिया। उनके लिए ज्ञान केवल बौद्धिक उपलब्धि या व्यक्तिगत उत्कर्ष का माध्यम नहीं बल्कि अन्यायपूर्ण सत्ता को चुनौती देने और जनमानस में स्वतंत्रता की चेतना जगाने का सशक्त अस्त्र था। सैन फ्रांसिस्को से प्रकाशित गदर समाचारपत्र की क्रांतिकारी हुंकार से लेकर विदेशों में बसे भारतीयों को संगठित करने के प्रयासों तक, उनका जीवन इस सत्य का साक्ष्य है कि स्वतंत्रता की लड़ाई केवल रणभूमि में तलवार उठाकर नहीं बल्कि विचारों की प्रखरता, लेखनी की निर्भीकता और संगठन की शक्ति से भी लड़ी जाती है। लाला हरदयाल उन विरल मनीषियों में थे, जिन्होंने अपनी विद्वत्ता को राष्ट्र की धरोहर और अपने जीवन को स्वतंत्रता के महायज्ञ की आहुति बना दिया। उनकी जयंती केवल अतीत के गौरव का स्मरण नहीं बल्कि उस राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का अवसर है, जो ज्ञान को कर्म, विचार को संकल्प और राष्ट्रभक्ति को त्याग से जोड़ती है। 14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली के एक साधारण कायस्थ परिवार में जन्मे हरदयाल माथुर बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उनकी मेधा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेंट स्टीफेंस कॉलेज से संस्कृत में स्नातक और फिर सरकारी वजीफ़े पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जाने तक उनकी शैक्षणिक यात्रा स्वर्णाक्षरों में लिखी गई। लेकिन जिस समय अन्य युवा ब्रिटिश हुकूमत की चाकरी कर ऊंचे पदों के स्वप्न देख रहे थे, उस समय हरदयाल के भीतर स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अग्नि प्रज्ज्वलित हो रही थी। उन्होंने अनुभव किया कि फिरंगियों की शिक्षा पद्धति भारतीयों को केवल 'बाबू' बनाने के लिए है, न कि राष्ट्र के निर्माण के लिए। इसी बोध ने उन्हें ऑक्सफोर्ड की छात्रवृत्ति और विलायती सुख-सुविधाओं को लात मारने पर विवश कर दिया। लाला हरदयाल का व्यक्तित्व विरोधाभासों का एक सुंदर समन्वय था। वे जहां एक ओर संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे, वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन और राजनीति के भी गहरे जानकार थे। उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय अमेरिका में 'गदर पार्टी' की स्थापना के साथ शुरू होता है। जब वे अमेरिका और कनाडा में बसे प्रवासी भारतीयों से मिले तो उन्होंने उनकी आंखों में छिपे उस अपमान को पढ़ा, जो उन्हें गुलाम देश का नागरिक होने के कारण झेलना पड़ता था। हरदयाल ने समझा कि भारत की आजादी की लड़ाई केवल सीमाओं के भीतर रहकर नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जड़ों पर प्रहार करके भी लड़ी जा सकती है। 1913 में उन्होंने 'गदर' समाचारपत्र का प्रकाशन शुरू किया, जिसके पहले अंक के शीर्षक 'अंग्रेजी राज का दुश्मन' ने ही फिरंगियों की नींद उड़ा दी थी। उनका लेखन कोई साधारण गद्य नहीं था बल्कि वह सोई हुई आत्माओं को झकझोरने वाला संगीत था। वे लिखते थे, 'देश के वीरों, हमें सिपाही चाहिए; सिपाही, जो अपनी जान दे सकें। हमें सेनापति चाहिए, जो रणनीतियां बना सकें। उनके शब्द सीधे दिल पर चोट करते थे। गदर आंदोलन ने केवल सिखों या पंजाबियों को ही नहीं बल्कि हर उस भारतीय को एक सूत्र में पिरो दिया, जो विदेश में रहकर भी अपनी मिट्टी की खुशबू के लिए तरस रहा था। हरदयाल ने सिखाया कि संगठन की शक्ति क्या होती है। उनके प्रयासों से ही करतार सिंह सराभा और विष्णु गणेश पिंगले जैसे वीर योद्धा तैयार हुए, जिन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया। हरदयाल जी के विचार केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थे। वे एक महान समाज सुधारक और तर्कशास्त्री भी थे। उनकी पुस्तक 'हिंट्स फॉर सेल्फ कल्चर' आज भी उन युवाओं के लिए एक मार्गदर्शिका है, जो अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना चाहते हैं। वे मानते थे कि शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नति के बिना कोई भी राष्ट्र महान नहीं बन सकता। उनकी विद्वत्ता का लोहा दुनिया मानती थी, वे एक साथ कई भाषाओं के ज्ञाता थे और उनकी स्मरण शक्ति के किस्से आज भी किंवदंती की तरह सुने जाते हैं।

सेहत मंत्र

छोटा सा काजू वजन घटाने, आंखों और बालों की चमक बढ़ाने में है फायदेमंद

नट्स ने केवल आपके पाचन तंत्र के लिए अच्छे होते हैं बल्कि यह डाइटरी फाइबर के भी अच्छे स्त्रोत होते हैं। अगर आपको काजू खाना पसंद है तो यह जान लीजिए कि यह आपको वजन घटाने, त्वचा व बालों की देखभाल में मदद कर सकते हैं। डॉक्टर और पोषण विशेषज्ञ अक्सर लोगों को नट्स अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। और जब बात काजू की आती है तो यह न केवल मिनरल बल्कि भारत में बहुत सी करी में प्रयोग किया जाता है। यह पूरे साल देश में उपलब्ध रहते हैं और इन्हें आसानी से स्टोर भी किया जा सकता है। काजू, दिवाली के वक्त स्नैक या गिफ्ट के रूप में दिया जाने वाला सबसे अच्छे उपहार भी है। लोग मानते हैं कि काजू एक ऐसा नट है, जो वजन बढ़ाने में मदद करता है लेकिन अपनी डाइट में काजू की एक सही मात्रा को शामिल करने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है क्योंकि यह फाइबर का एक अच्छा स्त्रोत है और यह आपको बालों को मजबूती भी देता है। अगर आप सोच रहे हैं कि काजू के सेवन से आपके शरीर को और क्या-क्या फायदे मिलते हैं तो हम आपको काजू के सेवन के ऐसे 4 फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके पूरे शरीर के लिए फायदेमंद है। प्रतिदिन और सीमित मात्रा में काजू का सेवन करने से रक्त रोगों को रोकने में मदद मिल सकती है। काजू , कॉपर से समृद्ध होता हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को बाहर निकालने के लिए बहुत जरूरी है। कॉपर की कमी से एनीमिया जैसी आयरन की कमी की समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए काजू को अपनी डेली डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है। प्रदूषण के कारण हमारी आंखों में विभिन्न प्रकार का संक्रमण हो सकता है। काजू एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट जेक्सैन्थिन से समृद्ध होता है, जिसे हमारा रेटिना सीधा अवशोषित करता है। यह हमारे रेटिना पर एक सुरक्षात्मक परत बना देता है, जो हानिकारक यूवी किरणों को रोकने का काम करता है।

धर्म मंत्र

गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर है बेहद प्राचीन

कामाख्या मंदिर एक बेहद की पॉपुलर मंदिर है और गुवाहाटी के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है। इसकी गिनती भारत के प्रमुख मंदिरों में से एक है। देवी कामाख्या को समर्पित यह कामाख्या मंदिर 51 शक्ति पीठों में सबसे पुराने में से एक है। यह गुवाहाटी के पश्चिमी भाग में नीलाचल पहाड़ी पर स्थित है। यह मंदिर कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। यह मंदिर 8वीं शताब्दी का है और माना जाता है कि इसे 17वीं शताब्दी तक कई बार फिर से बनाया गया था। यह उन मंदिरों में से एक है जहां आज तक बलि के रूप का पालन किया जाता है। भक्त अक्सर देवी को चढ़ाने के लिए बकरे लेकर आते हैं। कालिका पुराण के अनुसार, कामाख्या मंदिर उस स्थान को दर्शाता है जहां शिव तांडव के बाद देवी सति की योनि (जननांग, गर्भ) गिर गई थी। यह चार प्राथमिक शक्ति पीठों में से एक है। इस मंदिर में देवी की योनि की मूर्ति का पूजन किया जाता है। इसे गुफा के एक कोने में रखा गया है। कामाख्या मंदिर में तंत्र पूजा का केंद्र माना जाता है। इस मंदिर में अंबुबाची मेले का वार्षिक उत्सव आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों तंत्र भक्त हिस्सा लेते हैं। इसके अलावा, एक और वार्षिक उत्सव मनाशा पूजा है। शरद ऋतु में नवरात्रि के दौरान कामाख्या में प्रतिवर्ष दुर्गा पूजा भी मनाई जाती है। यह पांच दिवसीय उत्सव कई हजार आगंतुकों को आकर्षित करता है।

पर्यटन



अक्टूबर के सुहावने मौसम में लें मज़ा, बेहद खूबसूरत नगरी महाबलीपुरम घूमने का

सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम का भ्रमण किया था। सैकड़ों साल बाद कल चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए पल्लवों की शिल्प-नगरी रहे और यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल मामल्लपुरम आ रहे हैं। महाबलीपुरम या मामल्लपुरम पल्लव शासन काल में प्रमुख समुद्री बंदरगाह था। वैसे तो पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम हुआ करती थी, लेकिन महाबलीपुरम को पल्लव अपनी दूसरी राजधानी की तरह महत्व देते थे। इस जगह पर पल्लवों ने पांचवीं सदी से आठवीं सदी के बीच शासन किया था। पल्लव राजवंश दक्षिण भारत का एक बड़ा साम्राज्य था। उत्तरी तमिलनाडु से लेकर दक्षिणी आंध्र प्रदेश तक इस साम्राज्य का विस्तार था। अत्यंत वैभवशाली होने के नाते पल्लव साम्राज्य के विदेश से भी व्यापारिक संबंध थे। यहां से प्राप्त चीन और यूरोपीय देशों के तीसरी और चौथी सदी के सिक्कों से प्रमाणित होता है कि महाबलीपुरम उस समय एक बड़ा व्यापारिक केंद्र था। प्राप्त शिलालेखों के अनुसार, महाबलीपुरम के स्मारकों को पल्लव राजा महेंद्र वर्मन ने बनवाया, जिसे बाद में उनके पुत्र नरसिंह वर्मन ने 630-668 ई. के अपने शासनकाल के बीच और परिष्कृत किया। आगे चलकर उनके वंशजों द्वारा भी कई निर्माण कार्य करवाए गए। पल्लव साम्राज्य में कई कलाप्रेमी शासक हुए, जो ललित कला के संरक्षक थे। इनके साम्राज्य में ये कलाएं न सिर्फ फली-फूलीं, बल्कि इनको खूब संरक्षण भी मिला। आज अगर चीन के राष्ट्रपति हमारे प्रधानमंत्री के साथ अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए इस शहर में आ रहे हैं, तो इसमें हैरत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इसका चुनाव संभवतः इसीलिए किया गया है, क्योंकि प्राचीन काल में भी इस शहर का चीन के साथ रिश्ता था। जी हां, यह रिश्ता रक्षा और व्यापार से जुड़ा था, जिसकी गवाही देते हैं यहां पर मिलने वाले चीनी सिक्के, शिलालेख और प्राचीन लिपियां। चीन ने पल्लव वंश के राजाओं के साथ कई संधियां की थीं।

नवरात्र में खाद्य सुरक्षा टीम का शिकंजा

छह प्रतिष्ठानों पर छापेमारी 70 किलो सड़े-गले फल नष्ट

- केमिकल से फल पकाने और अस्वच्छ परिस्थितियों में बिक्री पर खाद्य विभाग सख्त, ताज फ्रूट कम्पनी के खिलाफ वाद दायर करने की संस्तुति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। नवरात्र एवं दशहरा पर्व के दौरान फलाहार करने वाले लोगों की सेहत से खिलवाड़ रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने निगरानी तेज कर दी है। जिलाधिकारी के आदेश और सहायक आयुक्त खाद्य-द्वितीय के निर्देश पर विभागीय टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सघन छापेमारी एवं निरीक्षण अभियान चलाकर फल कारोबारियों की कार्यप्रणाली परखीं। अभियान के दौरान छह प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें हैदरगढ़ क्षेत्र के बछरावां स्थित प्रतिष्ठानों में 70 किलोग्राम सड़े-गले फल पाए गए। करीब 3,500 रुपये मूल्य के इन फलों को जनस्वास्थ्य के हित में मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। वहीं, ताज फ्रूट कम्पनी में अत्यधिक गंदगी मिलने पर अस्वच्छ परिस्थितियों में कारोबार करने के मामले में वाद दायर करने की संस्तुति की गई।

त्योहारों के दौरान फलों की बढ़ती मांग को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की यह कार्रवाई उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। टीम ने विशेष रूप से केले को कृत्रिम रूप से पकाने में प्रतिबंधित कैल्शियम कार्बाइड के संभावित इस्तेमाल की जांच के उद्देश्य से रिपेनिंग सेंटरों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही फल भंडारण, साफ-सफाई और बिक्री की परिस्थितियों का भी जायजा लिया गया।

अभियान के तहत नवाबगंज क्षेत्र में नवीन मंडी के निकट श्री कृष्णा ट्रेडर्स और रामनगर के नौछना स्थित बनाना रिपेनिंग चेम्बर की जांच की गई। रामसनेहीघाट तहसील के भिटरिया में जामिल फ्रूट एवं शमी फ्रूट का निरीक्षण हुआ। वहीं, हैदरगढ़ तहसील के बछरावां में ताज फ्रूट कम्पनी और आरएफ फ्रूट कम्पनी की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कमियां मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता से समझौता करने वाले कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



हैदरगढ़ में एक दुकान पर जांच करती खाद्य निरीक्षक पल्लवी तिवारी

कार्रवाई एक नजर में

❐ कुल छह फल प्रतिष्ठानों का निरीक्षण। ❐ 70 किलोग्राम सड़े-गले फल नष्ट कराए गए। ❐ नष्ट किए गए फलों का अनुमानित मूल्य 3,500 रुपये। ❐ ताज फ्रूट कम्पनी के विरुद्ध वाद दायर करने की संस्तुति। ❐ कमियां मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी।

चमकदार फलों की खरीद में भी बरतें सावधानी

खाद्य सुरक्षा टीम ने आमजन को जागरूक करते हुए फलों की खरीदारी में सावधानी बरतने की अपील की। विभाग ने बताया कि फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड जैसे प्रतिबंधित पदार्थों का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसी तरह फलों पर लगे स्टीकर के चिपकाने वाले पदार्थ तथा उन्हें अधिक चमकदार दिखाने के लिए की जाने वाली वैक्स या मोम की कोटिंग को लेकर भी उपभोक्ताओं को सतर्क रहना चाहिए। लोगों से अपील की गई कि वे साफ-सुथरे, सुरक्षित और विश्वसनीय स्रोतों से फल खरीदें तथा संदिग्ध गुणवत्ता वाले फलों के प्रति सावधानी बरतें।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने दोहराया कि नवरात्र और दशहरा पर्व के दौरान फल मंडियों एवं दुकानों में बिकने वाले फलों की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जाएगी। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों के तहत मानकों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस अभियान में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरद पाण्डेय के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार, भगौती प्रसाद, पल्लवी तिवारी, डॉ. अंकिता यादव और अर्शी फारूकी शामिल रहीं। त्योहारों के बीच खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, खराब फलों को बिक्री से हटाने और कारोबारियों को स्वच्छता के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए विभाग की सक्रियता जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अहम है।

रामनगर में खनन के नाम पर 'खेल'!

- तौकलपुर मजरे लोधपुरवा में पट्टे की आड़ में नियमों की अनदेखी का आरोप, हरे-भरे पेड़ों पर संकट; ओवरलोड डंपरों से सड़कें क्षतिग्रस्त, धूल से ग्रामीण परेशान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी। तहसील सिरौली गौसपुर के अंतर्गत थाना रामनगर क्षेत्र के ग्राम तौकलपुर मजरे लोधपुरवा में बालू खनन के पट्टे की आड़ में बड़े पैमाने पर नियमों की अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि बीते करीब दो सप्ताह से यहां निर्धारित मानकों को दरकिनार कर लगातार खनन किया जा रहा है। आरोप है कि जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में मामला होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिससे खननकर्ताओं के हौसले बुलंद हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, किसान के नाम पर तहसील सिरौली गौसपुर से बालू खनन का पट्टा लिया गया है, लेकिन खनन स्थल पर सीमांकन नहीं कराया गया। आरोप है कि निर्धारित एक मीटर की गहराई से कहीं अधिक खुदाई की जा चुकी है। इससे खनन क्षेत्र में खड़े हरे-भरे पेड़ों के धराशायी होने की बात भी सामने आई है। ग्रामीणों का दावा है कि पट्टे में निर्धारित मात्रा से कई गुना अधिक खनन हो चुका है, इसके बावजूद गतिविधियां लगातार जारी हैं।

आरोप है कि दिन-रात खनन कर निकाली जा रही मिट्टी को ओवरलोड डंपरों के माध्यम से क्षेत्र में बेचा जा रहा है। गोंडा-बहराइच राजमार्ग पर निर्माणाधीन पेट्रोल पंप तथा रामनगर-बदोसराय मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के निकट बड़े पैमाने पर मिट्टी की आपूर्ति किए जाने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी मिट्टी का कारोबार व्यापक स्तर पर चल रहा है। हालांकि, खनन की वास्तविक मात्रा, मिट्टी की आपूर्ति और पट्टे की शर्तों के अनुपालन की आधिकारिक जांच होना अभी बाकी है।

खनन में लगे तेज रफ्तार और कथित ओवरलोड डंपर क्षेत्रीय सड़कों पर लगातार दौड़ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। जिन गांवों से होकर ये वाहन गुजरते हैं, वहां उड़ती धूल से ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में खनन से जुड़े नियमों के साथ-साथ सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों की जांच की मांग भी उठ रही है।

मानकों को दरकिनार कर धड़ल्ले से हो रहा बालू-मिट्टी का खनन



- ओवरलोड डंपरों से मिट्टी की आपूर्ति, निर्माणाधीन पेट्रोल पंपों तक पहुंच रही सामग्री
- सड़कों की दुर्दशा, धूल से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की बढ़ी मुश्किलें
- शिकायत के बाद कुछ समय रुकता है खनन, फिर शुरू होने का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत किए जाने पर कुछ समय के लिए खनन बंद होता है, लेकिन कुछ समय बाद गतिविधियां फिर शुरू हो जाती हैं। उन्होंने संबंधित पुलिस, राजस्व, खनन और परिवहन विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर पट्टे की शर्तों, खनन की गहराई, निर्धारित मात्रा और ओवरलोड वाहनों के संचालन की जांच कराने की मांग की है।

मामले में विभागीय जवाबदेही को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि जब पत्रकार संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, तो कई बार उनके सरकारी सीयूजी नंबरों पर फोन रिसीव नहीं होते। खनन अधिकारी से संपर्क नहीं हो पाने की शिकायत भी सामने आई है। ऐसे में क्षेत्र में चल रहे खनन की वास्तविक स्थिति और जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

छोटे किसान पर सख्ती, बड़े डंपरों पर नरमी क्यों?

ग्रामीणों ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि निजी उपयोग के लिए एक ट्रॉली मिट्टी निकालने वाले किसान के विरुद्ध भी राजस्व और पुलिस विभाग तत्काल कार्रवाई कर देते हैं। रास्ते में मिट्टी लदी ट्रॉली पकड़े जाने पर परिवहन विभाग की कार्रवाई भी देखने को मिलती है। ऐसे में यदि बड़े पैमाने पर खनन और ओवरलोड डंपरों के संचालन के आरोप सही हैं, तो इनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? यह सवाल अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

तहसीलदार बोले, लेखपाल को मौके पर भेजा, रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

इस संबंध में तहसीलदार सिरौली गौसपुर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मौके पर लेखपाल को भेजा गया है। रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद यदि खनन निर्धारित मानकों के विपरीत पाया जाता है, तो संबंधित खननकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।अब निगाहें राजस्व, खनन, परिवहन और पुलिस विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जांच केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मौके पर खनन की गहराई, मात्रा, पट्टे की सीमाओं और डंपरों के संचालन की वास्तविक स्थिति की जांच कर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला व्यायाम शिक्षिका रितु पाठक बनीं अयोध्या मंडल की मंडलीय व्यायाम शिक्षिका

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। बेसिक शिक्षा विभाग की जिला व्यायाम शिक्षिका रितु पाठक को अयोध्या मंडल की मंडलीय व्यायाम शिक्षिका (बेसिक शिक्षा) का दायित्व सौंपा गया है। सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), अयोध्या मंडल की ओर से 12 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रितु पाठक के मंडलीय दायित्व संभालने से बेसिक शिक्षा विभाग में खेलकूद एवं शारीरिक शिक्षा की गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उनके अनुभव से बालिकाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें प्रतियोगिताओं में बेहतर अवसर दिलाने में भी मदद मिलेगी।



इस उपलब्धि पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक, जिला समन्वयक विनीता मिश्रा, डॉ. पीयूष श्रीवास्तव, पुनीत कुमार, अमित कुमार श्रीवास्तव, पुनीत मणि त्रिपाठी, जिला व्यायाम शिक्षक अनिल सिंह तथा ब्लॉक व्यायाम शिक्षक मनोज चौधरी, दिलीप तिवारी, विपिन कुमार, दिवाकर अवस्थी, शशि सिंह, मृगांक शेखर मिश्रा, आशुतोष, सुभाष तिवारी और ऋषि टंडन सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विभागीय कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। शिक्षकों ने विश्वास जताया कि रितु पाठक अपने अनुभव और कार्यकुशलता से मंडल में खेल गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

सुरक्षा में हो नवाचार, सड़क पर नहीं लगेगी एक भी दुकान

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बाराबंकी। 27 अक्टूबर से शुरू हो रहे ऐतिहासिक देवा मेला-2026 को भव्य और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने अभी से कमर कस ली है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट के लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मेले की तैयारियों को लेकर बड़ी बैठक हुई।

बैठक में जिलाधिकारी का फोकस सिर्फ दो बिंदुओं पर रहा - मेलार्थियों की सुरक्षा और मेले की भव्यता।

बैठक के मुख्य फैसले -1. सुरक्षा में नवाचारः जिलाधिकारी ने साफ कहा कि भीड़ प्रबंधन और मेलार्थियों की सुरक्षा के लिए पुराने तौर-तरीकों से काम नहीं चलेगा। इस बार प्रभावी और नए नवाचार अपनाए जाएं, ताकि हर श्रद्धालु सुरक्षित महसूस करे। 2. दुकानों पर सख्तीः मेले में सबसे बड़ी अव्यवस्था सड़क पर लगने वाली दुकानों से होती है। इस पर सख्त रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी ने मेला समिति को निर्देश दिया कि दुकानों का आवंटन समय से कर दिया जाए और एक भी दुकान सड़क पर न लगने पाए। यातायात बाधित हुआ तो जिम्मेदारी तय होगी। 3. पशु बाजार को लेकर तैयारीः* देवा मेले के पशु बाजार की प्रसिद्धि देश भर में है। इसे देखते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए गए कि पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सा की पूरी तैयारी पहले से रहे। 4. बिजली और खेलः मेले के दौरान बिजली की आंख-मिचौली न हो, इसके लिए विद्युत विभाग को निर्बाध आपूर्ति के निर्देश। साथ ही मेले में होने वाले खेल आयोजनों को भी समय से तैयार करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को चेताया कि यह मेला बाराबंकी की पहचान है। इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें और तैयारियां तय समय में पूरी करें। लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

महत्वाकांक्षी योजना में हाजिरी से तिजोरी भरने का खेल, सूरतगंज की बसौली में फूटा भंडा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वीबी-जी राम जी में बाराबंकी जिले में ऑनलाइन हाजिरी का खेल चल रहा है। आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि कागज पर मजदूरों की संख्या कैसे रातों-रात बढ़ाई-घटाई जा रही है।

पोर्टल के आंकड़ों पर गौर कीजिए - 10 अक्टूबर को जिले में 18,206 श्रमिक, 11 अक्टूबर को 17,423 श्रमिक और सोमवार 12 अक्टूबर को अचानक आंकड़ा 26,882 श्रमिक दिवस पहुंच गया। एक दिन में करीब नौ हजार श्रमिक दिवस का उछाल। यह उछाल काम बढ़ने से आया या हाजिरी चढ़ाने से, यह जांच का विषय है। सोमवार को जिले के 15 ब्लॉकों में 1,431 कार्यों के सापेक्ष 4,765 मस्टर रोल जारी किए गए।

सूरतगंज फिर टॉप पर -पोर्टल के मुताबिक सूरतगंज ब्लॉक 238 कार्यों, 640 मस्टर रोल और 4,654 श्रमिक दिवस* के साथ सबसे आगे रहा। दरियाबाद में 108 कार्यों पर 358 मस्टर रोल और 2,633 श्रमिक दिवस, सिद्धौर में 104 कार्यों पर 453 मस्टर रोल और 2,494 श्रमिक दिवस, त्रिवेदीगंज में 85 कार्यों पर 401 मस्टर रोल और 2,349 श्रमिक दिवस दर्ज हैं। रामनगर में 107 कार्यों पर 314 मस्टर रोल और 1,929 श्रमिक दिवस, फतेहपुर में 95 कार्यों पर 332 मस्टर रोल और 1,364 श्रमिक दिवस, हरख में 88 कार्यों पर 245 मस्टर रोल और 1,166 श्रमिक दिवस दर्ज किए गए।



पोर्टल पर 57, मौके पर जीरो - बसौली में खुली पोल

ऑनलाइन और जमीनी हकीकत का अंतर सूरतगंज की बसौली ग्राम पंचायत के गडरिया तालाब पर उजागर हुआ। सोमवार को इस तालाब पर 57 श्रमिकों की ऑनलाइन हाजिरी चढ़ी थी, लेकिन मौके पर एक भी मजदूर नहीं मिला। मामला यहीं नहीं रुका। मंगलवार को फिर 46 श्रमिकों की हाजिरी पोर्टल पर दर्ज कर दी गई, जबकि हकीकत यह है कि तालाब के चारों तरफ फसल लगी है और तालाब में पानी भरा है। ऐसे में खुदाई हो ही नहीं सकती। फिर ये 46 मजदूर काम कहां कर रहे थे? लगातार दो दिन फर्जी हाजिरी का दर्ज होना सीधे-सीधे निगरानी तंत्र पर सवाल खड़ा करता है।

सितंबर में भी पकड़ा गया था कागजी तालाब का खेल

गौरतलब है कि सितंबर माह में हुए रिस्क बेस्ड इंटरनल ऑडिट में भी जिले में कागजों पर तालाब खोदने का मामला पकड़ा गया था, जिसमें करीब एक करोड़ की वसूली की कार्रवाई हुई थी। अब वीबी-जी राम जी में भी वही पैटर्न दोहराया जा रहा है - तालाब में पानी, खेत में फसल और पोर्टल पर मजदूर। जरूरत है कि जिले के सभी 15 ब्लॉकों में चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण कर पोर्टल की हाजिरी और मौके पर मौजूद मजदूरों का मिलान कराया जाए, तभी दूध का दूध और पानी का पानी हो पाएगा। संबंध में जिला विकास अधिकारी/प्रभारी डपीआरओ से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश, 5029 अफीम खेती लाइसेंस होंगे जारी

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम को लेकर मंगलवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में नार्को को-ऑर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की समीक्षा बैठक हुई। इसमें स्कूल-कॉलेजों में नशा विरोधी अभियान चलाने और युवाओं सहित आम लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला अफीम अधिकारी ने बताया कि फसल वर्ष 2026-27 के लिए 289.45 हेक्टेयर भूमि पर अफीम की खेती के वास्ते अक्टूबर-नवंबर में 5029 लाइसेंस जारी किए जाएंगे। वहीं, समाज कल्याण विभाग को पुलिस और अन्य विभागों के साथ समन्वय बनाकर शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता पखवाड़ा एवं नशा विरोधी कार्यक्रम आयोजित कराने को कहा गया। प्रत्येक कार्यक्रम में नशे के खिलाफ शपथ दिलाने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में औषधि, आबकारी, स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ एएनटीएफ तथा एनसीबी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अपर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कार्रवाई करने और अगली समीक्षा बैठक से पहले अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

शुक्र अस्त होने के बावजूद नवरात्र में जारी हैं मुंडन और विवाह संबंध तय करने के कार्यक्रम

रामनगर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शारदीय नवरात्र शुरू होते ही क्षेत्र के मठ-मंदिरों में मुंडन संस्कार और वर-वधू देखने जैसे मांगलिक कार्यक्रमों की धूम है। श्री लोधेश्वर महादेवा मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है और आस्था के साथ विभिन्न संस्कार संपन्न कराए जा रहे हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार 13 अक्टूबर से शुक्र अस्त होने के कारण इस अवधि में विवाह सहित कई मांगलिक कार्यों को लेकर परंपरागत मान्यताएं लागू होती हैं। इसके बावजूद नवरात्र के दौरान लोग मुंडन संस्कार और विवाह के लिए वर-वधू देखने जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि नवरात्र के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित होने के कारण विशेष शुभ माने जाते हैं। इसी आस्था के चलते लोग इन दिनों को मांगलिक कार्यों के लिए अनुकूल मानते हैं। क्षेत्र में नवरात्र के दौरान मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों और संस्कारों का सिलसिला जारी है। श्रद्धालुओं के लिए मां दुर्गा के प्रति आस्था और परंपरा इन दिनों विशेष महत्व रखती है।

सिद्धौर में 16 से 19 अक्टूबर तक होगा दुर्गा जागरण व भागवत कथा का आयोजन

सिद्धौर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शारदीय नवरात्र के अवसर पर श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्री युवा दुर्गा जागरण समिति सिद्धौर की ओर से 16 से 19 अक्टूबर तक 32वें विशाल दुर्गा जागरण एवं भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। आयोजक अनुज नाग ने बताया कि सीतापुर के कथाव्यास परम पूज्य श्री श्री 108 हेमराज सिंह यादव मां भगवती की महिमा का बखान करेंगे। समिति ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में पहुंचकर कथा श्रवण और मां भगवती के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

पेड़ के नीचे दबकर युवक की मौत

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। दरियाबाद थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव में मंगलवार सुबह यूकेलिप्टस का पेड़ काटते समय उसके नीचे दबकर ननकू यादव (38) पुत्र रामखेलावन यादव की मौत हो गई। परिजन उन्हें संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बदोसराय पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पिकअप की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग घायल

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नूरगंज-ईशाद नगर मार्ग पर अज्ञात पिकअप की टक्कर से साइकिल सवार मुशीर (60) पुत्र वशीर अहमद, निवासी मुश्काबाद, गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक मौके से फरार हो गया। संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर में प्राथमिक उपचार के बाद बुजुर्ग को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस फरार पिकअप चालक की तलाश कर रही है।

लखनऊ-महमूदाबाद राजमार्ग पर मौत बनकर घूम रहे आवारा मवेशी, बीडीओ दफ्तर से 500 मीटर दूर रोज लगता है जमावड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा-बाराबंकी। मुख्यमंत्री के सख्त आदेश के बाद भी बाराबंकी के निंदूरा में आवारा मवेशियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आलम यह है कि लखनऊ-महमूदाबाद राजमार्ग पर टिकैतगंज कस्बे में बैंक ऑफ इंडिया के सामने करीब एक दर्जन मवेशी दिन भर सड़क पर डेरा डाले रहते हैं। तेज रफ्तार वाहनों के बीच बेखौफ घूमते ये मवेशी कभी भी बड़े हादसे की वजह बन सकते हैं।

मंगलवार को तो हद ही हो गई। मवेशियों के झुंड के बीच से गुजर रही एक कार अनियंत्रित होते-होते बची। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि रोजाना दोपहिया वाहन चालक गिरते-पड़ते बचते हैं। तस्वीरें खुद गवाही दे रही हैं कि राजमार्ग, राजमार्ग नहीं बल्कि पशु बाड़ा बन गया है।

सबसे बड़ा सवाल यहीं खड़ा होता है। जिस जगह मवेशियों का जमावड़ा लगा है, वहां से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर निंदूरा का खंड विकास कार्यालय है। खंड विकास अधिकारी अमन कुमार वर्मा रोज इसी मार्ग से लखनऊ से कार्यालय आते-जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नजारा नया नहीं, रोज का है। फिर भी आंखों के सामने की समस्या पर पर्दा क्यों? क्या अधिकारी धृतराष्ट्र की तरह सब देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं?



पांच दिन का अभियान, दो दिन में सिमटा

सूत्रों के अनुसार आवारा मवेशियों को पकड़कर आश्रय स्थल में भेजने के लिए पांच दिवसीय विशेष अभियान का आदेश जारी हुआ था। लेकिन टिकैतगंज में यह अभियान महज दो दिन की खानापूर्ति बनकर रह गया। कागजों पर अभियान पूरा दिखा दिया गया, जमीन पर मवेशी आज भी सड़क पर ही हैं। सवाल यह भी है कि पांच दिन का अभियान बीच में ही क्यों बंद हो गया? क्या किसी अधिकारी ने इसकी समीक्षा तक करना जरूरी नहीं समझा?

बीडीओ साहब रोज गुजरते हैं, फिर भी नहीं दिखता खतरा

हादसे का इंतजार कर रहा है प्रशासन?

राजमार्ग पर अचानक मवेशी के सामने आ जाने से बाइक सवार की जान तक जा सकती है। यदि कल को कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? हादसे के बाद मुआवजे और जांच से बेहतर है कि पहले ही खतरा टाला जाए। मुख्यमंत्री का स्पष्ट आदेश है कि आवारा पशुओं को पकड़कर गौ आश्रय स्थलों में निरुद्ध किया जाए। लेकिन निंदूरा में उस आदेश की धज्जियां उड़ रही हैं। वह भी उस मार्ग पर, जहां से रोज विकासखंड अधिकारी का काफिला गुजरता है।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि टिकैतगंज सहित पूरे राजमार्ग पर नियमित अभियान चलाकर मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए, ताकि राहगीरों की जान बच सके। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी अमन कुमार वर्मा से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।विडंबना की करोड़ों करोड़ों राज्य की योगी सरकार अफसर के सीयूजी फोन पर व्यय कर रही है नौकरशाह है कि उस फोन को रिसीव करने में अपनी तौहीन समझते हैं।



भारत की नजरें चौथा टी20 और श्रृंखला जीतने पर

एजेंसी

हैदराबाद। शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को यहां चौथे टी20 मैच में इसी लय को बरकरार रखते हुए शानदार जीत के साथ श्रृंखला अपने नाम करना चाहेंगे। भारत इस समय 2-1 से आगे है और उसे श्रृंखला अपने नाम करने के लिये बस एक जीत की जरूरत है। वहीं पिछले मैच में करारी हार के बाद वेस्टइंडीज वापसी करके श्रृंखला में बने रहने की कोशिश में होगा। एक बार फिर मैच का रूख दोनों टीमों के 'पावर हिटर्स' पर निर्भर करेगा। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है जिससे श्रृंखला में अभी तक भारतीय मध्यक्रम पर अधिक दबाव नहीं बना है। अभिषेक ने इंदौर में तीसरे टी20 में 30 गेंद में 69 रन बनाये जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। भारत ने 223 रन का स्कोर



बनाकर मैच जीता था। भारत के लिये चिंता का एकमात्र कारण शीर्षक्रम के शानदार फॉर्म के कारण मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास नहीं मिल पाना है। शीर्ष तीन के नाकाम रहने पर तिलक वर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी और नमन धीर को जिम्मेदारी संभालनी होगी खासकर जब लक्ष्य बड़ा हो। दूसरी ओर वेस्टइंडीज के लिये चुनौती भारतीय रनगति पर अंकुश लगाने की होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले टी20 में शतक लगाया था जबकि दूसरे मैच में सैमसन और ईशान ने बड़ी पारियां खेली हालांकि यह मैच वेस्टइंडीज ने जीता। तीसरे मैच में अभिषेक का दबदबा रहा। वेस्टइंडीज के हरफनमौला शामार स्प्रिंगर ने स्वीकार किया था कि अभिषेक के फॉर्म में होने पर उनकी टीम के पास रक्षात्मक खेलने क अलावा कोई चारा नहीं रह जाता। उन्होंने कहा था ,'' प्लान बी यही है कि हम रक्षात्मक खेलने की कोशिश करेंगे और यही प्रयास रहेगा कि वह एक या दो रन ही ले सके। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड ने अभी तक 189 के स्ट्राइक रेट से 172 रन बनाये हैं। उन्होंने तीन मैचों में 12 छक्के जड़े हैं। कप्तान शाइ होप ने 182 की स्ट्राइक रेट से 159 रन बनाये हैं। विश्व चैम्पियन भारत को उसकी धरती पर हराने के लिये हालांकि वेस्टइंडीज को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत के गेंदबाजों को अनुशासित प्रदर्शन करना होगा क्योंकि रांची में दूसरे टी20 में जीत के लिये 250 रन का लक्ष्य वेस्टइंडीज ने नौ गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया था।

स्वियातेक पर 2020 के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स से बाहर होने का खतरा

एजेंसी

वुहान। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक के ऊपर इस साल डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाने से चूकने का खतरा मंडरा रहा है। वह 2020 के बाद पहली बार सत्र के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से बाहर रह सकती हैं। हालांकि, पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने साल का अंत शानदार प्रदर्शन के साथ करने और टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने का संकल्प जताया है। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक ने इस साल अगस्त में कनाडियन ओपन के रूप में केवल एक खिताब जीता है। वह इस वर्ष चारों ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सकीं। 25 वर्षीय स्वियातेक ने 2023 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीता था और 2021 से इसके हर संस्करण में हिस्सा लिया है। आठ से 15 नवंबर तक होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स की क्वालीफाइंग तालिका में स्वियातेक फिलहाल 10वें स्थान पर हैं। आठ खिलाड़ियों के लिए होने वाले इस टूर्नामेंट में चार स्थान अभी खाली हैं। स्वियातेक के 3,799 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर मौजूद यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक से 111 अंक पीछे हैं। वहीं, 4,615 अंकों के साथ कैरोलिना मुचोवा उन खिलाड़ियों में सबसे निचले स्थान पर हैं, जिन्होंने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है। वुहान ओपन से पहले सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में स्वियातेक ने स्वीकार किया कि वह क्वालीफिकेशन की स्थिति से परिचित हैं और डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाना उनकी प्राथमिकता है।

पाकिस्तान दौरे के लिए श्रीलंका की टेस्ट टीम घोषित ईशान मलिंगा को पहली बार मौका, डिकवेला बाहर

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने नवंबर में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा और विकेटकीपर अंजला बंदारा को टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है। विकेटकीपर निरोशन डिकवेला को टीम से बाहर कर दिया गया है। कुसल मेंडिस पहली बार टेस्ट कप्तान के रूप में टीम की अगुआई करेंगे। उन्होंने धनंजय डी सिल्वा के कप्तानी छोड़ने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। सीमित ओवरों के प्रारूप में नियमित रूप से खेलने वाले ईशान मलिंगा को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। 22 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अब तक 19 प्रथम श्रेणी मैचों में 31.15 की



औसत से 44 विकेट लिए हैं। वहीं, अंजला बंदारा को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्होंने 31 मैचों में 65.85 की औसत से रन बनाए हैं। उनके नाम सात अर्धशतक और सात शतक हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 200 रन है। अंजला बंदारा को निरोशन डिकवेला की जगह टीम में शामिल किया गया है। डिकवेला को अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के लिए वापस बुलाया गया था, लेकिन पाकिस्तान दौरे की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली। भारत के खिलाफ कोलंबो में दूसरा टेस्ट खेलने वाले सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा को भी बाहर कर दिया गया है। उस मुकाबले के लिए टीम में शामिल किए गए ऑलराउंडर सहान अराच्चिगे को भी इस बार मौका नहीं मिला। दिनेश चांदीमल की टीम में वापसी हुई है। उन्हें गॉल में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा था। वहीं, पथुम निसांका का चयन फिटनेस की मंजूरी पर निर्भर करेगा। मेडिकल रूप से फिट घोषित किए जाने पर ही वह पाकिस्तान दौरे पर जाएंगे। श्रीलंका के स्पिन गेंदबाजी विभाग में प्रभात जयसूर्या और केशारा नुवान्था प्रमुख विकल्प होंगे। ऑलराउंडर सोनल दिनुषा भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने भारत के खिलाफ श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मिलान रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, ईशान मलिंगा और दिलशान मदुशंका संभालेंगे। वहीं, विश्वा फर्नांडो को टीम से बाहर कर दिया गया है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट नौ से 13 नवंबर तक रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 17 से 21 नवंबर तक लाहौर में होगा। दोनों मुकाबले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में श्रीलंका 33.33 प्रतिशत अंकों के साथ सातवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान 4.63 प्रतिशत अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर है।

आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत को एक बार फिर दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया है। आईएमएफ ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष की 7.7 फीसदी की तेज वृद्धि दर से कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को जारी अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 फीसदी से बढ़ाकर अब सात फीसदी कर दिया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर 2026 में 3.1 फीसदी और 2027 में 3.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।



हालांकि, ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के चलते वैश्विक महंगाई दर 4.7 फीसदी तक पहुंचने की आशंका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट विकसित अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर इस साल मामूली बढ़कर 2.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2025 में दो फीसदी थी। इसके बाद 2027 में इसके धीमी होकर 1.9 फीसदी रहने की आशंका है। आईएमएफ ने अपने अनुमानों में ये माना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल एवं गैस की आपूर्ति मार्च तक फिर शुरू हो जाएगी और एआई से जुड़ी मांग में तेजी कुछ कम हो जाएगी। आईएमएफ ने भारत के लिए वित्त वर्ष 2027-28 के ग्रोथ अनुमान को भी 0.3 फीसदी बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है, जो देश के विस्तार की मजबूती को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की आर्थिक वृद्धि 2.3 फीसदी पर स्थिर रहने का अनुमान है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन के इस साल 4.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2025 की पांच फीसदी वृद्धि दर से कम है। ये चीन सरकार के आधिकारिक लक्ष्य के अनुरूप है। इसके अलावा यूरो मुद्रा साझा करने वाले 21 यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्थाओं में इस वर्ष वृद्धि दर 1.1 फीसदी और 2027 में 1.2 फीसदी रहने का अनुमान है।

सेमीकंडक्टर विनिर्माण में वैश्विक भूमिका निभाने की स्थिति में भारत : एन. चंद्रशेखरन

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि सेमीकंडक्टर भारत के भविष्य के लिए बहुत जरूरी होंगे। देश में कुशल प्रतिभाओं, बड़े घरेलू बाजार और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की संभावनाओं को देखते हुए भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है। एन. चंद्रशेखरन ने 'ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम-2026' में अपने संबोधन के दौरान कहा कि 160 साल पुराने टाटा समूह की प्राथमिकता ऐसे उद्योग में अपनी जगह बनाना है, जिसकी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बुनियादी रूप से आवश्यकता है।



उन्होंने आगे कहा कि भारत में हमारे पास बहुत अच्छी स्थिति है, क्योंकि हमारे पास प्रतिभाएं हैं, घरेलू बाजार है और हम हर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस क्षेत्र का पूरा परिवेश विकसित करने में साझेदारी के महत्व पर जोर देते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि जरूरी प्रौद्योगिकियां हासिल करने के लिए भारत को वैश्विक कंपनियों के साथ मिलकर काम करना होगा। साथ ही ऊर्जा की जरूरतों पर भी करीबी नजर रखनी होगी। टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि हमें साझेदारी की जरूरत है, क्योंकि हमारे पास सभी प्रौद्योगिकियां हैं। अगर आप इसे डिजाइन करते हैं, तो निश्चित रूप से हम वहां तक पहुंच जाएंगे। हालांकि आपको सावधान भी रहना होगा क्योंकि ऊर्जा पर नजर रखना जरूरी है। टाटा समूह की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (पीएसएमसी) के साथ साझेदारी में गुजरात के धोलेरा में करीब 91 हजार करोड़ रुपये के निवेश से सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण संयंत्र (फैब) स्थापित कर रही है। प्रस्तावित संयंत्र में मोटर वाहन, मोबाइल उपकरणों, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले चिप बनाए जाएंगे। इसके अलावा समूह असम में भी करीब 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश से सेमीकंडक्टर चिप की असेंबली और जांच की सुविधा विकसित कर रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य बढ़ती घरेलू मांग पूरा करना, भारत की सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और देश को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तंत्र से अधिक मजबूती से जोड़ना है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विस्तार उन्नत विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स और बैटरी प्रौद्योगिकियों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की टाटा समूह की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2026 में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ–साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगीः–

02252/02251 नई दिल्ली–पटना जं.–नई दिल्ली आरक्षित वंदे भारत त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 36 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02252		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02251	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	08:35	नई दिल्ली	23:30	----
21:30	---	पटना जं.	----	10:00

चलने के दिन : **02252 नई दिल्ली** से दिनांक 16.10.26, 18.10.26 को एवं 21.10.26 से 25.11.26 तक (सोम, बुध, शनि) **एवं 02251 पटना जं.** से दिनांक 17.10.26, 19.10.26 को एवं 22.10.26 से 26.11.26 तक (मंगल, गुरु, रवि) को।

ठहराव : अलीगढ़ जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं० दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशन।

स्थान : एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान एवं वाता. कुर्सीयान।

04652/04651 अमृतसर–जयनगर–अमृतसर आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 40 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04652		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04651	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	10:55	अमृतसर	15:00	----
02:30	02:40	लखनऊ जं.	22:30	22:40
20:00	---	जयनगर	----	04:15

चलने के दिन : **04652 अमृतसर** से दिनांक 16.10.26 से 29.11.26 तक (प्रत्येक बुध, शुक्र, रवि) **एवं 04651 जयनगर** से दिनांक 18.10.26 से 01.12.26 तक (प्रत्येक शुक्र, रवि, मंगल) को।

ठहराव : जलंधर कैंट, लुधियाना जंक्शन, अंबाला कैंट, पानीपत जंक्शन, दिल्ली जंक्शन, मुरादाबाद, लखनऊ जंक्शन, शाहगंज जंक्शन, फेफना जंक्शन, बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा, मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, दरभंगा जंक्शन एवं मधुबनी स्टेशन

स्थान : शयनयान एवं सामान्य।

04094/04093 दिल्ली जं.–संतरागाछी जं.–दिल्ली जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04094		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04093	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	00:30	दिल्ली जं.	00:25	----
07:40	---	संतरागाछी जं.	----	18:10

चलने के दिन : **04094 दिल्ली जं.** से दिनांक 14.10.26 (बुधवार) **एवं 04093 संतरागाछी जं.** से दिनांक 15.10.26 (गुरुवार) को।

ठहराव : टूंडला जंक्शन, गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं० दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भमुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गुरारू, गया जंक्शन, कोडरमा, हज़ारीबाग रोड, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जंक्शन गोमाह, भोजूडीह जंक्शन, आद्रा, बांकुरा, बिष्णुपुर, मिदनापुर एवं खड़गपुर स्टेशन

स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04406/04405 शकूर बस्ती–मानसी जं.–शकूर बस्ती अनारक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 16 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04406		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04405	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:10	शकूर बस्ती	11:30	----
02:30	---	मानसी जं.	----	04:30

चलने के दिन : **04406 शकूर बस्ती** से दिनांक 05.11.26, 06.11.26, 07.11.26, 10.11.26, 11.11.26, 12.11.26, 13.11.26 एवं 14.11.26 को **एवं 04405 मानसी जं.** से दिनांक 07.11.26, 08.11.26, 09.11.26, 12.11.26, 13.11.26, 14.11.26, 15.11.26 एवं 16.11.26 को।

ठहराव : नई दिल्ली, गाज़ियाबाद, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला जंक्शन, इटावा जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जंक्शन, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जंक्शन, देवरिया सदर, सीवान जंक्शन, छपरा, सोनपुर, हाज़ीपुर जंक्शन, शाहपुर पटोरी, बरौनी जंक्शन, बेगूसराय एवं खगड़िया जंक्शन स्टेशन।

स्थान : शयनयान एवं सामान्य।

04129/04130 मिर्ज़ापुर–उत्तरेटिया–मिर्ज़ापुर अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी — 27 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04129		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04130	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	16:05	मिर्ज़ापुर	08:30	----
21:03	21:05	रायबरेली जं.	02:03	02:05
23:10	---	उत्तरेटिया	----	01:00

चलने के दिन : **04129 मिर्ज़ापुर** से दिनांक 26.10.26 तक **एवं 04130 उत्तरेटिया** से दिनांक 27.10.26 तक

ठहराव : विंध्याचल, मेजा रोड, नैनी जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, कुंडा हरनामगंज, ऊंचाहार जंक्शन, रायबरेली जंक्शन एवं बछरावां स्टेशन।

स्थान : सामान्य।

04485/04486 नई दिल्ली –श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04485		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04486	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	14:00	नई दिल्ली	23:30	----
20:30	20:35	जलंधर कैंट	16:15	16:17
03:00	---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	10:00

चलने के दिन : **04485 नई दिल्ली** से दिनांक 14.10.26, 18.10.26 एवं 20.10.26 को **एवं 04486 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 15.10.26, 19.10.26 एवं 21.10.26 को।

ठहराव : सोनीपत, पानीपत जंक्शन, कुरुक्षेत्र जंक्शन, अंबाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ, जम्मू तवी एवं शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन

स्थान : प्रथम वाता., प्रथम वाता सह 2 टियर वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।

उपरोक्त रेलगाड़ी के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

04638/04637 अमृतसर जं.–छपरा–अमृतसर जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04638		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04637	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:40	अमृतसर जं.	00:20	----
20:45	---	छपरा	----	22:15

चलने के दिन : **04638 अमृतसर जं.** से दिनांक 19.10.26 से 30.11.26 (प्रत्येक सोमवार) **एवं 04637 छपरा** से दिनांक 20.10.26 से 01.12.26 (प्रत्येक मंगलवार) को।

ठहराव : ब्यास जंक्शन, जलंधर सिटी जंक्शन, फगवाड़ा जंक्शन, ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, पडरौना, तमकुही रोड, थावे जंक्शन, सीवान जंक्शन एवं एकमा स्टेशन।

स्थान : शयनयान।

04640/04639 छेहरटा–मुज़फ़्फ़रपुर जं.–छेहरटा आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04640		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04639	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	08:35	छेहरटा	21:30	----
18:05	18:13	मुरादाबाद	11:00	11:10
13:10	---	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	----	16:00

चलने के दिन : **04640 छेहरटा** से दिनांक 19.10.26 से 30.11.26 तक (प्रत्येक सोमवार) **एवं 04639 मुज़फ़्फ़रपुर जं.** से दिनांक 20.10.26 से 01.12.26 तक (प्रत्येक मंगलवार) को।

ठहराव : अमृतसर जंक्शन, ब्यास जंक्शन, जलंधर सिटी जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर जंक्शन, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया एवं सगौली जंक्शन स्टेशन।

स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।

09083/09084 बान्द्रा टर्मिनस–गोरखपुर जं.–बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (विशेष किराये पर) — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09083		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09084	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	04:30	बान्द्रा टर्मिनस	11:15	----
14:50	14:52	बाराबंकी जं.	03:00	03:02
19:30	----	गोरखपुर जं.	----	22:45

चलने के दिन : **09083 बान्द्रा टर्मिनस** से दिनांक 18.10.26 एवं 25.10.26 को एवं **09084 गोरखपुर जं.** से दिनांक 20.10.26 एवं 27.10.26 को।

ठहराव : बोरीवली, पालघर, वापी, सूरत, वडोदरा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर जंक्शन, ईदगाह आगरा जंक्शन, टूंडला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन एवं बस्ती स्टेशन

स्थान : सामान्य।

04085/04086 नई दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04085		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04086	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	14:00	नई दिल्ली	23:30	----
20:30	20:35	जलंधर कैंट	16:15	16:17
03:00	---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	10:00

चलने के दिन : **04085 नई दिल्ली** से दिनांक 15.10.26 एवं 17.10.26 को **एवं 04086 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 16.10.26, एवं 18.10.26 को।

ठहराव : सोनीपत, पानीपत जंक्शन, कुरुक्षेत्र जंक्शन, अंबाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ, जम्मू तवी एवं शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन

स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।

03437/03438 मालदा टाउन–हरिद्वार–मालदा टाउन विशेष रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03437		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03438	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	10:00	मालदा टाउन	23:55	----
01:00	01:10	वाराणसी	09:05	09:10
17:00	---	हरिद्वार	----	18:35

चलने के दिन : **03437 मालदा टाउन** से दिनांक 17.10.26 से 28.11.26 तक (प्रत्येक शनिवार) **एवं 03438 हरिद्वार** से दिनांक 18.10.26 से 29.11.26 तक (प्रत्येक रविवार) को।

ठहराव : न्यू फरक्का, बरहरवा जंक्शन, साहिबगंज जंक्शन, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जंक्शन, अभयपुर, किउल जंक्शन, मोकामा, बख्तियारपुर जंक्शन, राजेंद्र नगर टर्मिनल, पटना जंक्शन, दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी, सुलतानपुर, उत्तरेटिया, आलम नगर, बरेली, मुरादाबाद और लक्सर स्टेशन

स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

01207/01208 नागपुर जं.–समस्तीपुर जं.–नागपुर जं. साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01207		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01208	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	10:40	नागपुर जं.	11:30	----
08:13	08:15	बाराबंकी जं.	15:08	15:10
23:45	----	समस्तीपुर जं.	----	03:00

चलने के दिन : **01207 नागपुर जं.** से दिनांक 21.10.26 से 11.11.26 तक (प्रत्येक बुधवार) **एवं 01208 समस्तीपुर जं.** से दिनांक 23.10.26 से 13.11.26 तक (प्रत्येक शुक्रवार) को।

ठहराव : बैतूल, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग जंक्शन, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर जंक्शन, छपरा जंक्शन, सोनपुर जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन और मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन स्टेशन।

स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139**

रेलमदद वेबसाइट देखें :– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

YouTube Facebook X पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

सदैव आपकी सेवा में

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राजग का विपक्ष पर पलटवार, कांग्रेस ने चुनाव आयुक्तों का किया राजनीतिक उपयोग

एजेंसी

नईदिल्ली। एसआईआर के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोले कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर भाजपा के साथ राजग ने पलटवार करते हुए उसे पूर्व में चुनाव आयुक्तों के राजनीतिक दुरुपयोग का आरोप लगाया है। भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल व जद यू नेता केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। दोनों नेताओं ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास चुनाव आयुक्तों को पद से हटने के बाद सांसद, मंत्री, राज्यपाल जैसे पदों से नवाजने का रहा है, इससे कोई भी समझ सकता है कि उसने क्या लाभ लिया होगा। दोनों नेताओं ने राहुल गांधी पर राजनीतिक नौटंकी करने व देश में अराजकता फैलाने



का भी आरोप लगाया है। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए पीयूष गोयल ने कांग्रेस पार्टी को उसका इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है, लेकिन अपने काम को, अपने ट्रैक रिकॉर्ड को पूरी तरह नजरअंदाज करती है। राहुल गांधी अपनी पार्टी के इतिहास पर नजर डालें तो देखेंगे कि मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टी एन शेषन को टिकट देकर लालकृष्ण आडवाणी के खिलाफ चुनाव उम्मीदवार बनाया था। एक और मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल को पद पर रहते पद्म विभूषण दिया और बाद में सांसद व केंद्रीय मंत्री बनाया। दो मुख्य चुनाव आयुक्तों को गवर्नर भी बनाया था। गोयल ने कहा कि टीकाराम मीणा केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी थे। एक साल बाद उन्हें कांग्रेस के राजस्थान मेनिफ़ेस्टो की टीम शामिल किया गया। मई 2026 के दौरान रतन यू केलकर केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी थे। केरल में चुनाव होने के बाद तुरंत ही मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने रतन यू केलकर को अपना चीफ सेक्रेटरी बना दिया। क्या यह राजनीतिक रोटियां सेंकना नहीं है कि आप चुनाव में मदद कीजिए और हम आपको पद पर नियुक्त कर देंगे? जदयू नेता व केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने भी कांग्रेस

केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल व राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कांग्रेस को याद दिलाया इतिहास

कांग्रेस ने चुनाव आयुक्तों को बाद में सांसद, मंत्री और राज्यपाल तक बनाया

और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से इस देश में जिस तरह से नौटंकी और ड्रामा कर देश में अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है, जनता उसे कभी माफ नहीं करेगी। देश में संविधान सर्वोपरि है, परिवार सर्वोपरि नहीं है। कांग्रेस के लिए परिवार सर्वोपरि है और परिवार को आगे बढ़ाने के लिए वे संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं। क्या आज तक देश के इतिहास में ऐसा हुआ है कि किसी राजनीतिक दल ने सुप्रीम कोर्ट के सामने प्रदर्शन किया हो? आप याचिका दायर नहीं कर सकते, और सुप्रीम कोर्ट के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी कोशिश है कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जाए, लेकिन यह मोदी का शासनकाल है और यहां दबाव काम नहीं करता। ललन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी अपनी दादी के पदचिन्हों पर चल रहे हैं और वे कांग्रेस पार्टी को 1974-75 के दौर में ले जाना चाहते हैं। जब सभी के मौलिक अधिकार समाप्त कर दिए गए थे। लाखों लोग जेल में थे। जिस तरह उनकी दादी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए पूरे देश में आपातकाल लगा दिया, उसी तरह राहुल गांधी आज सत्ता पाने के लिए अराजकता की स्थिति पैदा करना चाह रहे हैं।

नशे का सेवन करने वाला खुद पीड़ित है : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले को पीड़ित बताते हुए कहा कि उन्हें सजा देने के बजाय सप्लाई चेन तोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने आगाह किया कि ड्रग्स का सेवन करने वालों पर मुकदमा चलाने और ट्रायल के दौरान जेल में रखने से इसके बुरे नतीजे सामने आ सकते हैं क्योंकि वे ऐसे लोगों के संपर्क में आ सकते हैं जो उन्हें ड्रग्स के धंधे में और गहराई तक धकेल सकते हैं। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि 'ड्रग्स का सेवन करने वाले पीड़ित होते हैं और ऐसे पीड़ितों पर मुकदमा चलाने से मामला और बिगड़ सकता है।

ट्रायल के दौरान जेल में रहने से पीड़ित सप्लाई चेन का हिस्सा बन सकता है क्योंकि जेल में बने संपर्कों की वजह से ऐसा हो सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून को लागू करने वाले एजेंसियों का ध्यान नशीले पदार्थों की उपलब्धता को रोकने और सप्लाई चेन को तोड़ने पर होना चाहिए, न कि सिर्फ इसका सेवन करने वालों को सजा देने पर। शीर्ष अदालत ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत एक महिला के खिलाफ दर्ज मुकदमा बंद करते हुए यह टिप्पणी की है।सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी महिला को एनडीपीएस मामले में चौथा आरोपी बनाया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वह कॉलेज के पास दो लोगों के पास गई और गांजे वाला एक पैकेट लिया, जिसे उसने अपने बैग में रख लिया। पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया, जबकि दो कथित विक्रेताओं के पास उनकी स्कूटी में अधिक मात्रा में गांजा मिला। हालांकि, पुलिस अधिकारियों के बयानों से पुष्टि हुई कि महिला या उसके बैग से कोई प्रतिबंधित सामान बरामद नहीं हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि यह पूरा मामला सह-आरोपी के बयान और आरोपी महिला के अपने कबूलनामे पर टिका है।

चुनाव टिकट बेचने संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कुछ राजनीतिक दलों द्वारा कथित तौर पर चुनाव टिकट बेचे जाने के स्टिंग ऑपरेशन की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को इस मुद्दे पर भारत के निर्वाचन आयोग के समक्ष लंबित अर्जी और रिमाइंडर को आगे बढ़ाने की छूट दी है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता संगठन 'स्वराज वाहिनी एसोसिएशन' की याचिका पर विचार करने से इनकार दिया। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर याचिकाकर्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने याचिकाकर्ता संगठन को अपनी शिकायत को लेकर निर्वाचन आयोग के समक्ष जाने को कहा है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि निर्वाचन आयोग शिकायत पर विचार करने के बाद समुचित निर्णय लेगा। शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका में केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग के अलावा उत्तर प्रदेश की निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और जन जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) को भी पक्षकार बनाया गया था।हाईकोर्ट ने 7 सितंबर को पारित आदेश में राजनीतिक दलों के कामकाज से जुड़े सोशल मीडिया पर वायरल स्टिंग ऑपरेशन की सीबीआई किसी अन्य जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि कोर्ट से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह जनहित के नाम पर पेश किए गए हर स्टिंग ऑपरेशन या सोशल मीडिया पोस्ट की जांच का आदेश दे।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश, एके-47 और छह हथगोले बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में मंगलवार को एक गुफा के भीतर बने संदिग्ध आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश किया गया। गुफा से एक स्वचालित राइफल, छह हथगोले और कारतूस बरामद हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सेना और पुलिस द्वारा सथराबाण के जंगलों में एक संयुक्त अभियान चलाया। इसी दौरान एक गुफा से ये हथियार बरामद किए गए। मौके से एक एके-47 राइफल, एक मैगजीन, 30 कारतूस, छह हथगोले और कुछ दवाइयां बरामद की गई हैं। अभियान के दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के बाद उधमपुर और कठुआ जिलों में फैले क्रमशः मजालता व बिलावर के ऊपरी इलाकों में तलाश अभियान जारी है।

भारत और चेक गणराज्य के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने का संकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चेक गणराज्य के उप प्रधानमंत्री कारेल हैवलिकेक के साथ मंगलवार को हुई व्यापक वार्ता में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इसमें सैन्य हार्डवेयर के संयुक्त विकास की संभावनाओं पर विचार करना भी शामिल है। जनवरी 2024 में दोनों पक्षों ने सहयोग को और प्रगाढ़ करने के लिए कुछ प्रमुख क्षेत्रों में रक्षा क्षेत्र की पहचान की थी। कारेल चेक गणराज्य के उद्योग और व्यापार मंत्री भी हैं। कारेल चार दिनों के दौरे पर भारत आए हैं और वह विभिन्न मंत्रालयों, व्यापार और कारोबार से जुड़े संगठनों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

उनके बेंगलुरु और मुंबई जाने का भी



कार्यक्रम है।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने भारत और चेक गणराज्य के बीच रक्षा-औद्योगिक सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने मेक-इन-इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देने के लिए भारत-चेक संयुक्त रक्षा समिति के तहत इस सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति जताई। मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने शांति और सुरक्षा से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर भी चर्चा की और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए अपने सहयोग को विस्तारित करने की जरूरत पर सहमत हुए।

चीन को भारत की दो टूक- लद्दाख भारत का, आपके खंडन से स्थापित तथ्य नहीं बदलेगा

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि लद्दाख पर चीन हमारे दावे का कितना भी खंडन कर ले इससे स्थापित तथ्य नहीं बदलेगा कि केन्द्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। यह बयान चीन की भारत की ओर से लद्दाख के अट्ठाईस (28) स्थानों व विशेषताओं को सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक मानचित्र पर मानक स्थान और विशेषता नामों के साथ चिह्नित किये जाने की प्रतिक्रिया में आया था। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा था कि चीन लद्दाख को मान्यता नहीं देता और वहां के लिए भारत की ओर से जारी 'मानक नामों' का कड़ा विरोध करता है। चीन विदेश मंत्रालय के इस बयान पर विदेश मंत्रालय के अधिकारिक प्रवक्ता ने प्रतिक्रिया जारी की है। प्रवक्ता का कहना है कि गृह मंत्रालय की ओर से जारी की गई विज्ञप्ति में किया गया उल्लेख स्वतः स्पष्ट है।

पेज एक का शेष

अपराधियों के...

कहा कि पहले कुछ लोगों की गलतियों और आपराधिक गतिविधियों का खामियाजा पूरे प्रदेश को भुगतना पड़ता था। उत्तर प्रदेश की पहचान अपराध और अव्यवस्था से जुड़ने लगी थी, लेकिन अब सरकार ने प्रदेश की छवि बदलने के लिए काम किया है। आज प्रदेश में सुरक्षा का माहौल मजबूत करने और लोगों का कानून-व्यवस्था पर भरोसा बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश में ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां आम नागरिक बिना भय के रह सकें, व्यापारी अपना कारोबार कर सकें, महिलाएं सुरक्षित महसूस करें और लोग शांतिपूर्ण ढंग से अपने धार्मिक तथा सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर सकें। मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की तृतीया तिथि पर मां चंद्रघंटा को नमन करते हुए कहा कि घंटे का नाद भयमुक्त वातावरण पैदा करता है। जगत जननी मां भगवती का यह स्वरूप असुरों, अराजक तत्वों, दंगाइयों और आतंकियों के मन में भय पैदा करने का प्रतीक है। यह गूंज घंटे की भी हो सकती है और हमारी कड़कदार आवाज की भी। वर्ष 2017 से पहले कोई पर्व या त्योहार आने से पहले ही उपद्रव शुरू हो जाता था। लोग उत्सव मनाने के बजाय अशांति की आशंका से चिंतित रहते थे। अब लोग उपद्रव भूल चुके हैं और प्रदेशभर में शारदीय नवरात्रि का आयोजन हर्षोल्लास से हो रहा है। देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में दर्शन कर पा रहे हैं, क्योंकि सरकार ने सुरक्षा की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले मुट्ठीभर लोगों के अपराधों का खामियाजा प्रदेश के 25 करोड़ लोगों को भुगतना पड़ता था। सबके सामने पहचान का संकट था। यूपी के बाहर जाने पर लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर होते थे। स्थिति यह थी कि धर्मशालाओं और होटलों में कमरा मिलना मुश्किल होता था। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद सबसे बड़ी चिंता इस धारणा को बदलने की थी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने इस दिशा में सफलता हासिल की है। अब उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी पहचान छिपाने की जरूरत नहीं है। जो लोग पहले यूपी से दूरी बनाते थे, आज वे उत्तर प्रदेश के करीब आना चाहते हैं। सुरक्षा का माहौल बनने से व्यापार बढ़ा है और निवेश को प्रोत्साहन मिला है। रोजगार के अवसर बढ़े और विकास की गति तेज हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि पुलिस को अच्छी ट्रेनिंग और सुविधाएं मिलें तो होमगार्ड, पीआरडी जवानों, और ग्राम प्रहरियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। इन सभी को सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना आवश्यक है। वर्ष 2017 से पहले ग्राम प्रहरियों की कोई सुध लेने वाला नहीं था। उस समय प्रदेश में करीब 68 हजार ग्राम पंचायतें थीं। अनेक ग्राम पंचायतों के नगर निकायों में शामिल होने और प्रशासनिक बदलावों के बाद आज भी प्रदेश में 57,600 से अधिक ग्राम पंचायतें हैं। प्रदेश में करीब 1.05 लाख राजस्व गांव हैं। इतने बड़े ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम प्रहरियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति सजग और सचेत है, तो गांव में कोई भी अप्रिय घटना होने से पहले उसकी जानकारी मिल सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के समय गांवों में अफवाहें तेजी से फैलती हैं। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बहराइच जैसे जिलों में वन्यजीवों से जुड़ी घटनाओं का खतरा भी रहता है। बहराइच में पिछले कुछ वर्षों से बरसात के दौरान लकड़बग्घों के हमलों की घटनाएं सामने आती रही हैं। बिजनौर में 40 से अधिक तेंदुओं को रेस्क्यू किया गया। वन्यजीवों से संभावित खतरे के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने और प्रशासन को समय पर सूचना देने में ग्राम प्रहरी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनकी एक सूचना किसी बड़ी अनहोनी को टाल सकती है। उन्हें भू-माफिया की गतिविधियों पर भी नजर रखनी चाहिए। उन्होंने गृह विभाग से कहा है कि जिन स्थानों पर ग्राम प्रहरी के पद खाली हैं, वहां नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार करीब 68 हजार ग्राम प्रहरियों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है।

'सपा का संबंध माफिया...

मंत्री गुलाब देवी का उल्लेख करते हुए कहा कि वह स्वयं शिक्षिका और प्रधानाचार्य रह चुकी हैं तथा शिक्षा जगत से जुड़ी रही हैं। योगी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी का संबंध शिक्षित और सभ्य समाज के बजाय माफिया, गुंडों और अपराधियों से रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में गरीबों, किसानों और शिक्षकों को सम्मान देने के बजाय मुख्यमंत्री आवास में अपराधियों और प्रभावशाली आपराधिक तत्वों को महत्व दिया जाता था। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश सरकार के माफिया-विरोधी अभियान से सपा को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब कर्फ्यू और दंगों से मुक्त होकर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, सुरक्षित माहौल से शिक्षा, निवेश, रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास को गति मिलती है। उन्होंने इसे प्रदेश में आए बदलाव का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों की जीत प्रदेश की दिशा और सरकार के कामकाज के प्रति संदेश देगी। उन्होंने कहा कि चुने हुए प्रतिनिधि विधान परिषद में शिक्षकों के मुद्दे उठाते हैं। कैशलेस चिकित्सा सुविधा, सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था में बदलाव जैसे विषयों को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। योगी ने शिक्षा को केवल अक्षर ज्ञान या डिग्री हासिल करने तक सीमित न बताते हुए कहा कि इसे नवाचार, शोध और विकास का माध्यम बनाना जरूरी है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लो को समर्थन देने की अपील की और उनके नाम का उल्लेख करते हुए कहा, 'नाम है हरि सिंह ढिल्लों, जब चाहे मिल लो।' उन्होंने प्रत्याशी के समर्थन में उपस्थित लोगों से हाथ उठवाकर सहमति भी ली।

यूपीआई पर 0.4...

तो कारोबारियों के खर्च और भुगतान व्यवस्था को लेकर सवाल उठ सकते थे। कारोबारी संगठनों और भुगतान कंपनियों की ओर से आशंका जताई गई थी कि त्योहारों के दौरान नए नियम लागू होने से दुकानदारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। इसी परिस्थिति को देखते हुए शुल्क लागू करने के फैसले को दिवाली तक टालने की बात सामने आई है। बताया गया है कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लागू किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए अभी कोई निश्चित तारीख घोषित नहीं की गई है। प्रस्तावित शुल्क व्यवस्था को लेकर देशभर के कारोबारियों और विपक्षी नेताओं ने विरोध जताया था। विरोध के पीछे मुख्य चिंता यह थी कि डिजिटल भुगतान पर शुल्क लगने से छोटे और मध्यम कारोबारियों की लागत बढ़ सकती है।

यूएई में मालदीव...

30 सितंबर की घटना की जांच के दायरे को यूएई के अधिकारियों द्वारा बढ़ाए जाने के बीच हुई हैं। इस घटना में फ्लाईदुबई के सह-पायलट और ओमान के नागरिक हम्माम अल-हम्मामी पर विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर कुल्हाड़ी से हमला करने का आरोप है। आरोप है कि उसने विमान पर नियंत्रण करने और आतंकवादी हमला करने के इरादे से ऐसा किया।

निर्वाचन आयुक्तों को...

खिलाफ कोई दीवानी या आपराधिक कार्यवाही शुरू या जारी नहीं रखेगी जो मुख्य निर्वाचन आयुक्त या निर्वाचन आयुक्त है या था, किसी ऐसे कार्य, बात या शब्द के लिए जो उसने अपने आधिकारिक कर्तव्य या कार्य के निर्वहन के दौरान या ऐसा करने का प्रयास करते हुए किया या कहा हो।' शीर्ष अदालत ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए, इस मुद्दे पर पहले से लंबित अन्य याचिका के साथ सुनवाई करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल जनवरी में, 2023 अधिनियम की धारा 16 के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों को दी गई छूट के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करने की सहमति जताते हुए नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। गैर सरकारी संगठन 'लोक प्रहरी' की याचिका में दावा किया गया है कि यह प्रावधान सीईसी और ईसी को अभूतपूर्व, बेलगाम शक्तियां देता है, क्योंकि यह उन्हें अपने पद के घोर दुरुपयोग के तहत की गई गलतियों के लिए जीवन भर किसी भी दीवानी और यहां तक कि आपराधिक कार्यवाही से पूरी तरह से स्थायी छूट प्रदान करता है। गैर सरकारी संगठन एडीआर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने पीठ से कानून की धारा 16 को असंवैधानिक, शून्य और अप्रभावी घोषित करने की करने की मांग की। उन्होंने पीठ से कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 तथा संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करती है।

एसआईआर के...

मल्लिकार्जुन खड़गे के पहचान पत्र की स्पष्ट प्रति उपलब्ध कराने और नौ याचिकाकर्ताओं की ओर से याचिका दायर करने के लिए लिखित सहमति प्रस्तुत करने को भी कहा गया है। यह याचिका मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने और कथित गड़बड़ियों के आरोपों से संबंधित है। विपक्षी नेताओं ने इस प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने याचिका की जांच के दौरान कुल 14 खामियां दर्ज की हैं। इनमें दस्तावेजों की गुणवत्ता और आवश्यक औपचारिकताओं से जुड़ी कमियां शामिल हैं। रजिस्ट्री के मुताबिक, याचिका के साथ जमा किए गए कुछ दस्तावेजों के पन्ने पढ़ने योग्य नहीं हैं, जबकि कुछ पन्ने गायब हैं। इसके अलावा, निर्धारित कोर्ट फीस की तुलना में 220 रुपये कम जमा किए गए हैं। याचिका के साथ प्रस्तुत पहचान संबंधी दस्तावेजों में भी सुधार की जरूरत बताई गई है। रजिस्ट्री ने याचिका दाखिल करने वाले वकील से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पहचान पत्र की स्पष्ट प्रति मांगी है। साथ ही, नौ याचिकाकर्ताओं से इस मामले में याचिका दायर करने के लिए लिखित सहमति देने को कहा गया है। न्यायालय में याचिका दाखिल करने की प्रक्रिया के तहत जरूरी दस्तावेजों, निर्धारित शुल्क और अन्य औपचारिकताओं का पूरा होना आवश्यक होता है। ऐसे में रजिस्ट्री की ओर से बताई गई कमियों को दूर करने के बाद ही याचिका की आगे की प्रक्रिया सुचारु रूप से बढ़ सकेगी।

बिम्सटेक देश सुनिश्चित...

को मजबूत करेगा। आतंकवाद से निपटने और कानून प्रवर्तन को सहयोग के प्रमुख क्षेत्र बताते हुए गृह मंत्री ने मौजूदा नोडल एजेंसियों के माध्यम से ठोस कार्रवाई में मददगार खुफिया जानकारी साझा करने तथा आतंकी फंडिंग और संगठित अपराध से निपटने के लिए बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आतंकियों, उनके सहयोगियों, आपराधिक नेटवर्क, वित्तीय माध्यमों और सीमा पार गतिविधियों से जुड़ी सत्यापित तथा कार्रवाई योग्य जानकारी समय पर साझा करने से सामूहिक सुरक्षा मजबूत हो सकती है। मादक पदार्थों की तस्करी की समस्या पर शाह ने कहा कि केवल एक देश के प्रयासों से इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा कि हमें पूरे क्षेत्र को साथ लेकर चलने वाला दृष्टिकोण अपनाना होगा। मादक पदार्थों से होने वाली अवैध कमाई संगठित अपराध को आर्थिक ताकत देती है और इसका इस्तेमाल आतंकी फंडिंग के लिए भी किया जाता है। नशीले पदार्थ बनाने में प्रयोग होने वाले रसायनों का अवैध इस्तेमाल और डार्क वेब के माध्यम से होने वाले लेनदेन इस चुनौती को और जटिल बना देते हैं।

दूसरों को सशक्त...

में भी जरूरी वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति जारी रख सकें।प्रधानमंत्री ने डिजिटल तकनीक के माध्यम से सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लोगों के बैंक खातों तक पहुंचाने की व्यवस्था का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, इससे सरकार और नागरिकों के बीच सीधा संपर्क मजबूत हुआ है तथा सरकारी योजनाओं के लाभ लोगों तक पहुंचाने में पारदर्शिता बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया एक संकट से उबरने की कोशिश करती है, तभी उसके सामने कोई नई चुनौती खड़ी हो जाती है। आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा, खनिज, भुगतान व्यवस्था और तकनीक जैसे क्षेत्र अब अंतरराष्ट्रीय दबाव और प्रभाव के साधन भी बन रहे हैं। इसी बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हर क्षेत्र में काम करने के तरीके बदल रही है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने सबसे बड़ा सवाल भरोसे का है। देशों को यह विश्वास चाहिए कि जरूरत के समय सामान और सेवाओं की आपूर्ति जारी रहेगी, समझौतों का पालन किया जाएगा और संकट के समय साझेदार देश उनका साथ देंगे। प्रधानमंत्री के अनुसार, भारत इस दिशा में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। तेजी से बदलती तकनीक और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्रयास है कि विकास के नए अवसर पैदा हों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत हो।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारत की आर्थिक स्थिति और सुधारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रही है और देश का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से अधिक है। उन्होंने इन आंकड़ों को भारत की आर्थिक क्षमता और आत्मविश्वास से जोड़ते हुए कहा कि देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने कारोबार को आसान बनाने और आर्थिक व्यवस्था में सुधार करने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने दिवाला संबंधी कानून और कारोबारी नियमों में बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुधार करना सरकार के लिए केवल एक नीतिगत विकल्प नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास का विषय है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक सुधारों का उद्देश्य कारोबार के लिए बेहतर वातावरण बनाना, निवेश को प्रोत्साहित करना और देश की आर्थिक क्षमताओं को मजबूत करना है। भारत का लक्ष्य ऐसी व्यवस्था तैयार करना है, जिसमें उद्यमियों और निवेशकों को नए अवसर मिलें तथा अर्थव्यवस्था की विकास यात्रा को गति मिले। प्रधानमंत्री ने डिजिटल क्रांति का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2014 के बाद मोबाइल डेटा सस्ता होने से देश में इंटरनेट की पहुंच बढ़ी है। इसका फायदा छोटे शहरों और कस्बों में रहने वाले विद्यार्थियों तथा युवाओं को मिला है। अब विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं, नई जानकारी हासिल कर सकते हैं और रोजगार से जुड़े अवसरों तक पहुंच बना सकते हैं। डिजिटल तकनीक ने उन लोगों के लिए भी नए रास्ते खोले हैं, जिनके पास पहले सीमित संसाधन और अवसर उपलब्ध थे। प्रधानमंत्री के अनुसार, तकनीक का वास्तविक लाभ तभी है, जब उसका फायदा समाज के व्यापक हिस्से तक पहुंचे। डिजिटल सुविधाओं का विस्तार आर्थिक और सामाजिक अवसरों को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में सरकारी कामकाज को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों तक पहुंचाने से बिचौलियों की भूमिका कम करने में मदद मिली है। उन्होंने डिजिटल व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार तथा नागरिकों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करना सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार कम करने और योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल अधिकारों का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि नागरिकों को मजबूत बनाना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हुए कहा कि देश की लोकतांत्रिक परंपराएं और विविधता उसकी बड़ी ताकत हैं। भारत का दृष्टिकोण लोगों को सशक्त बनाने और उन्हें विकास के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सामने आज ऊर्जा, तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक स्थिरता जैसी कई चुनौतियां हैं। इनका समाधान किसी एक देश के प्रयासों से संभव नहीं है।

अजीत डोभाल पर राहुल की टिप्पणी से भाजपा हमलावर

कैनविज टाइम्स संवाददाता



गोपेश्वर। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी पर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने गोपेश्वर में पत्रकारों से बातचीत कर कांग्रेस नेतृत्व से सवाल किया कि राहुल गांधी की टिप्पणी पर पार्टी का आधिकारिक रुख क्या है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देने वाले व्यक्तित्वों के सम्मान और उत्तराखंड के गौरवशाली सपूतों के योगदान का मुद्दा उठाया। पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत ने कहा कि अजीत डोभाल ने दशकों तक देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तराखंड की धरती से जुड़े ऐसे व्यक्तित्व का योगदान प्रदेश के गौरव से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहे व्यक्ति के संबंध में सार्वजनिक संवाद में मर्यादा और सम्मान बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने दिवंगत जनरल बिपिन रावत और अजीत डोभाल जैसे व्यक्तित्व देश को दिए हैं, जिनका जीवन राष्ट्रसेवा और देश की सुरक्षा से जुड़ा रहा है। भाजपा ने कांग्रेस से स्पष्ट करने की मांग की कि राहुल गांधी की टिप्पणी पार्टी का आधिकारिक मत है या नहीं। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और आतंकवाद के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाइयों को लेकर हुई राजनीतिक बहस का भी जिक्र किया गया। कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर राजनीतिक दलों को तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले व्यक्तित्वों के प्रति सम्मान बनाए रखना भी जरूरी है। रावत ने इस मुद्दे पर कांग्रेस नेतृत्व से अपना रुख स्पष्ट करने की बात कही। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सपूतों के योगदान और राष्ट्रसेवा के प्रति सम्मान को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखा जाना चाहिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष गजेंद्र सिंह रावत, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रघुबीर सिंह बिष्ट, जिला महामंत्री विनोद कनवासी, दशोली प्रमुख विनीता देवी, पूर्व प्रमुख नन्दन सिंह व भगत सिंह बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र हटवाल, हर्षवर्धन मैठाणी, आरती रावत, सतेश्वरी टम्टा आदि मौजूद रहे।

परविंदर झोटा की हत्या पर विपक्ष ने मान सरकार को घेरा, कानून-व्यवस्था और नशा विरोधी अभियान पर उठाए सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुखबीर बादल, केवल सिंह ढिल्लों, सुनील जाखड़ और राजा वड़िंग ने झोटा की हत्या पर दुख जताया

चंडीगढ़। नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह उर्फ झोटा की मानसा में गोली मारकर हत्या के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने भगवंत मान सरकार को घेरते हुए प्रदेश की कानून-व्यवस्था और सरकार के 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने झोटा की हत्या पर दुख जताते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है और सरकार का नशा विरोधी अभियान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाया है। उन्होंने राज्य सरकार पर गंभीर मुद्दों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने भी सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना की। उन्होंने हत्या, गैंगस्टर गतिविधियों और नशीले पदार्थों की कथित बिक्री का जिक्र करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। ढिल्लों ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस्तीफ़े की मांग भी की। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि झोटा की हत्या ने नशे के खिलाफ सरकारी अभियान पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने औषधीय नशों की कथित बढ़ती समस्या का उल्लेख करते हुए पूछा कि ऐसे पदार्थों की आपूर्ति रोकने और जब्ती के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं। जाखड़ ने ड्रग इंस्पेक्टरों की जवाबदेही पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस नेता और पूर्व पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी हत्या को कानून-व्यवस्था की विफलता से जोड़ते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झोटा लंबे समय से नशे के खिलाफ आवाज उठा रहे थे, लेकिन उनके प्रयासों को पर्याप्त सरकारी समर्थन नहीं मिला। वड़िंग ने वर्ष 2023 में झोटा के परिवार से हुई अपनी मुलाकात का भी जिक्र किया और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोप राजनीतिक दावे हैं, सरकार की ओर से इन सभी आरोपों पर विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में बढ़ा मेडिकल शिक्षा का दायरा, एमबीबीएस की सीटें 1700 हुईं

देहरादून। उत्तराखंड में मेडिकल शिक्षा का दायरा बढने के साथ एमबीबीएस की सीटें 1700 हो गई हैं। राज्य में पिछले पांच वर्षों के दौरान तीन नए राजकीय मेडिकल कॉलेज शुरू हुए हैं। रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज को भी जल्द 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति मिलने की उम्मीद है। इन सीटों को मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश के छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों में वर्तमान 675 सीटों की संख्या बढ़कर 775 हो जाएगी। निजी मेडिकल कॉलेजों और एम्स ऋषिकेश को मिलाकर राज्य में एमबीबीएस की कुल सीटें 1700 तक पहुंच गई हैं। राज्य की पुष्कर सिंह धामी सरकार हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। सरकार का जोर चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर डॉक्टर तैयार करने पर है। इससे प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चिकित्सकीय मानव संसाधन उपलब्ध कराने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में वर्तमान में देहरादून, हल्द्वानी, श्रीनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार में राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इनमें अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार के मेडिकल कॉलेज पिछले पांच वर्षों में शुरू हुए हैं। रुद्रपुर में भी मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हो चुका है। यहां 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति मिलने के बाद सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा की क्षमता और बढ़ जाएगी। वर्तमान में छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 675 सीटें हैं। इनमें देहरादून मेडिकल कॉलेज में 150, हल्द्वानी में 125, श्रीनगर में 150, अल्मोड़ा में 100, हरिद्वार में 100 और पिथौरागढ़ में 50 सीटें शामिल हैं। रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज की प्रस्तावित 100 सीटों को जोड़ने पर राजकीय मेडिकल कॉलेजों में कुल सीटें 775 हो जाएंगी। इसके अतिरिक्त प्रदेश के चार निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 900 सीटें हैं। इनमें हिमालयन इंस्टीट्यूट जौलीग्रांट में 250, एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज देहरादून में 250, गौतम बुद्ध मेडिकल कॉलेज देहरादून में 150 और ग्राफिक एरा इंस्टीट्यूट देहरादून में 250 सीटें हैं। एम्स ऋषिकेश में भी 125 एमबीबीएस सीटें हैं। इस तरह सरकारी, निजी और केंद्रीय संस्थान को मिलाकर प्रदेश में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या 1700 है। रुद्रपुर की प्रस्तावित सीटों की मंजूरी के बाद यह संख्या बढ़कर 1800 हो जाएगी। चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सोच के अनुरूप उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रदेश डॉक्टरों और नर्सों सहित चिकित्सा क्षेत्र के मानव संसाधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करना सरकार का संकल्प है, ताकि स्थानीय स्तर पर योग्य डॉक्टर तैयार हों और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए प्रदेश से बाहर नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के साथ स्वास्थ्य सेवाओं तक आम लोगों की पहुंच बढ़ाने पर भी सरकार का ध्यान है।

आपदा के समय दिव्यांगजन खुद को कैसे रखें सुरक्षित, मजकूरी पंचायत में दिया गया प्रशिक्षण

किशनगंज। आपदा की स्थिति में दिव्यांगजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कोचाधामन प्रखंड की मजकूरी पंचायत में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य मुख्यालय सक्षम, पटना एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त निर्देशों के आलोक में आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के साथ उनके अभिभावकों को भी आवश्यक जानकारी दी गई। जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, सक्षम, किशनगंज के जिला प्रबंधक के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बुनियाद केंद्र, किशनगंज के तकनीकी कर्मियों ने दिव्यांगजनों को आपदा के दौरान सतर्कता बरतने, अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरी सावधानियां अपनाने के बारे में बताया। कार्यक्रम में मजकूरी पंचायत के दिव्यांगजनों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि बाढ़, आग, भूकंप अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर सतर्कता और सही कदम उठाना बेहद जरूरी है। ऐसी परिस्थितियों में दिव्यांगजनों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एवं बचाव की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए दिव्यांगजनों और उनके अभिभावकों को संभावित जोखिमों की पहचान करने तथा संकट के समय उपलब्ध सहायता का उपयोग करने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आपदा के समय सुरक्षित रहने के उपायों से अवगत कराना और उनकी बचाव संबंधी क्षमताओं को मजबूत करना था। साथ ही अभिभावकों को भी यह समझाने का प्रयास किया गया कि आपातकालीन स्थिति में दिव्यांगजनों की सहायता किस प्रकार की जाए, ताकि जोखिम को कम किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में यूनिसेफ के क्षेत्रीय के जिला समन्वयक एवं संबंधित कर्मियों ने विशेष सहयोग दिया। इस पहल के माध्यम से दिव्यांगजनों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संकट के समय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास किया गया।

विकसित भारत- जी राम जी योजना को लेकर प्रशिक्षित हो रहे पदाधिकारी एवं कर्मी

पटना। बिहार का ग्रामीण विकास विभाग विकसित भारत- जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गंभीर है और इसी उद्देश्य से पदाधिकारियों एवं कर्मियों को योजना के विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस क्रम में वर्तमान में वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के अंतर्गत अनुमेय कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन विषय पर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 से 16 अक्टूबर 2026 तक पटना स्थित दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान में आयोजित किया जा रहा है। बिहार रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों का एक सक्षम समूह तैयार करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रत्येक जिले से जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, कार्यक्रम पदाधिकारी समेत 5 प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने जिले एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों तथा तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे।

अमेरिकन आश्रम की जमीन को लेकर विवाद गहराया बाबा हठयोगी ने परमजीत पर लगाए गंभीर आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता



हरिद्वार। अमेरिकन आश्रम की संपत्ति को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। अब स्वयं को ट्रस्ट का अध्यक्ष बताने वाले बाबा हठयोगी ने आश्रम की प्रबंधक परमजीत कौर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बाबा हठयोगी ने स्वामी रामविशाल दास और अन्य संतों के साथ मीडिया से बातचीत में दावा किया कि आश्रम के नाम पर कथित रूप से फर्जी ट्रस्ट बनाकर संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी।

बाबा हठयोगी ने आरोप लगाया कि कथित फर्जी ट्रस्ट में जमीन को खुर्द-बुर्द करने के आरोपी सोलंकी और परमजीत कौर के परिजनों को शामिल किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इस ट्रस्ट की आड़ में आश्रम की जमीन बेची जा रही है। साथ ही, परमजीत कौर पर आश्रम परिसर में ही रेस्टोरेंट खोलने का आरोप भी लगाया।

बाबा हठयोगी और स्वामी रामविशाल दास ने आरोप लगाया कि आश्रम की तीन बीघा भूमि बिल्डर अजय कुमार को परमजीत कौर ने दी है। बाबा हठयोगी का दावा है कि इस संबंध में उनके पास दस्तावेजी प्रमाण मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम की संपत्ति के संबंध में मनमाने फैसले लेकर निजी हित साधने की कोशिश की जा रही है, जिसे वह किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेंगे। बाबा हठयोगी ने कहा कि मैडम ईस्टर फ्रीड ने स्वयं आग्रह कर उन्हें ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाया था, ताकि आश्रम की भूमि की रक्षा की जा सके। उन्होंने बताया कि वह ट्रस्ट के सचिव भी हैं और इसमें कुल सात सदस्य हैं। उनके मुताबिक, बहुमत के बिना ट्रस्ट में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता। इसी आधार पर उन्होंने स्वयं को ट्रस्ट का अध्यक्ष बताते हुए संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने की बात कही। बाबा हठयोगी ने आरोप लगाया कि परमजीत कौर मैडम ईस्टर फ्रीड को भ्रमित कर मनमाने निर्णय ले रही हैं।

उन्होंने कहा कि आश्रम की संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने के कथित प्रयासों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आश्रम की जमीन पर भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेताओं की नजर है। बाबा हठयोगी ने स्पष्ट कहा कि वह आश्रम की भूमि को निजी हितों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। यदि इस संपत्ति का उपयोग सार्वजनिक हित में नहीं किया जाता है तो उसे सरकार में निहित कराने की मांग की जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 150 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी, पांच स्थानों पर ईवी चार्जिंग का शुभारंभ

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को 150 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर डीटीसी के बेड़े में शामिल किया। साथ ही पांच प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार एक ओर लगातार नई इलेक्ट्रिक बसें जोड़ रही है, तो दूसरी ओर ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तेजी से विस्तार कर रही है। साथ ही मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ आनंद विहार एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण कम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट सहयोगी मनजिंदर सिंह सिरसा, डॉ. पंकज कुमार सिंह, विधायक ओम प्रकाश शर्मा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

पंजाब में नशा विरोधी अभियान चलाने वाले एक्टिविस्ट की गोली मारकर हत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता



मानसा। नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह उर्फ झोटा की मंगलवार को मानसा शहर में एक मेडिकल स्टोर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के दौरान उनके चार साथी भी घायल हुए। सभी को सिविल अस्पताल मानसा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने झोटा को मृत घोषित कर दिया। झोटा की हत्या के बाद बड़ी संख्या में उनके समर्थक सिविल अस्पताल पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

पुलिस के अनुसार झोटा एक व्यक्ति को कथित तौर पर नशीली दवाएं बेचने के मामले में मेडिकल स्टोर संचालक से सवाल कर रहे थे। इस दौरान वह बातचीत को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर रहे थे और करीब 5 मिनट 48 सेकंड का वीडियो उनके फ़ेसबुक पेज पर लाइव प्रसारित हुआ। वीडियो में झोटा को यह कहते सुना जा सकता है कि दुकान संचालक ने पिस्तौल निकाल ली है। इसके कुछ ही देर बाद गोलीबारी हो गई। मानसा सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. गुरमेल सिंह के अनुसार झोटा को तीन गोलियां लगीं दो पेट में और एक जांघ में। एक गोली लिवर को पार कर गई, जिससे उनकी मौत हो गई। चार अन्य घायलों को अपेक्षाकृत हल्की चोटें बताई गई हैं। झोटा की हत्या के बाद बड़ी संख्या में उनके समर्थक सिविल अस्पताल पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मृतक के पिता ने न्याय मिलने तक अंतिम संस्कार नहीं करने की बात कही। बाद में समर्थकों ने मानसा के बड़ा हट्टा चौक पर धरना शुरू कर दिया। इस हत्याकांड के बाद जुलाई, 2023 का एक पुराना विवाद भी फिर चर्चा में आ गया है। आरोप है कि उस समय झोटा और उनके समर्थकों ने अश्वनी कुमार नामक मेडिकल स्टोर संचालक को कथित रूप से प्रतिबंधित दवाएं बेचने के आरोप में पकड़ा था।

शिकायतों के निपटारे में देरी नहीं, निष्पक्ष जांच कर त्वरित कार्रवाई करें अधिकारी : एसपी

किशनगंज। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और उन्हें समय पर न्याय दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस कार्यालय, किशनगंज में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने जन सुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा। एसपी ने सभी शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना और प्राप्त आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की शिकायतों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निष्पादन पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक मामले की गंभीरता को समझते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर राहत मिल सके।

शहीद एएसआई इकबाल सिंह के परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता : डीजीपी पंजाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरे पुलिस सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार, हमलावरों की तलाश में जुटी पुलिस

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग में तैनात एएसआई इकबाल सिंह की हत्या के बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उनके परिवार के लिए एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक की ओर से परिवार को एक करोड़ रुपये का बीमा भुगतान भी किया जाएगा। पंजाब के डीजीपी ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि एएसआई इकबाल सिंह ने ड्यूटी के दौरान अपना जीवन बलिदान किया और पंजाब पुलिस दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि दिवंगत पुलिसकर्मी को पूरे पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। करीब 54-55 वर्षीय इकबाल सिंह तरनतारन जिले के नौशहरा पन्नूआ गांव के रहने वाले थे और फिरोजपुर में काउंटर इंटेलिजेंस विंग में सेवाएं दे रहे थे। 11 अक्टूबर की शाम वह मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तभी नौशहरा पन्नूआ-लोहका रोड पर मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चला दीं। हमले में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी छूटे हुए कार्य मार्च 2027 तक पूर्ण करें : सम्राट

कैनविज टाइम्स संवाददाता



पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम हॉल में 'राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम' में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी भवन, अस्पताल, विद्यालय भवन, आंगबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य संस्थान, छूटे हुये टोलों के सड़क आदि की मरम्मती, रख-रखाव, साफ-सफाई का कार्य 31 मार्च 2027 के पहले पूर्ण करायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में रंग-रोगन, चहारदीवारी, मरम्मती कार्य, शौचालय, पेयजल एवं बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दें। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त वर्ग-कक्षाओं एवं भवनविहीन विद्यालयों में भवन निर्माण तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण में तेजी से करायें। उन्हंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संबद्ध विभाग शिकायतों का समयबद्ध समाधान करते रहें ताकि आमजनों को त्वरित राहत मिल सके। सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से शिकायतों का समाधान ससमय होने से आम लोगों को राहत मिल रही है, उनका विश्वास बढ़ा है, उसे बनाये रखना है। सभी अधिकारी और कर्मी आवेदन के निष्पादन में अपना पूर्ण सहयोग दें। संवेदनशीलता और तत्परता के साथ सभी की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें न्याय दिलाना हमारा दायित्व है। आज आयोजित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में कुल 101 आवेदक उपस्थित हुए, जिनके मामलों का निष्पादन किया गया। बैठक के दौरान राज्य भर से आये हुये आवेदकों ने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी-अपनी समस्यायें रखीं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, शिक्षा विभाग, गृह विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, ऊर्जा विभाग सहित अन्य विभागों से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने संबद्ध जिला के जिलाधिकारी एवं विभाग को निर्देश दिया कि समय सीमा के अंदर आवेदकों की समस्याओं का समाधान करें। मुख्यमंत्री के निर्देश पर संबद्ध विभाग एवं जिलाधिकारी ने आवेदक की समस्या का ससमय समाधान का आश्वासन दिया। जिन आवेदकों की समस्याओं का समाधान हो गया उन्होंने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम की सराहना की। कुछ आवेदक जब मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रख रहे थे, उस दौरान मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलाधिकारी एवं संबद्ध विभाग द्वारा समस्याओं के समाधान के आश्वासन के बाद वे लोग संतुष्ट दिखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063